जबलपुर, नई दिल्ली एवं पटना से एक साथ प्रकाशित

www.pratahkiranlive.com

सुविचार

मुश्किल वक्त ही योद्धा बनाता है।

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

10

■ वर्ष -01 ■ अंक - 199 ■ जबलपुर, मंगलवार, 17 फरवरी 2026 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज - 12 ■ मूल्य रू 04.00

संक्षिप्त समाचार

भारत से हार पर भड़के शोएब अख्तर, पीसीबी चीफ मोहनीश नकवी को बताया 'जाहिल और अक्षम'

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने मोहसिन नकवी की जमकर आलोचना करते हुए उन्हें अक्षम और अज्ञानी बताया। यह आलोचना तब हुई जब पाकिस्तान को 15 फरवरी, रविवार को कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत से 61 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। अख्तर ने पाकिस्तान की कमजोर आत्मसमर्पण की कड़ी निंदा की, जिसके चलते भारत ने टी20 विश्व कप के इस निर्णायक मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की।

कैमिकल फैक्ट्री में आग से 8 की मौत

जयपुर। राजस्थान के भिवाड़ी में सोमवार को एक कैमिकल फैक्ट्री में आग से 8 लोगों की मौत हो गई। बताया जाता है कि मारे गए सभी मजदूर थे। इनकी डेड बॉडीज भी मिल गई हैं। जानकारी के मुताबिक– दो मजदूर अब भी फैक्ट्री में फंसे हैं। इन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है। यह फैक्ट्री भिवाड़ी के कुशखेरा–करोली इंडस्ट्रियल एरिया में है। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट सुमिता मिश्रा ने कहा– पुलिस को घटना की जानकारी रूटीन पेट्रोलिंग के दौरान मिली। इसके फौरन बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। आग लगने के वजहों की जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, इस क्षेत्र में औद्योगिक दुर्घटनाएं अक्सर केमिकल रिएक्शन और शॉर्ट सर्किट के कारण होती हैं।

छतरपुर में मुस्लिम चचेरी बहनों ने हिंदू चचेरे भाइयों से की शादी, मांगी सुरक्षा

छतरपुर। जिले के नौगांव थाना क्षेत्र से लापता दो मुस्लिम युवतियों ने पांच दिन बाद इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर शादी करने का दावा किया। इन चचेरी बहनों ने हिंदू चचेरे भाइयों से शादी की। वीडियो में दोनों ही युवतियां अपने पतियों के साथ दिख रही हैं। अपने मायके पक्ष से जान का खतरा बताकर नौगांव थाना प्रभारी और पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा की मांग की है।

बैंक जाने का कहकर हुई थीं लापता

नौगांव थाना क्षेत्र में दो मुस्लिम युवतियां घर से बैंक जाने की बात कहकर निकली थीं और लापता हो गई थीं। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई और लापता की खोज चल रही थी, लेकिन पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला।

म.प्र.विधानसभा बजट सत्र का हंगामेदार आगाज, राज्यपाल के अभिभाषण में दूषित जल का उल्लेख नहीं, कांग्रेस ने घेरा

प्रातःकिरण संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को संभावना के अनुरूप हंगामे के साथ प्रारंभ हुआ। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अभिभाषण पढ़ना प्रारंभ किया तब तक तो सब ठीक था, लेकिन जैसे ही वे जल संरक्षण के बिंदु पर आए तो नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और कांग्रेस के बाकी सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित जल का उल्लेख न होने का मुद्दा उठा दिया।

विपक्ष ने घेरा, राज्यपाल ने गिनाईं उपलब्धियां

इसके साथ ही छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत और सेना की अधिकारी को लेकर अशालीन टिप्पणी पर सरकार को घेरा। हंगामे के बीच राज्यपाल सरकार की उपलब्धियां गिनाते रहे। लगभग 15 मिनट उन्होंने अभिभाषण पढ़ा और बाकी पढ़ा हुआ मान लिया गया। राज्यपाल ने अभिभाषण में केन–बेतवा लिंक, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना, सिंहस्थ की तैयारी, कानून व्यवस्था, माओवादी समस्या के उन्मूलन पर बात रखी।

निवेश, औद्योगिक विकास और आंतरिक सुरक्षा

उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में जीआईएस, रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और रोड शो के माध्यम से 11.09 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। 48 औद्योगिक पार्क बनाए जा रहे हैं। रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। आंतरिक सुरक्षा को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। पर्व–त्योहारों, आंदोलनों और संवेदनशील अवसरों पर सांप्रदायिक सौहार्द बना रहा। कहीं कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई।

किसान कल्याण और ग्रामीण विकास

किसानों को समय पर खाद मिले, इसके लिए ई–विकास लागू किया गया। 6.44 लाख किसानों को 1,292 करोड़ रुपये का सोयाबीन खरीदी पर भावांतर दिया गया। प्रदेश को देश की दूध की राजधानी बनाने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 37 लाख परिवारों के 56 लाख मजदूरों को काम दिलाया गया। 86 हजार खेत तालाब, 548 जलाशयों का निर्माण किया गया।

महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता मिशन

चार लाख स्व सहायता समूह की सदस्य लखपति श्रेणी में आईं। वाश ऑन व्हील और मिशन पिंक टायलेट के माध्यम से स्वच्छता के साथ महिला रोजगार को बढ़ाया गया। पीएम जन अभियान में 1.35 लाख आवास बनाए गए।

ऊर्जा भंडारण और पंप स्टोरेज में बड़ा निवेश

उन्होंने बताया कि 25,514 मेगावाट बिजली क्षमता पहुंच गई। प्रदेश की ऊर्जा भंडारण की पहली परियोजना तैयार हो रही है। पंप स्टोरेज नीति के अंतर्गत 14,650 मेगावाट क्षमता की परियोजना स्वीकृत हुई हैं, जिनसे 88,865 करोड़ रुपये का निवेश होगा। सिंहस्थ 2028 के लिए घाट निर्माण के साथ अन्य कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं।

भारत मंडपम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया कृत्रिम बुद्धिमत्ता का शंखनाद

AI बनेगा भारत की नई शक्ति !

● नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के व्यावहारिक उपयोग को प्रदर्शित कर नीति-निर्माण, नवाचार और कार्यान्वयन को एक मंच पर लाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (16 फरवरी) राजधानी राजधानी के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया। यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ आयोजित किया जाएगा और इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोग को प्रदर्शित करने वाले एक राष्ट्रीय मंच के रूप में देखा जा रहा है, जो नीति निर्माण, नवाचार और व्यापक कार्यान्वयन को एक ही मंच पर लाएगा। 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 क्षेत्रों में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियां, स्टार्टअप, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतर्राष्ट्रीय भागीदार भाग ले रहे हैं।

आकाश अंबानी ने पेश किया स्मार्ट होम

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान जियो एआई पवेलियन में जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, संस्कृति और स्मार्ट होम सॉल्यूशंस के क्षेत्र में कंपनी के एआई-आधारित परिवर्तन का प्रदर्शन किया। 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई नेता एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए नई दिल्ली में एकत्रित हुए। एआई इम्पैक्ट समिट तीन मूलभूत स्तंभों या 'सूत्रों' पर आधारित हैः लोग, ग्रह और प्रगति। इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो में 30 देशों के 300 से अधिक प्रदर्शकों के 10 से अधिक विषयगत पवेलियनों में भाग लेने की उम्मीद है। भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए प्रभाव-उन्मुख और जन-केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है, जिसमें मापने योग्य सामाजिक और आर्थिक परिणामों को प्राप्त करने पर जोर दिया गया है। यह शिखर सम्मेलन तीन मूलभूत स्तंभों पर आधारित है, जिन्हें 'सूत्र' कहा जाता है - एक संस्कृत शब्द जिसका अर्थ है मार्गदर्शक सिद्धांत या आवश्यक सूत्र जो ज्ञान और कर्म को आपस में जोड़ते हैं।

इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 : 45 देशों के वीवीआईपी मेहमान

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आज से शुरू होने वाले इंडिया–एआई इम्पैक्ट समिट के लिए सरकार ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। लगभग 10,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है और पांच दिवसीय इस कार्यक्रम के लिए एक बहु–एजेंसी सुरक्षा ढांचा तैयार किया गया है, जिसमें 20 देशों के राष्ट्राध्यक्षों सहित कई प्रतिभागी शामिल होंगे। 45 से अधिक देशों के मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासचिव और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी विचार–विमर्श में शामिल होंगे। चौबीसों घंटे निगरानी के लिए एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के साथ कुल 516 सीसीटीवी कैमरे (333 नई दिल्ली नगर परिषद और 183 दिल्ली पुलिस के) जोड़े गए हैं।

उद्देश्य एवं सुरक्षा संदर्भ

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 एक उच्चस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय आयोजन है जिसमें राष्ट्राध्यक्ष/सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल, उद्योग जगत के नेता, मीडिया और आम प्रतिनिधि शामिल होंगे। आयोजन के व्यापक पैमाने, प्रतिभागियों की विविधता और सुरक्षा संवेदनशीलता को देखते हुए, आयोजन स्थल के भीतर सभी प्रतिभागियों की आवाजाही को विनियमित करने के लिए एक औपचारिक प्रवेश नियंत्रण और आवागमन प्रबंधन ढांचा परिभाषित किया गया है।

ममता को मिले 'INDIA' गठबंधन की कमान

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के सलाहकार संजय बारू की सलाह; कहा- वे सेल्फ मेड नेता

नई दिल्ली। विपक्षी 'INDIA' गठबंधन का नेतृत्व कौन करेगा, इसे लेकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के मीडिया एडवाइजर रह चुके संजय बारू ने अपनी राय रखी। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम आगे बढ़ाया है। उन्होंने सुझाव दिया कि बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्षी गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को सौंपी जाए। संजय बारू ने सुझाव देते हुए कहा कि वर्तमान समय में किसी पॉलिटिकल पार्टी और सरकार दोनों की अगुवाई करने वाली ममता बनर्जी अकेली महिला नेता हैं। ऐसे में वो राष्ट्रीय और राज्य की मौजूदा नेताओं की पीढ़ी में अलग पहचान रखती हैं। उन्होंने एक आर्टिकल में ममता बनर्जी को सेल्फ मेड और पहली पीढ़ी की नेता बताया है। संजय बारू ने कहा- पहले सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह एक साथ काम करते थे। अभी के कांग्रेस शीर्ष राजनीति में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे साथ काम कर रहे, लेकिन पार्टी को उम्मीद के अनुसार कोई खास फायदा नहीं मिल रहा है। ममता भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगा सकती हैं- बारू दरअसल, टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने संजय बारू के आर्टिकल को सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसके बाद उन्होंने लिखा- यह वह सुझाव है, जिसे इंप्लिमेंट करने का समय आ गया है। बारू ने लिखा कि यह देखते हुए कि सत्तारूढ़ भाजपा एक पुरुष-प्रधान पार्टी मानी जाती है, ऐसे में अगर विपक्षी गठबंधन की अगुवाई कोई महिला नेता करती है, तो अच्छा होगा। ममता बनर्जी एक ऐसी महिला हैं, जो महिला सशक्तिकरण की सिम्बल है। ऐसे में वह भाजपा के हाल के वर्षों में बने महिला वोट बैंक में सेंध लगा सकती है।

कार्टून कोना

देवमऊ में हुआ रिश्तों का कत्ल

मामी के साथ अवैध संबंध छिपाने नानी की हत्या

● प्रात :किरण संवाददाता, सतना

जिले के रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवमऊ में बीते दिनों बुजुर्ग महिला रुक्मणी रावत की संदिग्ध परिस्थित में घर से कुछ दूर लाश मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर पता चला कि गला घोंट कर हत्या की गई है। शक के आधार पर पुलिस ने करीबी परिजनों से पूछताछ की तो घटना का खुलासा हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी कयामत रावत का अपनी मामी भारती उर्फ कंचन रावत से अवैध था। 5 फरवरी की शाम मृतिका को दोनो लोगो के अवैध संबंध की जानकारी हो गई थी। आरोपी कयामत रावत को सामाजिक एवं पारिवारिक बदनामी का डर हो गया कि नानी द्वारा परिवार में इस बात की चर्चा करने पर बदनामी होगी। डर से आरोपी कयामत रावत द्वारा नानी(मृतिका) को रास्ते से हटाने के उद्देश्य से सरसो के खेत के पास नानी को पकड़कर हाथ से मारकर गिरा दिया गया एवं कडा से सिर व गला चेहरा में मारा फिर तार नानी के गला में फंसाकर मार डाला। आरोपी कयामत रावत एवं भारती उर्फ कंचन रावत को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया है।

राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली बेल

नई दिल्ली। राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार, 16 फरवरी को 2018 के चेक बाउंस केस में बेल दे दी। कोर्ट से किए गए पेमेंट के वादे पूरे न कर पाने के बाद, एक्टर को फरवरी के पहले हफ्ते में तिहाड़ जेल में सरेंडर करने के लिए कहा गया था। पिछले हफ्ते, दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी बेल एप्लीकेशन टाल दी थी। हालांकि, अब उन्हें आखिरकार इस केस में राहत मिल गई है।

न्यूजक्लिक और उसके चीफ एडिटर पर ईडी का बड़ा ऐक्शन

184 करोड़ का पेनल्टी नोटिस थमाया

● नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने अपनी जांच तब शुरू की जब दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने 2020 में न्यूज़क्लिक और उसके फाउंडर के खिलाफ कथित तौर पर विदेश से मिले पैसे के संबंध में केस दर्ज किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार (16 फरवरी) को न्यूजक्लिक और उसके एडिटर-इन-चीफ प्रबीर पुरकायस्थ के खिलाफ बड़ा ऐक्शन लेते हुए फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के तहत 184 करोड़ रुपये का पेनल्टी नोटिस जारी किया है। ईडी के अधिकारियों ने ये जानकारी दी है। सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि ईडी के ऑर्डर में बताया गया है कि पोर्टल की मालिक कंपनी - PPK NEWSCLICK स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड पर 120 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जबकि पुरकायस्थ को कथित उल्लंघन के लिए 64 करोड़ रुपये का यही ऑर्डर दिया गया है। इन दोनों को मुख्य रूप से दो मामलों में फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के नियमों का 'उल्लंघन' करने और एफडीआई फंड को गलत तरीके से दिखाने, और सर्विसेज़ और एक्सपोर्ट की गलत घोषणा करने पर यह पेनल्टी लगाई गई है। बता दें कि ईडी ने इस मामले में अपनी जांच तब शुरू की, जब दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने 2020 में न्यूजक्लिक और उसके फाउंडर के खिलाफ कथित तौर पर विदेश से मिले पैसे के संबंध में केस दर्ज किया था।

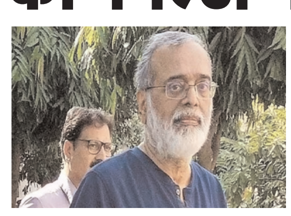

केरल चुनाव से पहले अहम मानी जा रही यह मीटिंग

भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबूबक्र की मोदी से मुलाकात

● नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबूबक्र अहमद ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सामाजिक, मानवीय, शैक्षिक और विकास से जुड़े व्यापक विषयों पर चर्चा की। साथ ही अल्पसंख्यक कल्याण से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। ग्रैंड मुफ्ती ने प्रधानमंत्री को 'विद ह्यूमैनिटी' विषय के तहत हाल ही में किए गए अपने केरल दौरे के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों से प्राप्त चिंताओं और मांगों से अवगत कराया। उन्होंने आगामी पवित्र रमजान माह के लिए अपने संदेश और विचार भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखे। केरल विधानसभा चुनाव से पहले इसे काफी अहम माना जा रहा है।

सामाजिक कल्याण पहलों की तारीफ

मोदी ने समस्त केरल जमीयतुल उलेमा और जामिया मरकज के नेतृत्व में संचालित शैक्षिक एवं सामाजिक कल्याण पहलों की सराहना की। उन्होंने कहाकि ऐसे प्रयास समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं तथा वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करते हैं। चर्चा के दौरान समावेशी विकास पर जोर दिया गया, जिसमें समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने, आर्थिक वृद्धि के साथ–साथ खुशी और मानव विकास सूचकांकों को प्राथमिकता देने तथा जनसंख्या अनुपात और क्षेत्रीय संतुलन के आधार पर संसाधनों के न्यायसंगत आवंटन की आवश्यकता रेखांकित की गई।

सावधानी

हम पुराने विचारों के हो सकते हैं, लेकिन...

शादी से पहले सम्बन्ध पर सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी

● नई दिल्ली, एजेंसी

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि शादी से पहले शारीरिक संबंध बनाने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि हो सकता है हम पुराने विचारों वाले हों, लेकिन शादी से पहले लड़का और लड़की एक-दूसरे के लिए अजनबी होते हैं।

दुबई यात्रा पर अदालत के सवाल

सुनवाई में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने पूछा कि शिकायतकर्ता आरोपी से मिलने दुबई क्यों गई थी? सरकारी वकील ने बताया कि दोनों की मुलाकात वैवाहिक वेबसाइट पर हुई थी और वे शादी की योजना बना रहे थे। इस पर न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि अगर महिला शादी को लेकर गंभीर थी, तो उसे शादी से पहले यात्रा नहीं करनी चाहिए थी। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने आगे कहा कि अगर वह इतनी सख्त थीं तो शादी से पहले नहीं जाना चाहिए था। पीठ ने संकेत दिया कि ऐसे मामले आपसी सहमति से बने संबंधों के लिए मुकदमा चलाने और सजा देने वाले नहीं हैं।

जमानत याचिका पहले हो चुकी है खारिज

याचिकाकर्ता की पिछली जमानत याचिकाएं सत्र न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा खारिज की जा चुकी हैं। 18 नवंबर 2025 को उच्च न्यायालय ने जमानत देने से इनकार किया था, क्योंकि आरोपों से प्रथम दृष्टया लगता है कि शादी का वादा शुरू से झूठा था, खासकर जब आरोपी पहले से विवाहित था और उसने 19 जनवरी 2024 को दूसरी शादी कर ली थी।

हम पुराने विचारों के हो सकते हैं, लेकिन...., शादी से पहले सम्बन्ध बनाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बलात्कार और शादी के वादे से जुड़े एक मामले में जमानत याचिका की सुनवाई करते हुए शादी से पहले शारीरिक संबंधों पर कड़ी टिप्पणी की। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान की पीठ ने एक ऐसे व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई की, जिस पर पहले से विवाहित होने के बावजूद एक महिला से शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने और फिर दूसरी महिला से शादी करने का आरोप लगा है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि शादी से पहले शारीरिक संबंध बनाने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि हो सकता है हम पुराने विचारों वाले हों, लेकिन शादी से पहले लड़का और लड़की एक–दूसरे के लिए अजनबी होते हैं।

एसाईआर : त्रुटिपूर्ण मतदाताओं पर एक्शन कैंट और पनागर में कटेंगे सबसे ज्यादा नाम

26 फरवरी को होगा अंतिम प्रकाशन, बीएलओ ने एक लाख त्रुटियां मौके पर सुधारीं

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जिले की आठों विधानसभा तहसीलों में पिछले दो महीनों से चल रहा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय ने दावों और आपत्तियों के निराकरण की समय सीमा 14 फरवरी तय की थी, जिसे समय रहते पूरा कर लिया गया है। अब प्रशासन की पूरी तैयारी 26 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन पर केंद्रित है। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाना था, ताकि आगामी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में डेटा की शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन के अनुसार, इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा गया है ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति न बने। 26 फरवरी को सूची जारी होने के बाद जिला निर्वाचन कार्यालय की वेबसाइट और संबंधित केंद्रों पर इसे सार्वजनिक रूप से देखा जा सकेगा।

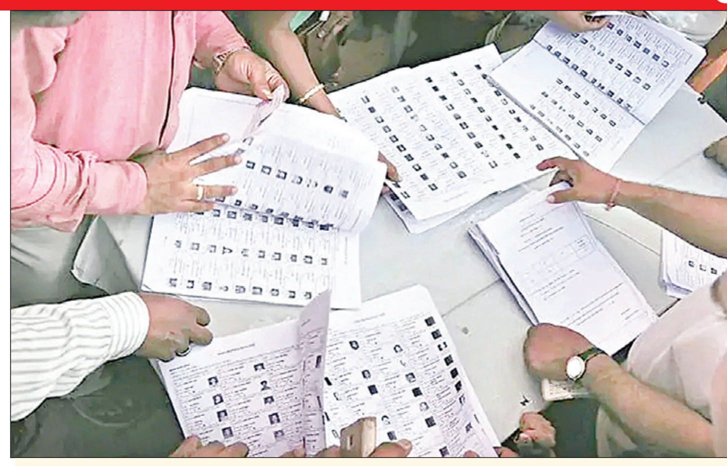

लाखों मतदाताओं की हुई स्क्रूटनी

इस गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान करीब 4 लाख 37 हजार मतदाताओं के डेटा की समीक्षा की गई। इनमें वे मामले शामिल थे जिनकी मैपिंग नहीं हो सकी थी या जिनके नाम, आयु, लिंग, उपनाम और पते में लिपिकीय त्रुटियां मौजूद थीं। अभियान की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लगभग एक लाख मामलों में बीएलओ ने ग्राउंड वेरिफिकेशन के आधार पर स्वतः ही सुधार कर दिया। वहीं, शेष 3 लाख 37 हजार से अधिक मतदाताओं को उनकी प्रविष्टियों में सुधार के लिए नोटिस जारी किए गए थे। प्रशासन ने इन मतदाताओं को अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए तीन बार अवसर प्रदान किए, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम सूची से न छूटे।

कैंट और पनागर में सर्वाधिक हलचल

सुनवाई प्रक्रिया के दौरान जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जिन मतदाताओं ने नोटिस मिलने के बावजूद निर्धारित समय सीमा में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं, उनके नाम अब अंतिम सूची से काट दिए जाएंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो जबलपुर कैंट विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 51,167 नोटिस जारी किए गए, जिनमें से 50,871 का निराकरण किया जा चुका है। इसी प्रकार पनागर में 46,470 और जबलपुर पूर्व में 45,425 प्रकरणों पर कार्रवाई की गई। जिले की सभी आठों विधानसभाओं (कैंट, पूर्व, उत्तर, पश्चिम, पनागर, पाटन, बरगी और सिहोरा) में कुल 3,37,632 नोटिसों के मुकाबले 3,33,934 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण कर लिया गया है।

कैसे आगे बढ़ा अभियान

इस विशेष पुनरीक्षण की शुरुआत 11 दिसंबर 2025 से हुई थी, जब बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर एन्युमरेशन फॉर्म भरवाए गए थे। 16 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन। 16 दिसंबर से 15 जनवरी 2026 को दावों और आपत्तियों के आवेदन लेने की अवधि। 7 फरवरी 2026 जमा किए गए दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन की अंतिम तिथि। 14 फरवरी 2026 सुनवाई की प्रक्रिया पूरी तरह समाप्त व 26 फरवरी 2026 अंतिम मतदाता सूची का आधिकारिक प्रकाशन।

नए मतदाताओं के आवश्यक फॉर्म

निर्वाचन कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि भले ही विशेष पुनरीक्षण समाप्त हो गया हो, लेकिन नियमित संशोधन प्रक्रिया जारी रहेगी। जो युवा 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, वे अभी भी अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निर्वाचन विभाग ने फॉर्म का वर्गीकरण इस प्रकार रखा है।

फार्म-6:नया नाम जुड़वाने के लिए।
फार्म-7: मतदाता सूची से नाम कटवाने या विलोपन के लिए।
फार्म-8:पते में बदलाव, फोटो सुधार या अन्य किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए।

डिजिटल निगरानी में दो चरणों में पूरा होगा मूल्यांकन

शिक्षकों का मानदेय और कार्यभार दोनों बढ़े

जबलपुर। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बोर्ड परीक्षाओं के बीच ही उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की तैयारियां तेज कर दी हैं। इस वर्ष लगभग 16 लाख विद्यार्थियों की सवा करोड़ कॉपियों को जांचने का विशाल लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए जबलपुर जिले सहित पूरे प्रदेश में विभाग ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। कॉपियां जांचने का यह कार्य दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहला चरण 22 फरवरी से शुरू होगा, जिसमें मुख्य रूप से अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, इतिहास और विज्ञान जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जबकि दूसरा चरण 3 मार्च से प्रारंभ होगा।

मूल्यांकन प्रक्रिया को गति देने के लिए बोर्ड ने इस बार शिक्षकों के दैनिक लक्ष्य में भी वृद्धि की है। अब शिक्षकों को प्रतिदिन 45 से 60 कॉपियां जांचनी होंगी, जबकि पहले यह संख्या केवल 30 निर्धारित थी। कार्यभार के साथ-साथ शिक्षकों के मानदेय में भी बढ़ोत्तरी की गई है। हाईस्कूल की प्रति कॉपी जांचने के लिए 15 रुपये और हायर सेकेंडरी के लिए 16 रुपये तय किए गए हैं। इसके अलावा शिक्षकों को 130 रुपये से लेकर 180 रुपये तक का वाहन भत्ता भी प्रदान किया जाएगा। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस बार बोर्ड ने डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की है। मूल्यांकन केंद्रों पर शिक्षकों को मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करानी अनिवार्य होगी। इसके बिना उन्हें कार्य की अनुमति नहीं मिलेगी। साथ ही, कॉपियों का रिकॉर्ड ऐप और रजिस्टर दोनों में दर्ज करना होगा। इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य मूल्यांकन में होने वाली लापरवाही को रोकना और समय पर सटीक परीक्षा परिणाम घोषित करना है।

हाईटेंशन लाइन के 27 मीटर दायरे में निर्माण हटाने छेड़ी मुहिम

एमपी ट्रांसको का प्रदेश व्यापी अभियान शुरू

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने जनसुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बिजली लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में किए गए अवैध और घातक निर्माणों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस विशेष अभियान के तहत छतरपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए 132 केवी छतरपुर-बिजावर और छतरपुर-नौगांव लाइनों के सुरक्षा दायरे में आने वाले अतिक्रमणों को हटाया गया।मुख्य अभियंता डीके अग्रवाल ने जानकारी दी कि इन ट्रांसमिशन लाइनों के निर्धारित 27 मीटर के सुरक्षा क्षेत्र (कॉरिडोर) के भीतर कई अवैध निर्माण कर लिए गए थे। विभाग द्वारा संबंधित व्यक्तियों को पहले ही नोटिस जारी कर आगाह किया गया था, लेकिन निर्माण न हटाए जाने की स्थिति में कंपनी ने नियमानुसार बलपूर्वक इन्हें हटाने की कार्रवाई की।

विद्युत हादसों को रोकने की कवायद-

इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य बिजली की हाई-टेंशन लाइनों के पास होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकना और नागरिक जीवन को सुरक्षित बनाना है। अधिकारियों के मुताबिक, हाई-वोल्टेज लाइनों के नीचे निर्माण करना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि यह जान-माल के लिए भी अत्यंत जोखिम भरा है। किसी भी तकनीकी खराबी या फाल्ट की स्थिति में यहाँ बड़ी जनहानि की आशंका बनी रहती है।

पूरे प्रदेश में चरणबद्ध अभियान चलेगा-

एमपी ट्रांसको ने स्पष्ट किया है कि यह मुहिम केवल एक जिले तक सीमित नहीं है। जबलपुर मुख्यालय सहित पूरे मध्य प्रदेश में यह अभियान चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है। कंपनी ने नागरिकों से अपील की है कि वे ट्रांसमिशन लाइनों के निर्धारित सुरक्षा कॉरिडोर में किसी भी प्रकार का निर्माण न करें और बिजली नियमों का कड़ाई से पालन करें ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

सामूहिक कार्यक्रम में 200 बच्चों की खतना

सिहोरा। मुंडी टोरिया दरगाह शरीफ में सामूहिक खतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकों ने लगभग 200 बच्चों की खतना की। गौरतलब है कि हजरत बाबा जलालुद्दीन अली असगर मुंडी टोरिया दरगाह के खादिम स्वर्गीय सुबराती अंसारी उर्फ कुद्दू बाबा ने यह प्रोग्राम 25 साल पहले शुरू किया था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खितौला कमेटी और सिहोरा के तमाम समाजसेवी इकट्ठा होते हैं। कार्यक्रम में खादिम नसीम अंसारी, अलीमुद्दीन साहब, नसीम कुरैशी, सैयद लियाकत अली, इकबाल, राजू खान साहब, एडवोकेट वसीम खान, मंसूर मंसूरी, पप्पू बाबा, इकबाल तंबाकू, फैज आलम शाह, साबिर मंसूरी, शकीरा मकरानी, रशीद अंसारी, राशिद मंसूरी, सैयद इकराम अली, डॉ. हलीम खान, डॉ. शब्बाग़ खान, डॉ. असगर अली, मोंटी मंसूरी, आदिल मंसूरी, शमशेर शाह, निसार अंसारी, आरिफ खान, रहमान मंसूरी, तस्लीम खान, एमआई सिद्दीकी, आदिल मंसूरी, सईद मंसूरी, जावेद खान, इदरीस खान, जियाउल खान, मुख्तार अहमद, सुल्तान मंसूरी, आबिद के साथ अन्य मौजूद रहे।

मनमोहक कथक नृत्य से भावों को दिया आकार

जबलपुर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अनुदान से नृत्यांजलि कथक केंद्र में दृश्य काव्य का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दुर्गा वंदना के साथ कथक के तांडव अंग जिसमे थाट, तोड़े, टुकड़े परण प्रस्तुत किये। कथक के लास्य अंग को हिंदी काव्य के साथ नृत्य प्रस्तुति में पिरोया गया। काव्य में हिंदी साहित्य के विभिन्न कालखंडों के कवियों की रचनाएं प्रस्तुत की गयी। जैसे अमीर खुसरो, कबीरदास जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, बाबा नागार्जुन आदि की कविताएं सकल बन फूल रही सरसों, मोको कहाँ ढूंढे रे बंदे,वर दे वीणा वादिनी वर दे, झूम झूम गरज घनघोर, आह वेदना मिली विदाई? मंत्र पर नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया।

खरीदारों को लुभा रहे जैविक उत्पाद

जबलपुर,प्रातःकिरण। जैविक उत्पादों के जागरूकता बढाने तथा जैविक कृषि कर रहे किसानों और उपभोक्ताओं के बीच सेतु का निर्माण करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा कृषि उपज मंडी, जबलपुर में प्रत्येक रविवार को आयोजित किये जा रहे जैविक हाट में इस रविवार को भी बड़ी संख्या में खरीदार पहुँचे और फल-फूल, साग-सब्जी सहित जैविक उत्पादों की जमकर खरीदारी की। हर रविवार को जैविक हाट पहुंचना अब कईयों की आदत में शामिल गया है। रविवार को जैविक हाट में जिले के विभिन्न विकासखंडों के लगभग 35 जैविक किसानों ने सहभागिता की। किसानों द्वारा जैविक अनाज, दलहन, गिर गाय का दूध, बिलौना घी, सब्जियां, पिंक मूली, फल, कोल्ड प्रेस्ड तेल सहित विभिन्न जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों का विक्रय किया गया। जैविक हाट में प्रेमधारा गिर गौशाला के संचालक और युवा तन्मय दास के जैविक खाद, बिनौला दूध, दही, मठा और मुनगा पाउडर, श्री के पी सिंह के रेड डायमंड प्रजाति के अमरूद, एप्पल बेर और स्ट्रॉबेरी, ठाकुर विनय सिंह के मिर्च पाउडर, देशी घी और चिया बीज, भाग्योदय तेल मिल के तिल, नारियल, फल्ली, बादाम और अलसी का तेल तथा विश्वकर्मा नर्मदा प्रसाद जैविक मार्ट के मटर, लौकी, धनिया, शहद और मही जैसे जैविक एवं रसायन मुक्त उत्पाद प्रमुख आकर्षण रहे। जैविक हाट का संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम, उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने निरीक्षण किया। अनुविभागीय कृषि अधिकारी और जैविक प्रमाणन निरीक्षक डॉ इंदिरा त्रिपाठी के नेतृत्व में इस रविवार को जैविक हाट के सफल आयोजन की जिम्मेदारी विकासखण्ड शहपुरा के कृषि अधिकारियों ने संभाली।

समझाईश से नहीं माने अंजुमन के किराएदार

एफआईआर दर्ज कराने अंजुमन अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। अंजुमन मढ़ाताल वक्फ के श्रीनाथ की तलैया स्थित मार्केट में बीते दिन ग्रोवर इंजीनियरिंग नामक शॉप में बिना अनुमति तोड़-फोड़ की जा रही थी। जिस पर भाजपा नेता और यूथ फेडरेशन के अध्यक्ष जमा खान ने अंजुमन अध्यक्ष से भेंट कर शिकायत की। जिसपर दुकानदार को अंजुमन ऑफिस में तलब किया गया और प्रबंधन से अनुमति लेकर को कोई कार्य करने की समझाईश दी गई। हामी भरने के बाद भी दुकानदार ने तोड़-फोड़ कार्य नहीं रोका और अपनी मनमर्जी करते हुए नई शटर लगवा ली। जिसके बाद नाराज जमा खान ने अंजुमन मार्केट के मूल स्ट्रक्चर से छेड़खानी करने और अपनी मनमर्जी से तोड़-फोड़ करने को लेकर अंजुमन वक्फ अध्यक्ष मोहम्मद अनवर अन्नू को ज्ञापन सौंपकर ग्रोवर इंजीनियरिंग के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराए जाने की मांग की। ज्ञापन में यूथ फेडरेशन के अध्यक्ष जमा खान और अन्य सदस्यों ने दुकानदार से हर्जाना लिए जाने और दुकान खाली कराने की भी मांग की है।

एक शिकायत पर तीन लाख जमा

गौरतलब है कि जब दुकानदार द्वारा की जा रही तोड़-फोड़ की सूचना अंजुमन अध्यक्ष को दी गई और जमा खान खुद अंजुमन अध्यक्ष से शिकायत करने पहुंचे, तो ग्रोवर इंजीनियरिंग के संचालकों को भी मिलने बुलाया गया। मीटिंग में दुकानदार को समझाईश दी गई। जिसमें ये भी बताया गया दुकान का दो साल का किराया बाकी है। शिकायत के बाद दुकानदारों ने तीन लाख रुपए का चेक अंजुमन प्रबंधन को सौंपा, लेकिन दुकान के मूल स्ट्रक्चर से छेड़छाड़ बंद नहीं की।

रेलवे स्कूल में ग्रैंड पेरेंट्स डे का अभिनव आयोजन

जबलपुर। पमरे महिला कल्याण संगठन मण्डल द्वारा संचालित डब्ल्यूएसईसी हाईस्कूल में ग्रैंड पेरेंट्स डे का भव्य आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि महिला कल्याण संगठन पश्चिम मध्य रेल मंडल की अध्यक्षा पूनम खत्री तलरेजा जी रही, साथ ही महिला कल्याण संगठन की सचिव निकिता सिन्हा, स्कूल प्रभारी मरियम खान, दर्शिता श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष चन्द्रिका गुप्ता, सीएमई पश्चिम मध्य रेल एसएस पराशर, समिति के अन्य सदस्य व स्कूल की प्राचार्या आशा अवस्थी भी उपस्थिति रही। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर माँ सरस्वती वंदना के साथ की गई। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया। ग्रैंड पेरेंट्स का स्वागत कार्ड देकर किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्या आशा अवस्थी मैडम के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया व इस दिन को मनाने का महत्व बताया गया।

कार्यक्रम में ग्रैंड पेरेंट्स के स्वागत में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दादा-दादी के सम्मान में छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा प्रस्तुत की गई। बच्चों के द्वारा लघु नाटिका का मंचन ग्रैंड पेरेंट्स के महत्व को बताते हुए प्रस्तुत किया गया। बच्चों के द्वारा कविता व गायन के माध्यम से उनके जीवन में दादा दादी के महत्व को बताया गया। बच्चों के द्वारा साक्षात्कार का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बहुत ही रोचक प्रश्न पूछ कर सभी को भाव विभोर कर दिया। सभी ग्रैंड पेरेंट्स ने अपने विचार व अनुभव को साझा किया। साथ ही ग्रैंड पेरेंट्स के मनोरंजन के लिए गेम्स भी खिलाये गए जिसमें बुजुर्गों ने बड़े उत्साह से हिस्सा लिया। यूँ लग रहा था जैसे पुन बचपन वापस आ गया। कार्यक्रम में हमारी मुख्य अतिथि श्रीमती पूनम खत्री तलरेजा ने बच्चों को बताया कि हमारे ग्रैंड पेरेंट्स हमारे सबसे अनुभवी और स्नेही मार्गदर्शक होते हैं। वे हमें अच्छे संस्कार, परंपराएँ और जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य सिखाते हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की उप-प्राचार्या कीर्ति पुंज के द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

जिला साख समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिये बैंकर्स को निर्देश.

स्वरोजगार ऋण योजनाओं के प्रकरणों में ऋण वितरण में गति लायें

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह स्वरोजगार योजनाओं के प्रेषित प्रकरणों में स्वीकृति और ऋण वितरण में गति लाने के निर्देश बैंकों के अधिकारियों को दिये हैं। श्री सिंह आज सोमवार को जिला साख समन्वय समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैंकर्स को अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के युवाओं के लिये संचालित स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों में ऋण वितरण को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई इस बैठक में ऐसे आवेदकों को भी बुलाया गया था स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत जिनके प्रकरण बैंकों को प्रेषित किये गये हैं और लंबे समय से लंबित हैं। इन आवेदकों से उनकी कठिनाइयों की जानकारी ली गई और बैंकर्स को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये गये। जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत, लीड बैंक अधिकारी दिवाकर ठाकुर एवं स्वरोजगार योजनाओं से सभी विभागों के अधिकारी इस बैठक में मौजूद थे। बैठक में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, डॉ अम्बेडकर कामधेनु योजना तथा अंत्यावसायी सहकारी समिति के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये संचालित डॉ भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, भगवान बिरसा मुंडा एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजनाओं में बैंकवार भेजे गये प्रकरणों, स्वीकृत प्रकरणों और स्वीकृत प्रकरणों में ऋण वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बैठक में बैंक अधिकारियों से कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के तहत भेजे गये प्रकरणों की उन्हें नियमित तौर पर समीक्षा करनी होगी और लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण में गति लानी होगी। श्री सिंह ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रकरणों में ऋण वितरण में जोर देते हुये कहा कि बैंकर्स को ओर विशेष ध्यान होगा और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुये ज्यादा से ज्यादा आवेदकों को लाभान्वित करने के प्रयास करने होंगे। कलेक्टर ने बैठक मर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं पर भी बैठक में बैंक अधिकारियों से चर्चा की और ज्यादा से ज्यादा खाताधारकों का इन योजनाओं के तहत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना का उल्लेख करते हुये कहा कि असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिये संचालित इस पेंशन योजना का भी व्यापक प्रचार प्रसार किया जाये और ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों का इस योजना के तहत नामांकन किया जाए। बैठक में प्रारंभ में जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत ने स्वरोजगार योजनाओं के भेजे गये प्रकरणों के त्वरित निराकरण की अपेक्षा बैंकर्स से की। उन्होंने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में बैंकर्स को सकारात्मक सोच और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। श्री गहलोत ने कहा कि स्वरोजगार योजना का कोई भी प्रकरण ऐसे कारणों से लंबित न रखे जाये जिनकी कोई आवश्यकता नहीं है। जिन प्रकरणों को स्वीकृत नहीं किया जा सकता बैंकर्स को ऐसे प्रकरण तुरंत वापस करना होंगे ताकि लक्ष्य के अनुरूप उन्हें दूसरे प्रकरण भेजे जा सकें।

दुष्कर्म के आरोपी उत्तम स्वामी की कथा के समापन पर बवाल

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

जबलपुर के भेड़ाघाट में आयोजित उत्तम स्वामी की कथा के समापन के दौरान भारी अव्यवस्था और हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि किस प्रकार श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार किया गया। ?यह घटना 15 फरवरी को कथा के अंतिम दिन की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थीं। विवाद तब शुरू हुआ जब नर्मदा नदी से जल भरकर कलश यात्रा में शामिल होने वाली महिलाएं कथा के समापन के बाद अपने कलश वापस लेने पहुंचीं।

इसी दौरान मंच से उन पर जल फेंका गया, जिससे वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। वायरल वीडियो में एक और चौंकाने वाला दृश्य सामने आया है, जिसमें एक कार्यकर्ता भीड़ को नियंत्रित करने के नाम पर महिलाओं के साथ बदसलूकी करता नजर आ रहा है। वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि कार्यकर्ता ने एक महिला को कमर से पकड़कर पीछे खींचा और अन्य महिलाओं को बेरहमी से धक्का दिया। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया यूजर्स में भारी आक्रोश है। कई लोगों ने इसे धार्मिक आयोजन की गरिमा के खिलाफ बताते हुए आयोजकों और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

क्या आरोप लगे हैं स्वामी पर

उल्लेखनीय है कि कथावाचक उत्तम स्वामी वर्तमान में गंभीर विवादों के केंद्र में हैं। उन पर राजस्थान की एक युवती ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है, जिसकी शिकायत दिल्ली पुलिस में दर्ज कराई गई है। हालांकि उत्तम स्वामी ने इन आरोपों को अपने खिलाफएक बड़ी साजिश करार दिया है, लेकिन ताजा घटनाक्रम ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। कार्यक्रम के अन्य वीडियो में उत्तम स्वामी को रथ पर सवार देखा गया, जहां उनके साथ भाजपा विधायक नीरज सिंह भी नजर आए। दुष्कर्म के आरोपों के बाद उनके सार्वजनिक रूप से सामने आने और कार्यक्रम के दौरान हुई इस बदसलूकी ने स्थानीय प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन की ओर से इस मामले में किसी आधिकारिक कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन विवाद गहराता जा रहा है।

निगमायुक्त ने की प्रमुख परियोजनाओं की सघन समीक्षा

ननि सीमा में स्वच्छता, जनकल्याण और विकास कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के कड़े निर्देश

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज नगर निगम के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और शहर के बुनियादी ढांचे से जुड़े विकास कार्यों की वर्तमान प्रगति की जानकारी लेना।

इन प्रमुख बिंदुओं पर रहा विशेष फोकस

निगमायुक्त ने बैठक के दौरान शहर को स्वच्छता रैंकिंग में शीर्ष पर लाने के लिए सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने और कचरा प्रबंधन की बारीकियों पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने

बैठक में कहा कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगमायुक्त ने लंबित प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में निगमायुक्त ने पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली पीएम स्वनिधि योजना का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए नियमित रूप से अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य आवासीय प्रोजेक्ट्स को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूर्ण कराने को कहा ताकि हितग्राहियों को जल्द उनका आशियाना मिल सके।

निगमायुक्त ने बैठक के अंत में कहा कि शासन के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करना हमारी प्राथमिकता है। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे।

पमरे के कारखानों का बड़ा कारनामा :

दस माह में 7230 कोचों-वैगनों की मरम्मत का बनाया रिकार्ड

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल एवं कोटा स्थित रेल कारखानों में कोचों/वैगनों का पीरीयोडिक ओवर हालिंग का कार्य किया जाता है। दोनों कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक के मार्गदर्शन में अनुरक्षण डिपो में चालू वित्तीय वर्ष में कोचों/वैगनों का अनुरक्षण करके अच्छा प्रदर्शन किया है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के दस माह में सीआरडब्लूएस/भोपाल एवं डब्लूआरएस/कोटा दोनों कारखानों में कुल 7230 कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवर हॉलिंग किया गया, जिसमें सवारी डिब्बा पुर्ननिर्माण कारखाना भोपाल ने 1041 कोचों का अनुरक्षण किया तथा कोटा वैगन रिपेयर वर्कशॉप ने 6189 वैगनों का अनुरक्षण कार्य किया। अकेले जनवरी माह की बात करे तो सीआरडब्लूएस/भोपाल एवं डब्लूआरएस/कोटा दोनों कारखानों में कुल 745 कोचों/वैगनों का पीरियोडिक ओवर हॉलिंग किया गया, जिसमें सवारी डिब्बा पुर्ननिर्माण कारखाना भोपाल ने 125 कोचों का अनुरक्षण किया तथा कोटा वैगन रिपेयर वर्कशॉप ने 620 वैगनों का अनुरक्षण कार्य किया। गतवर्ष की तुलना में कोचों में 34 प्रतिशत एवं वैगनों में 03 प्रतिशत अधिक मरम्मत की गई।

पीओएच के दौरान ये कार्य किये जाते हैं

कोच और वैगन के बॉडी और अंडर गियर की मरम्मत की जाती है, जिससे परिचालन में सरंक्षा सुनिश्चित की जा सके। कोचों और वैगनों के नीचे ट्रॉली, बोगी के सभी पार्ट्स की मरम्मत की जाती है, जो सरंक्षा की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। एयर ब्रेक सिस्टम के सभी पार्ट एवं वैगनों और कोचों के दोनों ओर के बफर की मरम्मत की जाती है जिससे सरंक्षा में बढ़ोत्तरी एवं जर्क फ्री राइडिंग (झटके रहित यात्रा) का अनुभव मिलता है। पहियों (व्हील) और धुरी (एक्सल) की मरम्मत एवं रखरखाव किया जाता है, जिससे सुरक्षा में इजाफा होता है।

जंगल में लावारिस मिले विद्युत मंडल के अति गोपनीय दस्तावेज

मची अफरा-तफरी

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित विद्युत मंडल (शक्ति भवन) के पास सोमवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सड़क किनारे जंगल में विभाग के सैकड़ों महत्वपूर्ण दस्तावेज लावारिस हालत में पड़े मिले। दोपहर करीब एक बजे राहगीरों ने शक्ति भवन के समीप झाड़ियों में फाइलों का अंबार देखा, जिसे प्रथम दृष्टया कचरा समझकर फेंका गया प्रतीत हो रहा था। हालांकि, जब स्थानीय लोगों ने पास जाकर देखा तो वे दंग रह गए; उनमें पावर जनरेटिंग कंपनी की सिविल परियोजनाओं से जुड़ी बेहद गोपनीय और अहम रिपोर्ट्स थीं। स्थानीय नागरिकों ने तत्परता दिखाते हुए इन दस्तावेजों को सुरक्षित किया और बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचित कर उन्हें सौंप दिया। इस घटना के बाद विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। चर्चा है कि ये दस्तावेज नयागांव से ऑटो के जरिए शक्ति भवन शिफ्ट किए जा रहे थे, तभी रास्ते में गिर गए।

महानदी डैम और प्रोजेक्ट रिपोर्ट जैसे संवेदनशील कागजात शामिल

?बरामद किए गए दस्तावेजों में 'पॉल्यूशन एंड इकोलॉजी कंट्रोल सर्विसेज' की रिपोर्ट्स, ऑपरेशन मेंटेनेंस एंड ड्राइंग मैनुअल और मध्य प्रदेश इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड रामपुर की कई प्रोजेक्ट रिपोर्ट्स शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इनमें महानदी डैम से संबंधित अत्यंत संवेदनशील तकनीकी जानकारी भी थी। ये दस्तावेज पावर जनरेटिंग कंपनी की उस सिविल परियोजना से जुड़े हैं, जिसका कार्यालय वर्ष 2000 में बंद हो चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ये कागजात किसी गलत हाथ में लग जाते, तो विभाग और शासन को बड़ा नुकसान हो सकता था।

-साजिश या लापरवाही? जांच के घेरे में जिम्मेदार

?दस्तावेजों का इस तरह सड़क किनारे मिलना अब जांच का विषय बन गया है। जानकारों का कहना है कि यदि ये दस्तावेज अनुपयोगी हो चुके थे, तो शासन के नियमों के तहत इन्हें विधिवत नष्ट किया जाना चाहिए था। खुले में फेंक देना सीधे तौर पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी है। विभाग अब इस बात की तफ्तीश कर रहा है कि यह महज एक मानवीय चूक थी या फिर रिकॉर्ड रूम से अहम सबूतों को खुर्द-बर्द करने की कोई सोची-समझी साजिश। फिलहाल, अधिकारियों ने कागजात को वापस अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने दी डॉ. हेमलता श्रीवास्तव को भावभीनी श्रद्धांजलि

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

सीनियर आईएमए सदस्य एवं सेवानिवृत्त नेत्र विशेषज्ञ डॉ. हेमलता श्रीवास्तव के दुखद देहावसान के पश्चात 16 फरवरी को आईएमए हाउस में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जबलपुर द्वारा शोकसभा आयोजित की गई।

शोकसभा में आईएमए जबलपुर परिवार, जबलपुर डिवीजनल नेत्र चिकित्सक सोसायटी के सदस्य, वर्ष 1965 एमबीबीएस बैच के चिकित्सकगण, कायस्थ महासभा जबलपुर परिवार तथा डॉ. श्रीवास्तव के परिजन एवं निकटस्थ जन उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर डॉ. ऋचा शर्मा ने डॉ. हेमलता श्रीवास्तव की अंतिम दिनों की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्हें गंभीर अवस्था में रेस्क्यू कर मेडिकल में भर्ती कराया गया था। कुछ समय तक स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद पुनः उनकी स्थिति गंभीर हो गई। उन्होंने डॉ. श्रीवास्तव के चिकित्सा क्षेत्र में योगदान और समर्पण को भी याद किया।

डॉ. शामिख रज़ा ने भी उनके व्यक्तित्व एवं सेवा भाव पर प्रकाश डाला। डॉ. पी. नेमा एवं डॉ. अतुल मिश्रा ने चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें एक प्रेरणास्रोत बताया। डॉ. अभिजीत मुखर्जी ने भी डॉ. श्रीवास्तव से अपने वर्षों पुराने संबंधों को साझा किया।

कार्यक्रम में डॉ. रविन दास, डॉ. ब्रजेश चौधरी, डॉ. अजीता परिहार, डॉ. पुरुषोत्तम नेमा, डॉ. कुलदीप पाठक, डॉ. तरुण बहरानी, श्रीमती रत्ना श्रीवास्तव, प्रोफेसर आशीष श्रीवास्तव, श्री के.के. श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अंत में सभी उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और ईश्वर से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने की कामना की।

रेल मंडल को मिला विश्वस्तरीय मल्टीफंक्शनल कॉम्प्लेक्स

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। जबलपुर रेल मंडल ने यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में आज एक नया इतिहास रच दिया है। रेल प्रशासन और निजी भागीदारी के समन्वय से विकसित, मंडल के पहले पब्लिक मल्टीफंक्शनल कॉम्प्लेक्स का आज वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अंतिम निरीक्षण किया गया। यह प्रोजेक्ट न केवल जबलपुर के लिए गौरव की बात है, बल्कि भारतीय रेलवे के अन्य डिवीजनों के लिए एक मॉडल के रूप में उभरेगा।

उच्च स्तरीय मानकों का निरीक्षण एवं गुणवत्ता जांच

आज 16 फरवरी को जबलपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम ने इस नवनिर्मित कॉम्प्लेक्स का सघन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निर्माण की गुणवत्ता, स्वच्छता मानकों और तकनीकी सुरक्षा का बारीकी से जायजा लिया। सभी मानकों पर खरा उतरने के बाद, अब इस कॉम्प्लेक्स को विधिवत रूप से यात्रियों और आम जनता के लिए समर्पित कर दिया गया है।

एक ही छत के नीचे 'स्मार्ट' सुविधाएं-इस मल्टीफंक्शनल सेंटर की सबसे बड़ी विशेषता इसका 'वन-स्टॉप डेस्टिनेशन' होना है। यहाँ यात्रियों को स्टेशन परिसर के भीतर ही एयरपोर्ट जैसी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। इसमें न केवल ठहरने के उच्च श्रेणी के विकल्प हैं, बल्कि बैंकिंग और मनोरंजन की जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखा गया है।

संशय

सांसें थम गई पर नहीं थमा विवाद : डॉ. हेमलता का हुआ अंतिम संस्कार,

जमीन के टुकड़े को लेकर कई सवाल और शंकाएं अब भी जस की तस

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

जबलपुर की जानी-मानी नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमलता श्रीवास्तव के निधन के साथ ही उनकी 60 करोड़ रुपये की वसीयत और संपत्ति को लेकर कानूनी और प्रशासनिक खींचतान तेज हो गई है। रविवार शाम हुए उनके निधन के बाद पुलिस और प्रशासन की कड़ी निगरानी में उनका अंतिम संस्कार किया गया, लेकिन पीछे छूट गया है उनकी बेशकीमती जमीन और दावों का एक जटिल जाल। जनता के मन में अब सबसे बड़ा सवाल यही है आखिर बेशकीमती जमीन का टुकड़ा किसे मिलेगा।

सुरक्षा घेरे में 60 करोड़ की संपत्ति

डॉ. हेमलता के निधन के बाद जबलपुर प्रशासन ने किसी भी संभावित विवाद या कब्जे को रोकने के लिए उनके राइट टाउन स्थित निवास पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है।

तहसीलदार संदीप जायसवाल के मुताबिक, फिलहाल घर की सुरक्षा सर्वोपरि है। डॉ. श्रीवास्तव का बेटा और पति पहले ही दुनिया छोड़ चुके हैं, जिसके कारण उनका कोई सीधा वारिस नहीं है। प्रशासन अब एसडीएम स्तर पर तथ्यों की जांच कर रहा है कि इस विशाल संपत्ति का असली हकदार कौन होगा। फिलहाल मौके पर बाउंसरों की मौजूदगी ने भी कई सवाल खड़े किए हैं, जिनकी जांच जारी है।

फर्जी दान-पत्र और रजिस्ट्री का विवाद

विवाद की जड़ डॉ. सुमित जैन और उनके परिवार पर लगे आरोप हैं। आरोप है कि जब डॉ. हेमलता शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं, तब धोखाधड़ी से 11 हजार वर्गफीट जमीन का दान-पत्र लिखवा लिया गया।

डॉ. सुमित जैन का दावा है कि डॉ. हेमलता ने अपनी मर्जी से यह जमीन उनके ससुर और बेटे के नाम पर 'मेमोरियल अस्पताल' बनाने के लिए दान की थी।

डॉ. हेमलता ने अस्पताल में भर्ती होने के बाद प्रशासन को दिए बयान में स्पष्ट किया था कि उनसे गलत जानकारी देकर कागजात दस्तखत कराए गए। इसी आधार पर डॉक्टर दंपती और रजिस्ट्रार के खिलाफजांच चल रही है।

कलेक्टर का खुलासाः जमीन नगर निगम की

इस मामले में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने खुलासा किया कि प्रारंभिक जांच में यह कीमती जमीन नगर निगम की पाई गई है। यह जमीन मूल रूप से लीज (पट्टे) पर दी गई थी। जांच में पाया गया कि लीज की शर्तों का उल्लंघन कर जमीन का कुछ हिस्सा गिफ्ट और दान किया गया है।

प्रशासन अब इस पट्टे को निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर रहा है। ?भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने भी मांग की है कि चूंकि डॉ. हेमलता का कोई वारिस नहीं है, इसलिए इस पूरी संपत्ति को सरकार या नगर निगम के संरक्षण में लिया जाना चाहिए।

गायत्री परिवार और आईएमए का हस्तक्षेप

संपत्ति पर केवल डॉक्टरों का ही नहीं, बल्कि गायत्री मंदिर ट्रस्ट का भी दावा सामने आया है। ट्रस्ट का कहना है कि डॉ. हेमलता ने अपनी बहन की मौजूदगी में पूरी संपत्ति ट्रस्ट को सौंपने की इच्छा जताई थी। वहीं, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने इस पूरे प्रकरण को बुजुर्ग डॉक्टर के उत्पीड़न का मामला बताया है। आईएमए का आरोप है कि 12 जनवरी तक स्वस्थ रहने वाली डॉक्टर की तबीयत अचानक कैसे बिगड़ी और उन्हें उचित इलाज के बजाय संपत्ति के दस्तावेजों के लिए क्यों प्रताड़ित किया गया। फिलहाल, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और प्रशासनिक जांच ही इस 60 करोड़ की गुत्थी को सुलझा पाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जैविक हाट में बड़ी संख्या में पहुंचे खरीदार, पसंद आने लगे जैविक उत्पाद

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। जैविक उत्पादों के जागरूकता बढाने तथा जैविक कृषि कर रहे किसानों और उपभोक्ताओं के बीच सेतु का निर्माण करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा कृषि उपज मंडी, जबलपुर में प्रत्येक रविवार को आयोजित किये जा रहे जैविक हाट में इस रविवार को भी बड़ी संख्या में खरीदार पहुँचे और फल-फूल, साग-सब्जी सहित जैविक उत्पादों की जमकर खरीदारी की। हर रविवार को जैविक हाट पहुंचना अब कईयों की आदत में शामिल गया है। रविवार को जैविक हाट में जिले के विभिन्न विकासखंडों के लगभग 35 जैविक किसानों ने सहभागिता की। किसानों द्वारा जैविक अनाज, दलहन, गिर गाय का दूध, बिलौना घी, सब्जियां, पिंक मूली, फल, कोल्ड प्रेस्ड तेल सहित विभिन्न जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों का विक्रय किया गया। जैविक हाट में प्रेमधारा गिर गौशाला के संचालक और युवा तन्मय दास के जैविक खाद, बिनौला दूध, दही, मठा और मुनगा पाउडर, श्री के पी सिंह के रेड डायमंड प्रजाति के अमरूद, एप्पल बेर और स्ट्रॉबेरी, ठाकुर विनय सिंह के मिर्च पाउडर, देशी घी और चिया बीज, भाग्योदय तेल मिल के तिल, नारियल, फल्ली, बादाम और अलसी का तेल तथा विश्वकर्मा नर्मदा प्रसाद जैविक मार्ट के मटर, लौकी, धनिया, शहद और मही जैसे जैविक एवं रसायन मुक्त उत्पाद प्रमुख आकर्षण रहे। जैविक हाट का संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम, उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने निरीक्षण किया। अनुविभागीय कृषि अधिकारी और जैविक प्रमाणन निरीक्षक डॉ इंदिरा त्रिपाठी के नेतृत्व में इस रविवार को जैविक हाट के सफल आयोजन की जिम्मेदारी विकासखण्ड शहपुरा के कृषि अधिकारियों ने संभाली।

अधिवक्ता की हत्या से आक्रोश,न्यायालीन कार्य का अधिवक्ताओं ने किया बहिष्कार

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्त ा परिषद ने सोमवार 16 फरवरी को प्रतिवाद दिवस मनाया। इस दौरान अधिवक्त ा न्यायालीन कार्य से विरत रहे। शिवपुरी जिले के करैरा में अधिवक्त ा संजय सक्सेना की गोली मार कर की हत्या के विरोध में वकील आ ेशित हैं। मप्र स्टेट बार कॉउंसिल ने इसके विरोध में पहले ही निर्णय लिया था। सोमवार को नारेबाजी करते हुए अधिवक्त ा कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

गौरतलब है कि करैरा थाना पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड के मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक आरोपी को पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर कर पकड़ा। पता

चला कि जमीन विवाद में सुपारी देकर वकील संजय सक्सेना की हत्या कराई गई है। इसके विरोध स्वरूप आज अधिवक्ता न्यायालयीन कार्य से विरक्त होकर शांतिपूर्ण ढंग से ज्ञापन दे रहे हैं। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेलाल गुप्ता एवं उपाध्यक्ष आर. के. सिंह सेनी ने चीफजस्टिस को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वकीलों की अनुपस्थिति के कारण लिस्टेड मामलों को खारिज न किया जाए और न ही कोई विपरीत आदेश पारित किए जाएं। स्टेट बार कार्उंसिल ने स्पष्ट किया है कि हमारा विरोध प्रदर्शन पूर्ण रूप से शांतिपूर्ण है। जिला स्तर पर कलेक्टर और तहसील स्तर पर तहसीलदार को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे गए। अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर बार कार्उंसिल वकीलों ने सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम देते हुए मांग की है कि एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। इस दौरान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन ने दिवंगत अधिवक्ता संजय सक्सेना के परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, आश्रितों को सरकारी नौकरी और दोषियों के खिलाफकठोरतम कार्रवाई की मांग भी की।

नगर निगम संभाग सुहागी एवं रॉझी में बड़ी कार्रवाइ

कुर्की नोटिस के बाद करदाता ने मौके पर जमा किए 50 हजार रुपये

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर के सभी 16 संभागों में बकाया राजस्व वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में संभाग क्रमांक 15 सुहागी और 10 रॉझी के द्वारा की गई सख्त कार्रवाई के कारण करदाताओं ने मौके पर ही बकाया राशि का अंशिक रूप से भुगतान किया गया। वसूली अभियान के दौरान वार्ड क्रमांक 72 में एक बड़े बकायादार के विरुद्ध सख्त कदम उठाते हुए निगम की टीम ने 2 लाख रुपये की बकाया राशि की वसूली हेतु कुर्की का नोटिस जारी किया। प्रशासन की इस सख्ती को देखते हुए बकायादार ने तत्काल सक्रियता दिखाई और मौके पर ही 50 हजार रुपये की राशि निगम कोष में जमा कराई। शेष राशि के भुगतान के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार संभाग क्रमांक 10 रॉझी के अंतर्गत महर्षि सुदर्शन वार्ड के अंतर्गत कुर्की की कार्रवाई के दौरान 32 हजार 61 रूपये का चेक प्राप्त किया गया।

वसूली की कार्यवाही के समय राजस्व अधिकारी आनंद मिश्रा, संभागीय अधिकारी संतोष अग्रवाल, नरेश शर्मा, राजस्व निरीक्षक शिरीष उपाध्याय, सहा. राजस्व निरीक्षक प्रिया पाठक, राजेश डेनियल आदि उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश का आगामी बजट व्यापार और उद्योग को नई दिशा दे : दीपक सेठी

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। मध्यप्रदेश के आगामी बजट को लेकर व्यापारिक संगठनों ने अपनी अपेक्षाएँ स्पष्ट की हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के संभागीय अध्यक्ष दीपक सेठी ने कहा है कि प्रदेश का अग्रिम बजट व्यापार और उद्योग को नई दिशा देने वाला होना चाहिए।उन्होंने बताया कि जबलपुर एवं महाकौशल क्षेत्र के व्यापारियों को राज्य के बजट से काफी उम्मीदें हैं। व्यापारियों की प्रमुख मांग है कि प्रदेश में ÷एक राज्य–एक लाइसेंस÷ व्यवस्था लागू की जाए, जिससे व्यापार करना सरल हो और अनावश्यक प्रक्रियाओं से राहत मिल सके।दीपक सेठी ने कहा कि बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों को पुनर्जीवित करने के

लिए विशेष पैकेज लाया जाना चाहिए, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ सकें। साथ ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों और छोटे व्यापारियों को सस्ती पूंजी, सरल नियम और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी मांग रखी कि उद्योगों को दी जाने वाली सब्सिडी की समय-सीमा तय हो। वर्तमान में सब्सिडी की राशि मिलने में छह माह से लेकर एक वर्ष तक का समय लग जाता है, जिससे उद्योगपतियों की पूंजी फंस जाती है। सेठी ने सुझाव दिया कि ऐसी औद्योगिक नीति बनाई जाए जिससे बड़े निवेश केवल महानगरों तक सीमित न रहकर संभागीय शहरों तक पहुंचे और युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास के आधुनिक संस्थानों की स्थापना पर भी जोर दिया, ताकि प्रतिभाओं का पलायन रोका जा सके। इसके साथ ही व्यापारिक अधोसंरचना, परिवहन व्यवस्था और बाजारों के आधुनिकीकरण को भी प्रदेश की प्राथमिकता में शामिल करने की मांग की। अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी बजट व्यापार, उद्योग और रोजगार सृजन को केंद्र में रखकर प्रदेश में विकास का नया वातावरण तैयार करेगा।

एमबीबीएस विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु मेंटर-मेंटी प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज की मेडिकल एजुकेशन यूनिट द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, दक्षता-आधारित चिकित्सा शिक्षा के अंतर्गत मेंटर-मेंटी कार्यक्रम पर तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 13, 14 एवं 16 फरवरी को तीन बैचों में सम्पन्न हुआ, जिसमें विभिन्न विभागों के 120 से अधिक संकाय सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एमबीबीएस विद्यार्थियों के शैक्षणिक, व्यावसायिक तथा मनोसामाजिक विकास के लिए संरचित मेंटरशिप प्रणाली को सुदृढ़ करना तथा चिकित्सक शिक्षकों को कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का आयोजन अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. नवनीत सक्सेना के नेतृत्व में किया गया। उनके मार्गदर्शन एवं प्रशासनिक सहयोग से यह महत्वपूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सहभागियों के लिए संवादात्मक व्याख्यान, प्रकरण-आधारित चर्चा तथा परिचर्चा सत्र आयोजित किए गए। परिचर्चा में मेंटरिंग की प्रमुख चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया, जिनमें मेंटी की आवश्यकताओं की पहचान, भाषाई अवरोधों का समाधान, विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सहयोग प्रदान करना तथा दक्षता-आधारित चिकित्सा शिक्षा के अंतर्गत नैतिक मेंटरिंग और प्रलेखन प्रणाली सुनिश्चित करना शामिल रहा। सत्रों में संसाधन व्यक्तियों के रूप में डॉ. अर्चना सिंह (प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग तथा समन्वयक, मेडिकल एजुकेशन यूनिट), डॉ. दीप्तिबाला शर्मा, डॉ. रुचिर खरे, डॉ. के. के. गौर, डॉ. प्रियंका भातकुलकर एवं डॉ. मयूरा सेटिया उपस्थित रहीं। परिचर्चा सत्र में अधिष्ठाता डॉ. नवनीत सक्सेना के साथ डॉ. राजेश तिवारी, डॉ. विकेश अग्रवाल, डॉ. अर्पण मिश्रा, डॉ. सचिन कुच्या, डॉ. नीलम टोप्पो, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दीप्तिबाला शर्मा एवं डॉ. हिमांशु आचार्य ने पैनलिस्ट के रूप में सहभागिता कर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने मेंटर-मेंटी प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु नियमित संवाद एवं मार्गदर्शन की आवश्यकता पर बल दिया।

बेलखाडू-कटंगी मार्ग पर मिनी ट्रक-हाईवा की आमने-सामने भिड़ंत, दो घायल

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

बेलखाडू-कटंगी मार्ग पर माढोताल थाना क्षेत्र अंतर्गत नगना तिराहा के पास सोमवार सुबह मिनी लोडिंग ट्रक और हाईवा के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में मिनी ट्रक सवार दो युवक घायल हो गए, जबकि हाईवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह लगभग 10:30 बजे मिनी ट्रक क्रमांक एमपी 20 जीए 9759 इंद्राना से ईंट लोड कर जबलपुर की ओर आ रहा था। वहीं जबलपुर से कटंगी की ओर हाईवा क्रमांक एमपी 22 जेड जे 4187 जा रहा था। नगना तिराहा के पास दोनों वाहनों की तेज रफ्तार के चलते आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मिनी ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में बनखेड़ी मझोली निवासी अमन कोल (30 वर्ष) और सागर कोल (20 वर्ष) घायल हो गए। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए मेडिकल अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद मार्ग पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था संभाली और आवागमन बहाल कराया।

क्षेत्रवासियों में आक्रोश

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां गोदाम होने के कारण मुख्य मार्ग पर भारी वाहन अव्यवस्थित रूप से खड़े रहते हैं। इसी वजह से आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। वहीं सामने स्कूल होने के कारण छोटे बच्चों का भी लगातार आना-जाना लगा रहता है, जिससे खतरा और बढ़ जाता है। क्षेत्रीय नागरिकों ने शासन-प्रशासन से मुख्य मार्ग पर खड़े भारी वाहनों के खिलाफसख्त कार्रवाई करने और स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

जेनको क्रिकेट लीग

अंकित एडविन घोषित हुए मेन ऑफद सीरिज

चमचाती रिवाल्विग ट्राफी पर लीजेन्ड्स का कब्जा

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के तत्वावधान में आयोजित जेनको क्रिकेट लीग खिताब लीजेन्ड्स टीम ने रोमांचकारी फाइनल मैच में हिटर्स टीम को सिर्फ2 रन से पराजित कर जीत लिया। उल्लेखनीय है कि लीजेन्ड्स टीम पिछले दो वर्षो से उपविजेता बन रही थी। मुख्य अतर्थि मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने विजेता लीजेन्ड्स टीम के कप्तान आसिफ खान को चमचमाती सुनहरी रिवाल्विंग ट्राफी प्रदान की। पावर एंजेल्स ने वंडर वुमेन ने को 9 विकेट से पराजित कर महिला वर्ग की स्पर्धा जीती। इस अवसर पर पावर जनरेटिंग कंपनी के डायरेक्टर टेक्नकिल सुबोध निगम, डायरेक्टर कॉमर्शयिल मलिन्द भान्दक्कर, कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन व प्रशासन दीपक कश्यप व कंपनी के

वरिष्ठ अभयिंता व कार्मिक उपस्थित थे।

अंकित एडविन लीजेन्ड्स की जीत के हीरो बने-टॉस जीतकर हिटर्स ने लीजेन्ड्स को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया। लीजेन्ड्स की ओर से सलामी बल्लेबाज सुशील पाल व कप्तान आसिफखान ने टीम को सशक्त शुरुआत दिलाई। सुशील पाल ने 15 गेंदों में 15 रन बनाए, जबकि कप्तान आसिफ खान ने 24 गेंदों में 33 रनों की दमदारी पारी खेलकर टीम की मजबूत नींव रखी। एक दौर में हिटर्स ने नियंत्रित गेंदबाजी के दम पर मैच में वापसी की। शाहिद खान और गिरीश सिंह ने अपने 3-3 ओवर के स्पेल में मात्र 13-13 रन खर्च करते हुए 1-1 विकेट हासिल किया और लीजेन्ड्स की आक्रामक बल्लेबाजी पर अंकुश लगाया। इसके बावजूद अंकित एडविन ने 15 गेंदों में 22 रनों की तूफानी पारी खेलते हुए टीम का स्कोर 12 ओवर में 5 विकेट पर 93 रन तक पहुंचाया। 94 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिटर्स टीम ने जीत के इरादे से मैदान में कदम रखा, लेकिन लीजेन्ड्स के गेंदबाजों ने शुरुआती झटके देकर मैच का रुख पलट दिया। शाहिद खान व अतुल यादव को क्रमशः कप्तान आसिफखान व अंकित एडविन ने शीघ्र पवेलियन भेज दिया। इसके बाद गिरीश सिंह ने 32 गेंदों में 32 रनों की जिम्मेदार और संयमित पारी खेलकर मैच का रुख बदल दिया। उनकी सूझबूझ भरी बल्लेबाजी, नियमित स्ट्राइक रोटेशन व सटीक शॉट चयन ने मुकाबले में हिटर्स को लक्ष्य की ओर बढ़ाया।

पुणे एक्सप्रेस में चाकूबाजी, चलती ट्रेन में वेंडरने किया यात्री पर हमला

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। पमरे के जबलपुर रेल मंडल के भिटौनी स्टेशन के समीप पुणे-सुपौल एक्सप्रेस के जनरल कोच में एक वेंडर ने मामूली विवाद के बाद एक यात्री पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना में यात्री घायल हो गया है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाजीपुर निवासी 29 वर्षीय राहुल सिंह राजपूत गाड़ी संख्या 11041 पुणे-सुपौल एक्सप्रेस से अपने घर जा रहा था। ट्रेन जब भिटौनी स्टेशन के पास पहुंची, तभी राहुल का ट्रेन के एक वेंडर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि आक्रोशित वेंडर ने पास रखा चाकू निकालकर राहुल के पैर पर वार कर दिया।

दहशत का माहौल

अचानक हुए इस हमले से डिब्बे में बैठे अन्य यात्री सहम गए और अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कोच में काफी देर तक अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बना रहा। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी की टीम मौके पर सक्रिय हुई। ट्रेन के जबलपुर स्टेशन पहुंचते ही जीआरपी ने घायल यात्री को तत्काल उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने आरोपी वेंडर की पहचान कर उसके खिलाफविभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मप्र विधानसभा का बजट सत्र शुरू... कांग्रेस का आक्रामक रूख, हंगामेदार होगा सत्र

प्रदेश सरकार को घेरने के लिए विधायकों ने पूछे 3478 सवाल

● भोपाल, संवाददाता।

मप्र विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। पहले ही दिन कांग्रेस ने अपने आक्रामक रूख को दिखाकर यह संकेत दे दिया है कि पूरा सत्र हंगामेदार होगा। वहीं इस बार विधायकों ने सरकार से बड़ी संख्या में सवाल पूछे हैं। पक्ष और विपक्ष दोनों दलों के सदस्यों ने मिलकर कुल 3478 प्रश्न लगाए हैं। इनमें से 2253 प्रश्न ऑनलाइन भेजे गए हैं, जबकि 1225 प्रश्न ऑफलाइन प्राप्त हुए हैं। सवालों में 1750 तारांकित और 1728 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। इसके अलावा अब तक 192 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचनाएं भी विधानसभा सचिवालय को मिल चुकी हैं।

विपक्ष की ओर से आठ स्थगन प्रस्ताव भी भेजे गए हैं, जिससे माना जा रहा है कि सत्र के दौरान कई मुद्दों पर तीखी बहस हो सकती है। विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं के साथ-साथ प्रदेश स्तर के विषयों को भी उठाया है।

सरकार को घेरने के लिए तीन चरणों में विरोध

कांग्रेस ने बजट सत्र के दौरान सरकार को घेरने के लिए तीन चरणों में विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है। पहले चरण में विधायक अपने-अपने क्षेत्रों से भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और घोटालों के तथ्य सदन में पेश करेंगे। उमंग सिंघार ने विधायकों को निर्देश दिए हैं कि वे सबूतों के साथ मुद्दे उठाएं, जैसे विभागीय धांधली और माफिया राज। यह रणनीति स्थानीय मुद्दों को राज्य स्तर पर लाकर सरकार की विश्वसनीयता पर सवाल उठाएगी।

विकास योजनाओं पर सवाल उठाता कर्ज

मुख्य मुद्दों पर गहराई से नजर सत्र में उठने वाले मुद्दों में गौ हत्या प्रमुख है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार गौ रक्षा कानूनों को सख्ती से लागू नहीं कर रही, जिससे हिंदुत्व वोटर्स में असंतोष है। दूषित पानी से मौतें इंदौर में स्वास्थ्य संकट को दर्शाती हैं, जहां विपक्ष स्थगन प्रस्ताव लाएगा। प्रदेश का कर्ज 3 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच चुका है, जो विकास योजनाओं पर सवाल उठाता है। अवैध खनन से पर्यावरण क्षति और राजस्व हानि हो रही है।

गौकशी, खराब पानी, बेरोजगारी और कर्ज का मुद्दा

दूसरे चरण में हर रोज विधानसभा परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने सांकेतिक प्रदर्शन होंगे। मुख्य मुद्दे गौकशी, खराब पानी, बेरोजगारी और कर्ज होंगे। यह प्रदर्शन मीडिया का ध्यान आकर्षित कर जनता में संदेश फैलाएंगे। तीसरे चरण में एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस और सेवादल जैसे संगठन सड़कों पर उतरेंगे। विधानसभा का घेराव किया जाएगा, जो विरोध को जन आंदोलन का रूप देगा। यह रणनीति 2023 के किसान आंदोलन से प्रेरित लगती है, जहां सड़क विरोध ने राजनीतिक दबाव बनाया।

4.85 लाख करोड़ का बजट संभव

जानकारी के अनुसार इस बार राज्य सरकार करीब 4.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रस्तुत कर सकती है। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा इस बार भी बजट पेश करेंगे। सरकार की कोशिश रहेगी कि आय बढ़ाने और विकास कार्यों को गति देने के लिए कुछ नए प्रस्ताव शामिल किए जाएं। वहीं, विधानसभा के आगामी बजट सत्र से एक नई व्यवस्था लागू की जा रही है। अब विधायकों को अपने चारपहिया वाहनों के लिए हर सत्र में अलग-अलग पास बनवाने की जरूरत नहीं होगी। उन्हें एक बार में पूरे साल के लिए पार्किंग पास जारी किया जाएगा। विधानसभा सचिवालय ने सुरक्षा और व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद विधायकों को बार-बार पास बनवाने की झंझट से राहत मिलेगी। सुरक्षा के लिहाज से भी कुछ बदलाव किए गए हैं। मंत्रियों के अंगरक्षकों को विधानसभा भवन के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, प्रत्येक विधायक के साथ केवल एक निजी सहायक और एक वाहन चालक को ही परिसर में आने की अनुमति दी जाएगी। दर्शक दीर्घा में भी सीमित लोगों को ही प्रवेश दिया जाएगा। विधायकों की अनुशंसा पर चुनिंदा व्यक्तियों को निर्धारित समय के लिए प्रवेश पास उपलब्ध कराया जाएगा। बिना प्रवेश पत्र के किसी भी व्यक्ति को विधानसभा परिसर या भवन में आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विधानसभा सचिवालय का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य सत्र के दौरान बेहतर प्रबंधन और सख्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

अब प्रांत प्रचारक की जगह बनेंगे संभाग प्रचारक

● भोपाल, संवाददाता।

समय के साथ अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में भी बदलाव की कवायद की जा रही है। संघ अपने संगठन की व्यवस्था में बड़े बदलाव पर मंथन कर रहा है। माना जा रहा है कि मार्च में हरियाणा के समालखा में होने वाली आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक में किए जाने वाले बदलावों पर मंथन किया जाएगा। इसके तहत बड़ा बदलाव जो होने जा रहा है, वह है संघ में अब प्रांत प्रचारक की व्यवस्था खत्म होगी और उनकी जगह संभाग प्रचारक बनाए जाएंगे।

गौरतलब है कि आरएसएस की स्थापना के 100 साल पूरे हो चुके हैं। वह अब अपने काम और विचारों को आम जनता के बीच जमीनी स्तर पर ले जाने के लिए संगठन की प्रशासनिक व संचालन संरचना में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए मौजूदा प्रांतीय व्यवस्था को पूरी तरह खत्म कर हर प्रदेश में सिर्फ एक राज्य प्रचारक नियुक्त करने की व्यवस्था लागू होने जा रही है। साथ ही प्रदेश और विभाग के बीच में नई संभागीय व्यवस्था बनाने की भी तैयारी है। मार्च में हरियाणा के समालखा में होने वाली आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक में यह प्रस्ताव लाया जाएगा। मप्र में तीन प्रांत मालवा, मध्यभारत और महाकौशल प्रांत की संरचना समाप्त हो जाएगी। प्रांतीय कार्यकारिणी व्यवस्था भी समाप्त हो जाएगी। इनके स्थान पर मप्र राज्य प्रचारक होंगे। प्रदेश स्तर पर कार्यकारिणी के बजाय राज्य टोली बनेगी। इसमें प्रदेश प्रचारक के साथ ही प्रदेश संघ संचालक और प्रदेश कार्यवाह भी हो सकते हैं। नई संरचना को लेकर निर्णय मार्च में हो जाएगा। इसकी आधिकारिक घोषणा वर्ष प्रतिपदा पर की जाएगी। लेकिन इसे अमल में अगले वर्ष से लाया जाएगा। क्योंकि वर्ष 2027 संघ में निर्वाचन वर्ष है। अगले साल संघ के विभाग स्तर से अखिल भारतीय स्तर के पदाधिकारियों का निर्वाचन होगा।

मप्र में बनेंगे 6 से 8 संभाग प्रचारक

मप्र में 6 से 8 संभाग बनाए जाएंगे। जो सरकारी प्रशासनिक संभागों की तरह ही होंगे। कुछ छोटे संभागों को भौगोलिक नजदीकी के आधार पर पड़ोस के संभाग के साथ रखा जाएगा। संभाग में एक प्रचारक के साथ पूरी कार्यकारिणी रहेगी, जिसमें 40 तक पदाधिकारी संभव हैं। मप्र में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सागर, खंडवा, नर्मदापुरम संभागीय व्यवस्था के केंद्र रहेंगे। जो जिम्मेदारी अभी प्रांत प्रचारकों की है, उस भूमिका में संभागीय प्रचारक आ जाएंगे।

वेस्टर्न भोपाल बायपास की लागत 250 करोड़ घटी

● भोपाल, संवाददाता।

वेस्टर्न भोपाल बायपास प्रोजेक्ट की प्लानिंग में एक बार फिर बड़ा बदलाव किया गया है। मुख्य सचिव अनुराग जैन के सुझाव पर फॉरेस्ट एरिया में प्रस्तावित अंडरपास की संख्या कम करने का निर्णय लिया गया है। इस संशोधन से परियोजना की लागत में करीब 250 करोड़ रुपए की कमी आने का अनुमान है। मुख्य सचिव को हाल ही में परियोजना का प्रेजेंटेशन दिया गया था। इसमें फॉरेस्ट और टाइगर मूवमेंट एरिया में प्रस्तावित अंडरपास की संख्या और लागत का पुनर्मूल्यांकन प्रस्तुत किया गया। चर्चा के बाद सीएस ने अंडरपास की संख्या युक्तिसंगत करने के निर्देश दिए। संशोधित प्रस्ताव अब दोबारा उनकी मंजूरी के लिए रखा जाएगा। हरी झंडी मिलने के बाद ही परियोजना को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया तेज होगी। वेस्टर्न भोपाल बायपास प्रोजेक्ट शुरुआत से ही गलत एस्टीमेशन और एलाइनमेंट में बदलाव की वजह से अटका रहा। सूत्रों के अनुसार फॉरेस्ट एरिया में अंडरपास और कोलांस नदी पर बनने वाले पुल के स्पान का सही आकलन नहीं किया गया था। वन विभाग और मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) के बीच चर्चा में इन खामियों का खुलासा हुआ। यदि पूर्व प्रस्ताव लागू होता तो लागत में करीब 300 करोड़ रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती थी। लगातार एलाइनमेंट में बदलाव के कारण परियोजना में देरी भी होती रही। 2024 में कंपनी चयनित लेकिन काम शुरू नहीं एमपीआरडीसी ने इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2993 करोड़ रुपए तय की थी, जिसमें सिविल वर्क पर 1323.94 करोड़ रुपए खर्च प्रस्तावित था। वर्ष 2024 में वेस्टर्न भोपाल बायपास प्राइवेट लिमिटेड का चयन हाइब्रिड एन्युटी मोड पर किया गया था। कंपनी 1174 करोड़ रुपए में काम करने को तैयार हुई थी और 15 वर्षों तक मेंटेनेंस की जिम्मेदारी भी उसी की रहेगी।

6 मार्च के बाद होगी एक और प्रशासनिक सर्जरी

बदले जाएंगे कलेक्टर और कमिश्नर

● भोपाल, संवाददाता।

मप्र में चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद 21 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद सरकार एक और बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करने जा रही है। इस सर्जरी में जिला कलेक्टर और कमिश्नर बदले जाएंगे। गौरतलब है कि अभी हाल ही में सरकार ने आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की है। अब बताया जा रहा है कि बजट सत्र के बाद बड़े स्तर पर तबादले किए जाएंगे।

मप्र में बजट सत्र के बाद कई अधिकारियों का भी कटेगा पत्ता

गौरतलब है कि सरकार मैदानी अफसरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट बनवा रही है। उसके आधार पर तबादले किए जाएंगे। अभी हाल ही में सरकार द्वारा की गई प्रशासनिक सर्जरी अभी अधूरी है, जो सत्र खत्म होने के बाद पूरी होगी। इसमें 12 से 20 फीसदी जिलों के कलेक्टरों का तबादला लगभग तय है। ये बदलाव केंद्र व राज्य की जनता से जुड़ी महत्वकांक्षी योजनाओं व परियोजनाओं की प्रगति के आधार पर तय होने वाले जिलों के परफार्मेंस के आधार पर की जाएगी।

सबसे पहले खराब रिपोर्ट वाले बदले जाएंगे

बताया जाता है कि सरकार को कुछ ऐसे कलेक्टरों के तबादले करने हैं, जिनकी रिपोर्ट अच्छी नहीं है। इसका आकलन मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव द्वारा कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस करके दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन के आधार पर किया गया है। दरअसल, मुख्य सचिव अनुराग जैन दो बार कलेक्टर-कमिश्नरों के कामकाज का आकलन विभिन्न आधारों पर करा चुके हैं। रिपोर्ट सामान्य प्रशासन विभाग ने तैयार भी कर ली है। सूत्रों का कहना है कि पहले तैयारी एसआईआर का काम पूरा होने के बाद तबादले करने की थी।

छत्तीसगढ़

अब बार-क्लब खोलना हुआ आसान, सरकार ने लाइसेंस फीस और बैंक गारंटी में की भारी कटौती

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने प्रदेश की नई आबकारी नीति में बड़े बदलाव करते हुए होटल, रेस्टोरेंट और क्लब संचालकों को बड़ी राहत दी है. सरकार ने नए व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाइसेंस फीस में भारी कमी की है, जिससे अब राज्य में बार खोलना पहले के मुकाबले काफी सस्ता हो जाएगा.इन बड़े बदलावों पर एक नजर

लाइसेंस फीस में 6 लाख की बचत- राज्य सरकार ने उन शहरों के लिए बड़ा फैसला लिया है जिनकी आबादी 7 लाख से अधिक है. यहां स्नरु 2 (क) और स्नरु 3 (क) श्रेणी के बार के लिए लाइसेंस शुल्क को 24 लाख रुपये से घटाकर 18 लाख रुपये कर दिया गया है.

बैंक गारंटी में भी राहत-केवल लाइसेंस फीस ही नहीं, बल्कि सरकार ने अनिवार्य बैंक गारंटी की राशि को भी कम कर दिया है. इससे नए कारोबारियों पर शुरुआती वित्तीय बोझ कम होगा और इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा. 3-स्टार होटलों को फायदा- क्लबों के साथ-साथ थ्री-स्टार और उससे ऊपर की श्रेणी वाले होटलों की लाइसेंस फीस में भी रियायत दी गई है.

रायपुर एयरपोर्ट पर मिलेगी विदेशी शराब

इस नई नीति का सबसे चर्चित हिस्सा राजधानी रायपुर का स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डा है. साल 2026-27 के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत एयरपोर्ट पर बार खोलने की अनुमति दे दी गई है. एयरपोर्ट अथॉरिटी से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद अब यात्री वहां के रेस्टोरेंट्स में विदेशी शराब का आनंद ले सकेंगे. माना जा रहा है कि इस फैसले से पर्यटकों और यात्रियों के अनुभव में सुधार होगा.

समय में कोई बदलाव नहीं

भले ही फीस और नियमों में ढील दी गई है, लेकिन बार संचालन के समय को लेकर सख्ती बरकरार है. पूरे प्रदेश में बार पहले की तरह ही सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक ही संचालित किए जा सकेंगे. समय-सीमा में किसी भी तरह का विस्तार नहीं किया गया है. सरकार के इस कदम को व्यापारिक

दृष्टिकोण से को बढ़ावा देने वाला माना जा रहा है, जिससे पर्यटन और आबकारी राजस्व दोनों में बढ़ोतरी की उम्मीद है.

हृदयविदारक घटना बेटे की मौत का सदमा, माता-पिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जांजगीर | चांपा. छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है. इकलौते बेटे के मौत के सदमे में उसके माता-पिता ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया. सोमवार को घर में पेड़ पर दोनों की एक साथ फंदे पर लटका शव मिला. मृतकों की पहचान रमाबाई पटेल (47) और कृष्णा पटेल (48) घटना से इलाके में शोक व्यापत हो गया. मामला शिवरीनारायण थाना के धरदेई गांव का है जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले ही दंपति के इकलौते बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई थी. बताया जा रहा है कि बेटे की असमय मृत्यु से दंपति गहरे सदमे में थे. शुरुआती जांच में मानसिक आघात के चलते आत्मघाती कदम उठाने की बात सामने आ रही है. सोमवार सुबह दोनों की पेड़ के फंदे पर लटकी लाश मिलने की सूचना पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को सुरक्षित नीचे उतार लिया. पंचानामा तैयार कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. फिलहाल दंपति के सुसाइड के कारणों को लेकर जांच की जा रही है. पुलिस स्थानीय लोगों से जानकारी जुटा रही है.

SGPC के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी कल आएंगे रायपुर, रावांभाठा में गुरुद्वारे का करेंगे उद्घाटन

रायपुर | सिक्ख पंथ की सर्वोच्च संस्था के अध्यक्ष, एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी का एक दिवसीय प्रवास छत्तीसगढ़ में मंगलवार, 17 फरवरी को होने जा रहा है. वे विमान द्वारा सुबह अमृतसर से रायपुर पहुंचेंगे. उनके भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है. स्वागत उपरांत वे होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल में छत्तीसगढ़ की सभी गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी, सामाजिक संस्थानों के पदाधिकारियों के साथ छत्तीसगढ़ में चल रही सिक्ख समाज की गतिविधियों पर चर्चा करेंगे. इसके बाद वे बिलासपुर रोड रावांभाठा में निर्मित भव्य ऐतिहासिक गुरुद्वारे का उद्घाटन करेंगे. शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर के मार्गदर्शन में भव्य गुरमत संगीत विद्यालय का भी यहां शुभारंभ होगा. इस गुरुद्वारे की साज-सज्जा आधुनिक और आकर्षक शैली में की गई है, जिसकी भव्यता देखते ही बन रही है.इस पूरे आयोजन को मूर्त रूप प्रदान कर रहे समाजसेवी जगजीत सिंघ खनूजा, जी.एस. भाम्बरा व रावांभाठा के नवीनीकृत गुरुद्वारे के प्रभारी अजीत सिंग ने सर्व सिक्ख समाज से अपील की है कि पंथ की सर्वोच्च संस्था के अध्यक्ष धामी के भव्य स्वागत के लिए सभी माना विमानतल पहुंचकर और गुरुद्वारे के उद्घाटन समारोह में अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित होकर गुरु घर की खुशियां प्राप्त करें. इस कार्यक्रम में दरबार साहिब के रागी जत्थे सिक्ख गुरु गाथा का गुणगान कर गुरु नाम लेवा संगत को निहाल करेंगे. उद्घाटन के पश्चात् धामी, अमरजीत सिंग छाबड़ा के विशेष आग्रह पर अपने पूरे काफिले के साथ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के कार्यालय भी पहुंचेंगे. जहां भी वे सिक्ख पंथ की गतिविधियों एवं विकासपरक योजनाओं पर चर्चा कर अपनी राय व मार्गदर्शन देंगे. इस पूरे कार्यक्रम में सिक्ख फोरम के अध्यक्ष बलदेव सिंग भाटिया, राज्य अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंग छाबड़ा समेत सिक्ख समाज के गणमान्यजन व सभी गुरुद्वारों के प्रधान प्रमुख रूप से सम्मिलित होंगे.भाठागांव में गुरुद्वारा गुरु नानक साहिब के नवीनीकरण के बाद मंगलवार को उद्घाटन होगा. संगत के सहयोग से इस गुरुद्वारे का जीर्णोद्धार कराया गया है. नवीनीकरण के बाद मंगलवार की सुबह 10 बजे श्रीगुरुग्रंथ साहिब का पहला प्रकाश होगा. दरअसल यह गुरुद्वारा 2004 में बनाया गया था. जीर्ण-शीर्ण अवस्था में होने के कारण इसका रिनोवेशन कराया गया. इसके तहत दरबार हॉल में नई पालकी साहिब बनवाई गई है।

दिन में गर्मी बढ़ने से छूटने लगा पसीना रायपुर में 33 डिग्री पहुंचा तापमान

रायपुर | छत्तीसगढ़ में लोगों को आने वाले दिनों में गर्मी का सामना करना पड़ेगा. मौसम फिलहाल शुष्क बना हुआ है. राजधानी का अधिकतम तापमान 33 डिग्री के करीब पहुंच गया, माह के अंतिम दिन पारा 36 डिग्री तक पहुंचने की उम्मीद है. अभी पश्चिम से पूर्व की ओर आने वाली हवा के प्रबल होने की वजह से दिन का पारा चढ़ रहा है. पिछले चौबीस घंटे में रायपुर का न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया. रायपुर की गर्मी लगातार तीसरे दिन राज्य में सबसे अधिक रही.विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी के अंतिम दिनों तक गर्मी का तेज असर महसूस होने लगता है. अभी दिन में गर्मी का अनुभव बढ़ रहा है और रात में राहत महसूस हो रही है. धीरे-धीरे रात का पारा चढ़ने के बाद यहां से ठंड की पूरी तरह विदाई हो जाएगी. वर्तमान में ठंड का अच्छा प्रभाव अंबिकापुर समेत राज्य के उत्तरी सीमावर्ती क्षेत्रों में महसूस हो रहा है. वहां से ठंड की विदाई मार्च के अंतिम दिनों में ही होती है.

रायपुर में आज कैसा रहेगा मौसम ?

राजधानी रायपुर में सोमवार को दिन के वक्त हल्की गर्मी का अहसास होगा. सुबह के वक्त धुंध छाए रहने के आसार हैं. दिन में 33 डिग्री सेल्सियस और रात में 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास तापमान दर्ज हो सकता है.

निर्णय

सितंबर 2024 का मामला, कोर्ट ने सुनवाई में माना कि गलत हुई एफआईआर

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, मारपीट-लूट मामले में 5 आरोपियों की FIR रद्द

बिलासपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक अहम फैसले में पुलिस थाना सिरगिट्टी में दर्ज मारपीट और लूट से जुड़ी एफआईआर को निरस्त कर दिया है. न्यायालय ने स्पष्ट किया कि आरोपों में प्रथम दृष्टया अपराध के आवश्यक तत्व नहीं बनते और कार्रवाई जारी रखना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा. यह आदेश मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने पारित किया।

याचिकाकर्ता सुमन यादव, इंदु चंद्रा, नंद राठौर, मोहम्मद इस्लाम और राहुल जायसवाल के विरुद्ध 7 सितंबर 2024 को अपराध दर्ज किया गया था. शिकायतकर्ता के अनुसार 6 सितंबर की रात ग्रामीण बैंक, तिफरा के पास आरोपियों ने गाली-गलौज, मारपीट कर सोने की चेन छीन ली. इसके आधार पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराओं 115(2), 296, 3(5) और 304(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया.

याचिकाकर्ताओं ने दिए यह तर्क

याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि एफआईआर दर्ज करने में करीब 13 घंटे की देरी है, जो संदेह पैदा करती है. घटना के पहले याचिकाकर्ताओं ने 112 नंबर पर सूचना दी थी और अभिव्यक्ति ऐप के माध्यम से भी शिकायत की गई थी. सीसीटीवी फुटेज भी उनके पक्ष में होने का दावा किया गया. याचिकाकर्ताओं ने इसे प्रतिशोध में दर्ज काउंटर ब्लास्ट एफआईआर बताया. वहीं राज्य की ओर से कहा गया कि, एफआईआर में संज्ञेय अपराध बनता है, जांच पूर्ण हो चुकी है और चालान पेश किया जा चुका है. ऐसे में एफआईआर रद्द करने का कोई आधार नहीं है.

हाईकोर्ट ने निरस्त की एफआईआर

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि यदि एफआईआर के आरोपों को पूरी तरह स्वीकार भी कर लिया जाए, तब भी अपराध के आवश्यक तत्व सिद्ध नहीं होते. एफआईआर में देरी, याचिकाकर्ताओं की पूर्व शिकायतें और रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री अभियोजन की कहानी पर गंभीर संदेह उत्पन्न करती है. अदालत ने माना कि इस स्थिति में आपराधिक कार्रवाई जारी रखना न्याय का उद्देश्य पूरा नहीं करता, बल्कि प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा. हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए थाना सिरगिट्टी, जिला बिलासपुर में दर्ज अपराध क्रमांक 624/2024 को सभी पांचों याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध पूरी तरह निरस्त (क्वैश) कर दिया.

सृजन, सुविधा और नकल की नई संस्कृति

डॉ. सत्यवान सौरभ

कहा जाता है कि हर नई तकनीक अपने साथ सुविधा लेकर आती है, पर कुछ तकनीकें धीरे-धीरे हमारी सोच और आदतों को भी बदल देती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज ऐसे ही मोड़ पर खड़ी है। उसने लिखने की गति बढ़ाई है, उसे आसान और सुलभ बनाया है; पर उसी अनुपात में उसने सृजन के अर्थ को धुंधला भी किया है। अब प्रश्न यह नहीं रह गया कि लिखा कितना अच्छा है, बल्कि यह बन गया है कि लिखा किसने है और किस तरह लिखा है। जब किसी लेख, कविता या विचार को पढ़ते हुए यह बोध होता है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचा गया है, तो पाठक के भीतर कुछ टूट-सा जाता है। शब्द सधे हुए होते हैं, भाव भी उपयुक्त लगते हैं, पर कहीं एक रिक्तता रह जाती है। जैसे सुंदर शरीर हो, पर उसमें प्राण न हों। रचना का वह जादू, जो लेखक और पाठक के बीच एक अदृश्य संबंध बनाता है, अचानक समाप्त हो जाता है। यह केवल सौंदर्य का नहीं, विश्वास का भी प्रश्न है। समस्या यह नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लिख सकती है। समस्या यह है कि वह लिखते समय मनुष्य होने का भ्रम रचती है। वह अनुभव की नकल करती है, पीड़ा की भाषा बोलती है, प्रेम और करुणा के मुहावरे दोहराती है-बिना कभी असफलता, भय या दुविधा से गुजरे। जब ऐसी सामग्री किसी मनुष्य के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो वह तकनीकी सहायता नहीं रह जाती; वह बौद्धिक नकल का रूप ले लेती है। यह नकल कोई नई बात नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से इस मानसिकता को पोषित करती रही है कि अंक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, प्रक्रिया नहीं। परीक्षा में नकल करके उत्तीर्ण होना, दूसरों की उत्तर पुस्तिकाओं से विचार उठाना, और फिर उसी सफलता का गर्वपूर्वक प्रदर्शन-यह सब समाज में किसी न किसी रूप में स्वीकार्य रहा है। आज वही प्रवृत्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नई शक्ल में सामने आई है। अंतर केवल इतना है कि अब नकल अधिक चमकदार, अधिक विश्वसनीय और अधिक सुरक्षित दिखाई देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न सामग्री की एक पहचान बन चुकी है-भाषा की दृष्टि से निर्दोष, संरचना में संतुलित, और भावनात्मक रूप से उचित। पर यही परिपूर्णता उसे संदिग्ध भी बनाती है। क्योंकि वास्तविक सृजन प्रायः परिपूर्ण नहीं होता। उसमें झिझक होती है, दोहराव होता है, कभी-कभी असंगति भी होती है। सच्चा लेखक अपने ही विचारों से जूझता है, अपनी ही सीमाओं से संघर्ष करता है। उस संघर्ष की छाया शब्दों में दिखाई देती है, और वही रचना को जीवंत बनाती है। आज सामाजिक माध्यमों और अंकीय मंचों पर सामग्री की बाढ़ है। हर विषय पर, हर दृष्टिकोण से, तुरंत लेख उपलब्ध हैं। इस भीड़ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक तीव्र यंत्र की तरह काम करती है, जो पहले से मौजूद हजारों विचारों को जोड़कर एक नया पैकेज बना देती है। यह पैकेज उपयोगी हो सकता है, जानकारीपूर्ण हो सकता है, पर क्या वह दृष्टि दे सकता है? क्या वह जोखिम उठा सकता है? क्या वह यह स्वीकार कर सकता है कि मैं गलत भी हो सकता हूँ? यहीं मनुष्य और यंत्र के बीच मूल अंतर स्पष्ट होता है। मनुष्य अपनी बात कहते समय डरता है-आलोचना से, अस्वीकार से, असफलता से। और यही डर उसकी आवाज को विशिष्ट बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को न आलोचना का भय है, न अस्वीकार का। इसलिए वह सुरक्षित भाषा में लिखती है-सबको स्वीकार्य, किसी को असुविधाजनक न लगे ऐसी। परिणामस्वरूप, हम ऐसी रचनाएँ पढ़ रहे हैं जो सब कुछ कहती हैं, पर वास्तव में कुछ भी नहीं कहतीं। एक और गंभीर प्रश्न श्रेय का है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक औजार की तरह उपयोग किया जाए-शोध, संपादन या भाषा-सुधार के लिए-और यह स्पष्ट कर दिया जाए कि इसमें यंत्र की सहायता ली गई है, तो यह ईमानदारी है। पर जब पूरी रचना यंत्र द्वारा तैयार की जाए और लेखक का नाम किसी मनुष्य का हो, तो यह धोखा है। यह पाठक के साथ भी अन्याय है और सृजन की परंपरा के साथ भी। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि अंतिम परिणाम ही महत्त्वपूर्ण है, तरीका नहीं। पर यही तर्क नकल को भी वैध ठहराता है। यदि तरीका अप्रासंगिक होता, तो शिक्षा, प्रशिक्षण और अभ्यास का कोई अर्थ न रह जाता। सृजन केवल परिणाम नहीं है, वह एक प्रक्रिया भी है। लिखते समय जो सोच विकसित होती है, जो आत्मसंघर्ष होता है, वही लेखक को गढ़ता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उस प्रक्रिया को बीच में ही काट देती है। यह कहना भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वयं में शत्रु नहीं है। हर तकनीक की तरह उसका मूल्य उसके उपयोग में निहित है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब सुविधा, सृजन का स्थान लेने लगती है। जब लेखक बनने के स्थान पर सामग्री उत्पादक बनने की होड़ लग जाती है। जब पहचान मेहनत और अनुभव से नहीं, बल्कि उत्पादन की मात्रा से तय होने लगती है।

राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति, नवयुवकों का जागरण और कर्तव्यबोध

यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है। वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी?

कांतिलाल मांडोत

(लेखक)

भारत सदियों से संयम, त्याग और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहाँ आत्मसंयम को ही वास्तविक शक्ति माना गया है और चरित्र को ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति समझा गया है। यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है। वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी? कृत्रिमता के इस युग में मनुष्य बाहरी सजावट से अपनी वास्तविकता को ढकने का प्रयास करता है, परन्तु सच्चाई यह है कि कृत्रिम सौंदर्य कभी भी नैसर्गिक शक्ति और आत्मविश्वास का स्थान नहीं ले सकता। जिस प्रकार सूखी जड़ वाला वृक्ष ऊपर से हरा दिखाया जाए तो भी वह अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता, उसी प्रकार यदि युवा केवल बाहरी आडंबर में उलझे रहेंगे और आत्मिक विकास की ओर ध्यान नहीं देंगे, तो उनका व्यक्तित्व खोखला रह जाएगा। राष्ट्र निर्माण के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनकी जड़ें मजबूत हों, जिनके भीतर आत्मसंयम और आत्मविश्वास की गहरी नींव हो। भारत की सांस्कृतिक परंपरा ने सदैव संयम, तप और साधना को महत्व दिया है। यहाँ जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि साधना का अवसर माना गया है। स्वामी विवेकानन्द जब विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए शिकागो गए, तब भी उन्होंने अपने संस्कारों और संयम को नहीं छोड़ा। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व का रहस्य बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि भीतर की पवित्रता और आत्मबल था। यही आत्मबल युवाओं को अपनाना होगा। जब युवा अपने चरित्र को दृढ़ बनाते हैं, तब वे समाज में विश्वास और प्रेरणा के स्तंभ बनते हैं। आज देश अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, उद्योग, राजनीति और सामाजिक जीवन में नई संभावनाएँ उभर रही हैं। इन संभावनाओं को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं पर ही है। देश की बागडोर उनके हाथ में है, इसलिए उन्हें केवल अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना चाहिए। देश के प्रति समर्पण केवल नारों से सिद्ध नहीं होता, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी और परिश्रम से प्रकट होता है। जब युवा अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा से करते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। युवाओं का प्रथम कर्तव्य है कि वे स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, व्यायाम और योग से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही अध्ययन, चिंतन और सत्साहित्य के माध्यम से बुद्धि का विकास होता है। ज्ञान से ही विवेक उत्पन्न होता है और विवेक से ही सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। जब युवा विवेकशील बनेंगे, तब वे समाज को सही दिशा दे सकेंगे। दूसरा महत्वपूर्ण कर्तव्य है नैतिक मूल्यों का पालन। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, करुणा और सहयोग की भावना ही समाज को जोड़ती है। यदि युवा भ्रष्टाचार, छल और स्वार्थ से दूर रहकर आदर्श जीवन जिएँगे, तो समाज में विश्वास की नींव मजबूत होगी। राष्ट्र का निर्माण केवल सड़कों और भवनों से नहीं, बल्कि सुदृढ़ चरित्र वाले नागरिकों से होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक कार्य देश के भविष्य को प्रभावित करता है। तीसरा कर्तव्य है सामाजिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा प्रसार, स्वच्छता अभियान, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में आगे आना चाहिए। वे नई सोच और नवाचार के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता के बल पर वे विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठा सकते हैं। जब युवा अपने कौशल और प्रतिभा को राष्ट्रहित में समर्पित करते हैं, तब देश प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूता है। आज आवश्यकता है कि युवा कृत्रिम आकर्षणों से ऊपर उठकर वास्तविक जीवन मूल्यों को अपनाएँ। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं, बल्कि अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना है। जब इन्द्रियाँ भोग से हटकर योग की ओर उन्मुख होती हैं, तब व्यक्ति में अद्भुत शक्ति का संचार होता है। यही शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार बनती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने भीतर आत्मगौरव और राष्ट्रगौरव की भावना को जागृत करें। भारत का भविष्य उज्ज्वल तभी होगा जब उसकी युवा पीढ़ी जागरूक, अनुशासित और समर्पित होगी। आज का युवा यदि अपने वर्तमान को संवार ले, तो उसका कल स्वयं ही स्वर्णिम हो जाएगा। देश की प्रगति किसी एक नेता या संस्था पर निर्भर नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सामूहिक प्रयास पर आधारित है। जब प्रत्येक युवा यह संकल्प लेगा कि वह अपने जीवन को राष्ट्र के हित में उपयोग करेगा, तब भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

मोदी जी सवालों से परे : एपस्टीन फाइलों का डर सामने आया

वहां भक्त और गोदी मीडिया नहीं बचा सकते। मोदी जी को सवालों से परे बताने की शुरूआत हो गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को नया काम दिया गया है। मोदी जी सर्वोपरि हैं। उनसे सवाल नहीं हो सकते। अचानक ऐसा क्या हो गया कि प्रधानमंत्री मोदी को सवालों से ऊपर बताया जाए? एपस्टीन फाइल? और क्या हो सकता है? राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बीजेपी संघ के कोर इशु (सबसे बड़े सवाल) का तो मोदी जी पर कोई असर नहीं पड़ा। यह बहुत खतरनाक बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को इतना हल्का बना दिया कि एक के बाद एक कई चूकें, राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरियां सामने आ गईं मगर पार्टी, संघ, भक्त, गोदी मीडिया किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उल्टे सेना पर, सेनाध्यक्ष पर ही दोष डाल दिया गया। याद कीजिए, लद्दाख में जब चीनी सेना ने गलवान में घुसकर 20 भारतीय सैनिकों को शहीद कर दिया था तो गोदी मीडिया ने लद्दाख जाकर वहां से रिपोर्टिंग की कि चीनियों को रोकने का काम सेना का था सरकार क्या कर लेती?

शकील अख्तर

लेखक

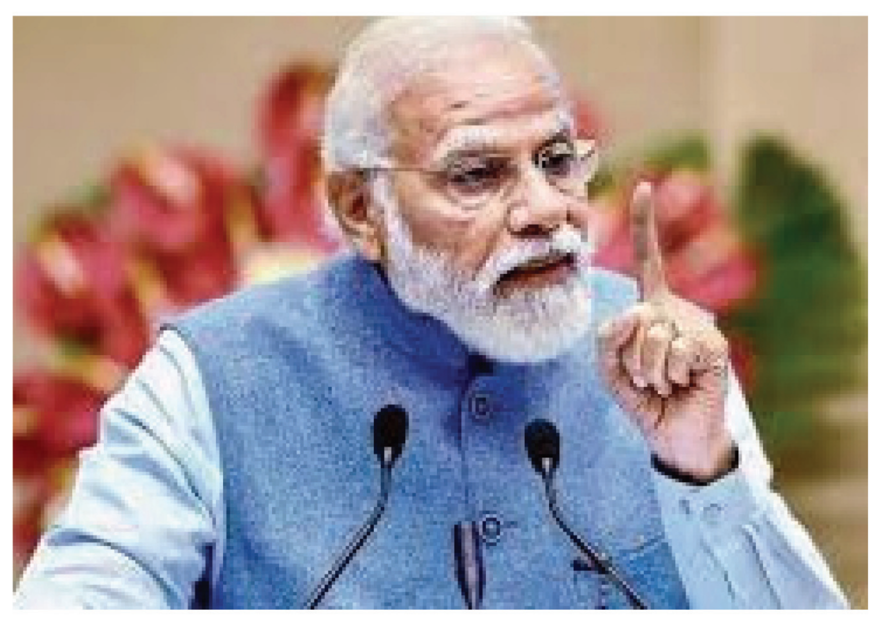

राष्ट्रीय सुरक्षा छोटी-मोटी घटनाओं की तरह बना दी। किसी पर कोई असर नहीं। लेकिन परिस्थितियां तेजी से बदलीं। जब आप लापरवाह हो जाते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जवाबदेही से बच जाते हैं। तब कहीं और बड़ी गलतियां करते हैं। और उनमें कुछ ऐसे मामले होते हैं जो अन्तरराष्ट्रीय स्तर के होते हैं। वहां भक्त और गोदी मीडिया नहीं बचा सकते। मोदी जी को सवालों से परे बताने की शुरूआत हो गई है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को नया काम दिया गया है। मोदी जी सर्वोपरि हैं। उनसे सवाल नहीं हो सकते। अचानक ऐसा क्या हो गया कि प्रधानमंत्री मोदी को सवालों से ऊपर बताया जाए? एपस्टीन फाइल? और क्या हो सकता है? राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बीजेपी संघ के कोर इशु (सबसे बड़े सवाल) का तो मोदी जी पर कोई असर नहीं पड़ा। यह बहुत खतरनाक बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को इतना हल्का बना दिया कि एक के बाद एक कई चूकें, राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरियां सामने आ गईं मगर पार्टी, संघ, भक्त, गोदी मीडिया किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उल्टे सेना पर, सेनाध्यक्ष पर ही दोष डाल दिया गया। याद कीजिए, लद्दाख में जब चीनी सेना ने गलवान में घुसकर 20 भारतीय सैनिकों को शहीद कर दिया था तो गोदी मीडिया ने लद्दाख जाकर वहां से रिपोर्टिंग की कि चीनियों को रोकने का काम सेना का था सरकार क्या कर लेती? और सेना के पास उन्हें रोकने गोली चलाने के अधिकार ही नहीं थे यह 2020 में कुछ ही समय बाद अगस्त में तब सामने आ गया जब पूर्वी लद्दाख में ही कैलाश रिज पर चीन के चार टैंक भारतीय सीमा में बढ़े आ रहे थे। साथ में चीन के पैदल सैनिक थे। और भारत के थल सेना प्रमुख जनरल मुकुंद नरवणे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से निर्देश मांगते रहे कि बताइए क्या करना है? मगर ढाई-तीन घंटे तक उन्हें कोई जवाब नहीं दिया गया। टैंक केवल आधा किलो मीटर की दूरी पर रह गए। और उसके बाद प्रधानमंत्री का जवाब आया जो उचित समझो वह करो! यहां भी प्रधानमंत्री मोदी को इशु नहीं बनाया गया। उल्टे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा में राजनीतिक नेतृत्व की निर्णय लेने की अक्षमता पर सवाल उठाने पर उनके खिलाफ ही पहले एक एफआईआर दर्ज की गई फिर लोकसभा में उनकी सदस्यता रद्द करने और उन्हें राजनीति से ही बाहर करने, चुनाव लड़ने पर हमेशा के लिए रोक लगाने का प्रस्ताव लाया गया। मुद्दा यह था कि जो उचित समझो वह करो कहना था तो तीन घंटे पहले ही क्यों नहीं कह दिया? हर मामले में प्रधानमंत्री को बचाया गया। श्रेय हर बात का उन्हीं को दिया जाता है। याद रखिए भाजपा सरकार नहीं कहा जाता मोदी सरकार ही कहा जाता है। लेकिन जिम्मेदारी किसी बात की उनकी नहीं है। पहले गलवान में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के मामले में नरेटिव बनाया गया कि दोष सेना का। फिर कैलाश रिज (पहाड़ी) के मामले में उसी सेना को निःसहाय छोड़ दिया गया। जनरल नरवणे ने अपनी किताब में जिसके लिए अब कहा जा रहा है कि वह प्रकाशित ही नहीं हुई मगर यह नहीं कहा जा पा रहा कि लिखी ही नहीं गई में कहा है कि जब तीन घंटे बाद उनसे कहा गया कि जो उचित समझो वह करो तो उन्हें लगा कि जैसे वह एकदम अकेले पड़ गए। अंग्रेजी का एक मुहावरा उन्होंने लिखा है कि - जैसे हाथ में गर्म आलू दे दिया। मतलब न आप उसे खा सकते हैं, न हाथ में रख सकते हैं, और न फैंक सकते हैं क्योंकि फैंकना अपमान हो जाएगा। किंकर्तव्यविमूढ़! तो राष्ट्रीय सुरक्षा के तमाम मामले हैं जहां प्रधानमंत्री मोदी फैसला नहीं ले सके, कमजोर नजर आए मगर प्रचार के दम पर राष्ट्रीय सुरक्षा को ही महत्वहीन बना दिया गया। गलवान के बाद खुद प्रधानमंत्री के यह कहने पर भी किसी को कोई फर्क नहीं पड़ा कि न कोई घुसा है न कोई है! 20 जवान शहीद करके वहीं कब्जा करके बैठ गए। मगर प्रधानमंत्री ने कह दिया कि कोई घुसा ही नहीं। राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कई घटनाएं हैं। पहलगाम में आतंकवादी कैसे घुस गए? कैसे 26 नागरिकों को मार दिया? कोई जवाब आज तक नहीं मिला। एक साल होने वाला है। हां मरने वालों से यह सवाल जरूर पूछा गया कि तुम वहां गए क्यों थे? और उसके बाद आपरेशन सिंदूर करने पर जब हमारी वायु सेना दिए गए टारगेटों पर निर्णायक वार कर रही थी तो अचानक अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सीज फायर घोषित कर दिया। हमने तत्काल मान लिया। यहीं वह बात अपने आप साफ हो जाती है कि सेना राजनीतिक नेतृत्व के आधीन है। इसलिए उसने अपने बढ़त के मौके पर भी हमले रोक दिए। और जहाज वापस आने लगे। लेकिन गलवान और कैलाश रिज के मामले जो 2020 में तीन महीने के फासले पर ही हुए कहा गया कि जिम्मेदारी सेना की है। जबकि सेना को चीन के मामले में बिना राजनीतिक नेतृत्व से पूछे गोली चलाने की अनुमति नहीं है। विदेश मंत्री जयशंकर कह चुके हैं कि वह बहुत बड़ी आर्थिक शक्ति है हम उससे कैसे लड़ सकते हैं? जब मनचाहे कुछ भी कह दो। बेरोजगारी में पकौड़े बनाने की सलाह दे दो। पुलवामा में तो 40 जवान शहीद हुए थे। यह घटना भी गलवान, कैलाश रिज से एक साल पहले ही 2019 में हुई थी। उस समय वहां के राज्यपाल सतपाल मलिक से कह दिया चुप रहो! आज तक उसका भी पता नहीं चला कि इतना आरडीएक्स कैसे आया। 7 साल हो रहे हैं। जांच में क्या निकला? राष्ट्रीय सुरक्षा छोटी-मोटी घटनाओं की तरह बना दी। किसी पर कोई असर नहीं। लेकिन परिस्थितियां तेजी से बदलीं।

युद्ध की हवाई पट्टी

प्रधानमंत्री मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ में, पूर्वोत्तर की, प्रथम आपात हवाई पट्टी पर सी-130 जे विमान से लैंडिंग की, तो वह प्रथम विश्व नेता, प्रथम शासनाध्यक्ष बन गए। यह कीर्तिमान बड़ी उपलब्धि है, बहुअर्थी है। हमारे राफेल, सुखोई-30 और तेजस लड़ाकू विमानों ने भी आपात हवाई पट्टी को छुआ और फिर वे उड़ गए। यह 40 मिनट का युद्धाभ्यास वहां से 200 किलोमीटर दूर चीन ने भी देखा होगा और विश्व के कई देश चौकन्ने हुए होंगे! प्रधानमंत्री मोदी ने हवाई पट्टी का औपचारिक उद्घाटन किया और वह युद्धाभ्यास के साक्षी भी बने। दुनिया के सर्वप्रथम प्रधानमंत्री की यह लैंडिंग सिर्फ चुनावी, राजनीतिक नेरेटिव ही नहीं है, बल्कि यह युद्धाभ्यास हमारी रक्षा तैयारियों, सामरिक शक्ति, प्रौद्योगिकी सक्षमता और बेशक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच का प्रदर्शन भी है। आत्मनिर्भर भारत की अभिव्यक्ति भी है। यह वायु रक्षा मोचेबंदी और आपात हवाई पट्टी इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि युद्ध की शैली बदलती जा रही है। अब दुश्मन सबसे पहले वायुसेना बेस, अड्डों और ठिकानों पर हमले कर दुश्मन देश की वायुसेना को विकलांग करता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने पाकिस्तान के प्रमुख एयरबेसों पर हमले कर उन्हें ध्वस्त कर दिया था। एयरबेसों में गहरे गड्ढे कर दिए थे। बहुत कुछ मिट्टी-मलबा हुआ था। बताया जाता रहा है कि हमारे विमानों ने दुश्मन के 9 एयरबेस, रडार, अवॉक्स सिस्टम आदि ऐसे तबाह किए थे कि वहां से वायुसेना ऑपरेशन को करना और एयरबेस को युद्ध के लिए हमलावर बनाने में लंबा वक्त लगेगा। हालांकि चीन के साथ हमारे संबंध बदल और सुधर रहे हैं, लेकिन चीन एक प्रतिद्वंद्वी, अविश्वसनीय देश रहा है, लिहाजा भारत में ही सत्ता और सियासत का एक वर्ग उसे दुश्मन नंबर वन मानता रहा है। बहरहाल 4.2 किमी लंबी यह हवाई पट्टी, राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर, 100 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है। इस पर 40 टन के लड़ाकू विमान उतर सकेंगे। यहां से 74 टन के परिवहन विमान भी ऑपरेट किए जा सकेंगे। युद्ध या किसी भी आपात स्थिति में बचाव और सैन्य ऑपरेशन तुरंत संभव हो सकेंगे। उप्र के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर भी आपात हवाई पट्टी बनाई गई थी। वहां भी प्रधानमंत्री ने लैंडिंग की थी। दरअसल ऐसी सामरिक तैयारियां दशार्ती हैं कि भारत में रक्षा उत्पादन और सैन्य रणनीति की दुनिया ही बदल चुकी है। बेशक 2026-27 के बजट में 7.85 लाख करोड़ रुपए रक्षा मंत्रालय को आवंटित करना एक राष्ट्रीय, सालाना औपचारिकता हो सकती है, लेकिन भारत का अपना रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा, जो एक कीर्तिमान है और 2014-15 की तुलना में 174 फीसदी अधिक है। भारत ने 23622 करोड़ रुपए के ब्रह्मोस मिसाइल, डोर्नियर-228 विमान, बुलेटप्रूफ जैकेट, चेतक हेलीकॉप्टर, हल्के टॉरपीडो, इंटरसेप्टर नौकाएं और गोला-बारूद आदि 100 से अधिक देशों को निर्यात किए हैं। अमरीका और फ्रांस सरीखे देश भी हमारे रक्षा-सामान के खरीददार हैं। क्या यह सामरिक रूप से आत्मनिर्भर होते भारत का बिंब नहीं है? युद्धाभ्यास में जिस तेजस लड़ाकू विमान ने भी हिस्सा लिया, वह स्वदेशी, भारतीय विमान है। अब देश में राफेल लड़ाकू विमान के 60 फीसदी कल-पुरजे, उपकरण आदि का निर्माण और उत्पादन भी भारत में ही होगा। यह फ्रांस के साथ 114 राफेल विमानों के नए करार में निहित है, लिहाजा 96 राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। शेष 18 विमान फ्रांस से निर्मित होकर आएंगे।

हाथ से लिखना: तेज रफ्तार समय में मन का ठहराव

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का समय गति का है। सुबह आँख खुलते ही मोबाइल स्क्रीन चमकने लगती है, सूचनाओं की बाढ़ हमारे भीतर उतरने लगती है और दिन कब शुरू होकर कब थकान में बदल जाता है, पता ही नहीं चलता। ई-मेल, व्हाट्सऐप, नोटिफिकेशन और सोशल मीडिया-सब मिलकर हमारे ध्यान, हमारी भावनाओं और हमारे समय पर लगातार दावा करते रहते हैं। इस डिजिटल युग में संवाद तो बढ़ा है, लेकिन आत्मसंवाद कहीं पीछे छूट गया है। ऐसे में हाथ से लिखने जैसी सरल, शांत और आत्मीय प्रक्रिया का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ जाता है हाथ से लिखना सिर्फ.शब्दों को कागज पर उतारना नहीं है, यह मन को गति से बाहर निकालकर ठहराव की ओर ले जाने की प्रक्रिया है। जब हम कलम उठाते हैं, तो शरीर और मस्तिष्क एक लय में आते हैं। उँगलियों की गति, स्याही की धार और कागज का स्पर्श-ये सब मिलकर हमारे भीतर चल रहे शोर को धीरे-धीरे शांत करने लगते हैं। यही कारण है कि दिन के अंत में, सोने से पहले यदि कोई व्यक्ति अपनी दिनचर्या की पाँच पंक्तियाँ भी लिख लेता है, तो उसे एक अनकहा सुकून मिलता है-ऐसा सुकून जिसे शब्दों में बाँध पाना कठिन होता है। आज की जीवनशैली में तनाव, चिंता और अनिद्रा आम समस्याएँ बन चुकी हैं। हम दिन भर दूसरों के लिए सोचते हैं-काम के लिए, परिवार के लिए, समाज के लिए-लेकिन अपने मन से बातचीत का समय शायद ही निकाल पाते हैं। लिखना इस कमी को पूरा करता है। जब हम अपने अनुभव, भावनाएँ और विचार कागज पर उतारते हैं, तो हम उन्हें स्वीकार करते हैं। यह स्वीकार्यता ही मानसिक शांति की पहली सीढ़ी है। मन के भीतर जो बातें उलझन बनकर घूमती रहती हैं, वे लिखते ही स्पष्ट होने लगती हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाथ से लिखना मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो भावनात्मक संतुलन और स्मृति से जुड़े होते हैं। डिजिटल टाइपिंग की तुलना में हाथ से लिखे शब्दों का प्रभाव अधिक गहरा होता है, क्योंकि इसमें सोच और लिखने के बीच सीधा संबंध बनता है। यही कारण है कि जब हम अपनी परेशानियाँ, डर या थकान लिखते हैं, तो उनका बोझ हल्का महसूस होने लगता है। यह प्रक्रिया एक तरह की आत्मचिकित्सा बन जाती है-बिना किसी दवा, बिना किसी खर्च के। रात के समय लिखने की आदत विशेष रूप से प्रभावी मानी जाती है। दिन भर की घटनाएँ, भावनाएँ और प्रतिक्रियाएँ मन में जमा रहती हैं। यदि हम उन्हें वहीं छोड़कर सो जाते हैं, तो वे नींद में भी हमारा पीछा करती हैं। लेकिन जब हम सोने से पहले उन्हें लिख देते हैं, तो मन को संकेत मिलता है कि अब दिन पूरा हो चुका है। यह संकेत नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। पाँच पंक्तियाँ ही सही-आज क्या अच्छा हुआ, क्या कठिन लगा, किस बात ने मुस्कुराया, किस बात ने सिखाया-इतना लिखना भी पर्याप्त है। हाथ से लिखना हमें ईमानदार बनाता है। यहाँ न कोई लाइक है, न कोई टिप्पणी, न कोई बाहरी मूल्यांकन। यह एक निजी स्थान है, जहाँ हम बिना डर के अपने सच को रख सकते हैं। कई बार हम समाज के डर से या दूसरों की अपेक्षाओं के कारण अपनी भावनाओं को दबा लेते हैं। लिखना उन्हें सुरक्षित रास्ता देता है। कागज हमारा गवाह बनता है-न्याय नहीं करता, बस सुनता है। आज बच्चों और युवाओं के जीवन में भी यह आदत अत्यंत आवश्यक हो गई है। डिजिटल शिक्षा और स्क्रीन-आधारित मनोरंजन ने उनकी लेखन क्षमता और एकाग्रता को प्रभावित किया है। हाथ से लिखने की आदत न केवल भाषा और अभिव्यक्ति को सशक्त बनाती है, बल्कि धैर्य और अनुशासन भी सिखाती है। जब बच्चा या युवा अपने मन की बात लिखना सीखता है, तो वह भावनात्मक रूप से अधिक संतुलित बनता है। यह मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में एक सशक्त कदम है। इतिहास गवाह है कि लेखन हमेशा से आत्ममंथन का साधन रहा है। डायरी लिखना, पत्र लिखना या विचारों को नोट करना-ये सब परंपराएँ केवल साहित्यिक नहीं थीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ी थीं। आज जब हम इन परंपराओं से दूर हो रहे हैं, तब अवसाद और अकेलापन बढ़ रहा है। यह संयोग नहीं, बल्कि संकेत है कि हमें फिर से अपनी जड़ों की ओर लौटने की जरूरत है। यह कहना भी आवश्यक है कि हाथ से लिखना तकनीक का विरोध नहीं है। तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन संतुलन बनाए रखना हमारी ज़िम्मेदारी है। जैसे शरीर के लिए व्यायाम आवश्यक है, वैसे ही मन के लिए लिखना आवश्यक हो सकता है। दिन में भले ही हम डिजिटल माध्यमों पर निर्भर रहें, लेकिन रात को अपने लिए कुछ पल निकालना-कागज और कलम के साथ-एक स्वस्थ आदत है। कई लोग यह सोचकर लिखना शुरू नहीं करते कि उन्हें अच्छा लिखना नहीं आता। लेकिन लिखने का उद्देश्य साहित्य रचना नहीं, बल्कि मन की सफाई है। यहाँ व्याकरण, शैली या सुंदर शब्दों की आवश्यकता नहीं। जो जैसा महसूस हो, वैसा लिख देना ही पर्याप्त है।

संक्षिप्त समाचार

जंगल में मिली जली लाश

सतना। मैहर जिले के ताला थाना क्षेत्र के अंतर्गत जंगल में एक जला हुआ शव मिला है। शव प्रथमद्रष्टया महिला का प्रतीत हो रहा है, जिंदा जलाए जाने की आशंका जताई जा रही है। मामला संदिग्ध है। सूचना मिलने पर एसडीपीओ ख्याति मिश्रा, चौकी प्रभारी नागेश्वर मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने जब्त किया डीजे

सतना। प्रतिबंध के बावजूद तेज आवाज में डीजे बजाने पर सिटी कोतवाली पुलिस ने कार्रवाही की है। सहायक उप निरीक्षक हेमराज सिंह ने डीजे मशीन जब्त करते हुए आरोपी दीपक सोंधिया पिता राजेश सोंधिया निवासी बजरहा टोला के खिलाफ बीएनएस की धारा 223ए, मप्र कोलाहल अधिनियम की धारा 7/15 के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया है।

कुख्यात पशु तस्कर के खिलाफ रासुका दर्ज

सतना। कुख्यात पशु तस्कर निहाल अख्तर की तलाश सतना की सिटी कोतवाली पुलिस समेत कई थानों की पुलिस कर रही है। दूसरी ओर उसका कारोबार जिले में जारी है। अब सिटी कोतवाली पुलिस ने निहाल अख्तर के खिलाफ धारा 14 राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रकरण कायम कर लिया है। उसके खिलाफ अकेले सिटी कोतवाली में आधा दर्जन से अधिक प्रकरण दर्ज हैं। इसके अलवा कोठी और अन्य थानों की पुलिस को आरोपी की तलाश है। सूत्र बताते हैं कि निहाल का नेक्सस जिला में लगातार अपनी हरकतें कर रह है। बावजूद इसके पुलिस की टीमें उस तक पहुंचने में कामयाब नहीं हो सकी हैं।

पवन पुत्र बजरंगबली को प्रथम निमंत्रण

सतना। हिन्दू पर्व समन्वय समिति द्वारा आयोजित श्री रामनवमी महोत्सव को भव्य स्वरूप प्रदान करने एवं सामाजिक सहभागिता की संकल्पना को साकार करने समिति कार्यकर्ताओं को बैठक में दायित्व सौंपे गए। इसके पूर्व ट्रांसपोर्ट नगर स्थित श्री हनुमान जी मंदिर में बजरंगबली को श्री रामनवमी महोत्सव का प्रथम निमंत्रण समर्पित कर कार्यक्रम निर्विघ्न संपन्न होने की मंगलकामना की गई एवं आरती पूजन पश्चात हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। तत्पश्चात सतना मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सभागार में आयोजित कार्यकर्ता बैठक में समन्वय समिति अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी, संयोजक कमलजीत सिंह सेठी एवं जितेंद्र जैन, संयोजन समिति सदस्य उत्तम बनर्जी, योगेश ताम्रकार , मोटर ट्रांसपोर्ट अध्यक्ष मनोज शर्मा एवं चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने श्री रामदरबार एवं भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी ने सभी को दायित्व को पूरा करने का संकल्प दिलाया और बताया कि सभी को कार्यक्रम की सफलता में तन- मन- धन से पूर्ण मनोयोग से अब लग जाना है। बैठक की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए इंजी. रमेश जैन ने कहा कि समन्वय समिति रामकाज और सामाजिक समरस्ता के लिए समर्पित संस्था है और सभी के समर्पण से ही हम कार्यक्रम को सफल बना सकते हैं। वरिष्ठ सदस्य उत्तम बनर्जी ने शक्ति केन्द्रों के माध्यम से नगर के प्रत्येक घर तक शोभायात्रा में सहभागिता के लिए प्रयास करने को कहा।

विशाल भंडारे के साथ शिवराजपुर में धार्मिक अनुष्ठान का समापन हुआ

रुद्र महायज्ञ में भक्तों ने ग्रहण किया महाप्रसाद

प्रातः किरण, सतना।

नागौद क्षेत्र अंतर्गत शिवराजपुर में 12-दिवसीय 22वें वार्षिक महोत्सव की पूर्णाहुति में 4पहर के महारुद्राभिषेक के बाद हवन चार वेद, छह शास्त्र, 18 पुराण उप महापुराण, महामृत्युंजय, श्री दुर्गा सप्तशती पाठ का समापन हुआ। यजमान चंद्रशेखर त्रिपाठी ने बताया कि इस आयोजन की रूपरेखा 6 माह पहले तय की जाती है और मूर्तरूप देने में 2 महीने की कड़ी मेहनत से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होता है।

आयोजक उद्योगपति पं. रुद्र प्रताप त्रिपाठी ने बताया कि दहलान धाम सरकार की कृपा से इन 12 दिनों में भारतवर्ष के महान संतों के चरणरज से शिवराजपुर सहित पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। आयोजन में बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, शारदापीठ द्वारिकापुरी शंकराचार्य सदानंद सरस्वती जी महाराज, सभी अखाड़ों के महामंडलेश्वर, जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज, जगद्गुरु रामललाचार्य पाथमेड़ा धाम गौशरणआनंद जैसे दिव्य महान विभूतियों के दर्शन और उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ। पंडित निर्मल कुमार शुक्ला के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा रसपान कर सभी धन्य हुए। महाप्रसाद विशाल भंडारा के साथ यह आयोजन सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ, जिसमें अनगिनत श्रद्धालुओं ने आनंदपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। पं. रुद्र प्रताप त्रिपाठी , चंद्रशेखर त्रिपाठीऔर गोविंदा गर्ग ने आयोजन को सफल बनाने में सहभागी रहे सभी व्यक्तियों एवं संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

रामपुर बाघेलान में अवैध प्लाटिंग का मामला

प्रशासन मौन, कार्रवाई करे कौन

प्रातः किरण, सतना।

जिले के रामपुर बाघेलान क्षेत्र में धड़ाधड़ प्लाटिंग हो रही है। खेती की जमीन खत्म हो रही हैं।लेकिन प्लाटिंग करने वाले लोग गाइडलाइन का पालन कर रहे हैं या नहीं,यह देखने वाला कोई नहीं है। बीते दिनों एक शिकायत के बाद जब इस मामले में एसडीएम बीके मिश्रा से बात की गई थी तो उन्होंने आश्वस्त किया था कि जांच होगी, तथ्य के आधार पर कार्रवाई होगी। शायद, जांच की आवश्यकता महसूस नहीं हुई या फिर जांच में कार्रवाई करने योग्य तथ्य सामने नहीं आए। अन्यथा क्या वजह हो सकती है कि प्लाटिंग के बारे में की गई शिकायत अब तक बेनतीजा है। शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई से अवगत तक नहीं कराया गया है। दूसरी ओर स्थानीय लोगों की मानें तो एसडीएम कार्यालय के बेहद करीब तहसील के पास प्लाटिंग का काम बेरोकटोक जारी है। जांच के संबंध में सही जानकारी के लिए एसडीएम रामपुर से संपर्क किया गया किंतु उन्होंने कहीं व्यस्त होने का हवाला देकर फिलहाल प्रश्न का उत्तर नहीं दिया।

पूर्व सरपंच करा रहा प्लाटिंग

जिले के रामपुर बघेलान क्षेत्र में इन दिनों जमीन की खरीद फरोख्त का धंधा तेजी पर है। जगह-जगह प्लाट काटे जा रहे हैं। यह काम कतिपय असरदार किस्म के लोग कर रहे हैं। क्षेत्र में रामपुर मुख्यालय अंतर्गत तहसील कार्यालय के पीछे प्लाटिंग हो रही है।सूत्र बताते हैं कि महुरछ कंदैला के पूर्व सरपंच संतोष कुशवाहा द्वारा अलग-अलग भागीदारों के साथ यह काम अलग-अलग जगह पर किया जा रहा है। तहसील के पीछे जो प्लाटिंग हो रही है उसमें मैहर के महेंद्र मौर्य को पूर्व सरपंच संतोष कुशवाहा का पार्टनर बताया जा रहा है। जबकि नेमुआ मोड़ के सामने की प्लाटिंग में संतोष के साथ दो अन्य का नाम लिया जा रहा है।

जांच योग्य है मामला

जगह-जगह जिस तेज गति से प्लाट काटे जा रहे हैं उससे यह मामला अब जांच योग्य हो गया है। जांच का विषय है कि जो प्लाटिंग की जा रही है उनमें शासकीय आदेश, दिशा- निर्देश का पालन किया जा रहा है, अथवा नहीं। दरअसल, एक आरटीआई एक्टिविस्ट एडवोकेट अंशुमान सिंह ने रामपुर तहसील के पीछे की जा रही प्लाटिंग को अवैध बताया है। उन्होंने नगर परिषद के सीएमओ को इस संबंध में जांच के लिए शिकायत पत्र भी दिया है। इस पत्र की प्रतिलिपि उन्होंने नगरीय विकास विभाग भोपाल के आयुक्त, रीवा संभाग के आयुक्त, कलेक्टर सतना, एसडीएम एवं तहसीलदार रामपुर बघेलान को भी प्रेषित की है।

एसडीएम ने कहा था जांच होगी

रामपुर बघेलान क्षेत्र के एसडीएम बी के मिश्रा ने कहा था कि वह शीघ्र सभी का स्थल निरीक्षण तहसीलदार से कराएंगे, उनसे प्राप्त प्रतिवेदन पर यथोचित कार्यवाही भी होगी। यहां बता दें कि रामपुर में तहसील कार्यालय के पीछे जो प्लाटिंग हो रही है उस जगह को लेकर ऐसी चर्चा है कि यह जमीन महर्षि नामक शैक्षणिक समूह की थी। सत्यता का पता तो जांच से ही चलेगा। जांच के बाद ही साफ होगा की जमीन यदि महर्षि शिक्षण समूह की थी, तो वह पूर्व सरपंच संतोष कुशवाहा के हाथ तक कैसे पहुंची।

संतोष कुशवाहा का राजनीतिक कनेक्शन

संतोष कुशवाहा के बारे में बताया जाता है कि यह एक मर्तबा सरपंच रहे हैं जबकि उनकी पत्नी दो बार सरपंच एवं एक बार जनपद सदस्य रही हैं। पंचायती राज के कामों को

लेकर इन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहे हैं। यह एक अलग जांच का विषय है कि इन पति पत्नी पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने कार्यकाल में कहां और कैसे काम कराए, इन्होंने आय से अधिक धन अर्जित किया या नहीं? फिलहाल तो संतोष कुशवाहा प्लाटिंग में लगे हैं, यही कारण है कि लोग उनके इस नए धंधे को राजनीतिक कार्यकाल से भी जोड़कर देख रहे हैं।बहरहाल, यह जांच का विषय है कि रामपुर क्षेत्र में जहां भी प्लाटिंग हो रही है वहां सरकारी नियम कायदे और गाइडलाइन का पालन हो रहा है या नहीं। कहीं ऐसा तो नहीं की लोगों को गुमराह कर प्लाट की बिक्री की जा रही हो।

युवती से मोबाइल झपटने का मामला, दर्ज हुई एफआईआर

सतना। कोलगवां थाना अंतर्गत नवरंग पार्क के पास अकेली जा रही युवती से मोबाइल फोन लूटने की कोशिश हुई थी। इसका सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सोमवार को

कोलगवां थाना पुलिस ने अपराध कायम करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। फरियादिया वैष्णवी कुशवाहा निवासी पुरूस्वानी मोहल्ला सिंधी कैंप ने पुलिस को बताया कि 13 फरवरी की रात 8.50 बजे वह बढ़ईया बिड़ला रोड से घरेलू सामान लेकर वापस घर लौट रही थी। नवरंग पार्क के पास सेमफोर्ड स्कूल के सामने पहुंची तभी एक बदमाश आया और मोबाइल फोन लूटने का प्रयास किया। शोर करने पर वह फोन छोड़कर भाग गया। घबराई युवती ने इसके बारे में अपने भाई ओम कुशवाहा को बताया तो उसने किसी तरह प्रयास कर घटना का सीसीटीवी देखा और फिर आरोपी पकड़ा जाए, इसके लिए उसने सोशल मीडिया पर उसे वायरल कर दिया। युवती के साथ हुई घटना पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 304(2), 62 के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया है।

इंद्रसेन जौली ने लिया देहदान का संकल्प

सतना। मैहर के रहने वाले समाजसेवी इंद्रसेन जौली ने देहदान का संकल्प लेकर समाज को एक प्रेरणादायी संदेश दिया। यह संकल्प उन्होंने संस्था अमर ज्योति की प्रेरणा से मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी एवं अमर ज्योति के संयोजक मनोहर डिगवानी के करकमलों से लिया। इंद्रसेन जौली ने कहा कि मृत्यु के उपरांत शरीर तो मिट्टी में मिल जाता है, तो क्यों न यह शरीर किसी के काम आ जाए। इसी भावना के साथ उन्होंने अपना शरीर मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए दान करने का निर्णय लिया, ताकि भावी डॉक्टर इस शरीर के माध्यम से अध्ययन कर कुशल चिकित्सक बन सकें और समाज की सेवा कर सकें। उनके इस निर्णय ने उपस्थित सभी जनों को भावविभोर कर दिया। यह संकल्प न केवल सेवा का प्रतीक है, बल्कि समाज में जागरूकता और मानवीय संवेदनाओं का भी सशक्त संदेश है। विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने अमर ज्योति संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्था द्वारा किया जा रहा देहदान एवं जनजागरण का कार्य अत्यंत सराहनीय और प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य समाज में नई चेतना का संचार करते हैं।विधायक ने इंद्रसेन जौली के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में अमर ज्योति संयोजक मनोहर डिगवानी, कमल पुरस्वानी, मनोज अरोरा, मनोज वलेजा, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, बलराम जग्यासी, संजय जादवानी, सुषमा कलवानी, ज्योति माखीजा, बॉबी सहित मैहर के अन्य समाजसेवी उपस्थित रहे।

भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत

प्रातः किरण, सतना।

भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में भाजपा जिला संगठन प्रभारी जी.एस. ठाकुर के प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडेय ने किया। पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं अंगवस्त्र पहनाकर संगठन प्रभारी का अभिनंदन किया गया।

संगठनात्मक बैठक में विस्तृत समीक्षा

स्वागत उपरांत आयोजित बृहद संगठनात्मक बैठक में अब तक जिले में संपन्न हुए कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा जिला अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, नगर निगम अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत एक वर्ष में भाजपा प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए प्रत्येक कार्यक्रम को जिले में सफलता पूर्वक संपन्न किया गया है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता एवं समर्पण के कारण सतना जिला प्रदेश में हर कार्यक्रम में अग्रणी रहा है।

संगठन को और मजबूत बनाने पर ज़ोर

जिला संगठन प्रभारी जीएस. ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, नियमित बैठकों के आयोजन, कार्यकर्ताओं के सतत संपर्क एवं आगामी कार्यक्रमों की समयबद्ध रूपरेखा पर विशेष बल दिया।उन्होंने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी अपने दायित्व का पूर्ण निर्वहन करते हुए केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। संगठन की मजबूती ही आगामी चुनावी सफलताओं की आधारशिला है।

आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

बैठक में आगामी अभियानों, प्रशिक्षण वर्गों, बूथ सशक्तिकरण अभियान एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी मंडलों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। अंत में संगठन प्रभारी ने कार्यकर्ताओं के उत्साह की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह जिला संगठनात्मक दृष्टि से प्रदेश में अपनी अग्रणी भूमिका को और अधिक सशक्त करेगा।

रामपुर थाना प्रभारी पर मारपीट का आरोप

प्रातः किरण, सतना।

जिले के रामपुर बाघेलान थाना प्रभारी सहित अन्य पर मारपीट का आरोप लगाते हुए एक परिवार के सदस्य सोमवार को अपनी शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय आए थे। मामला हत्या के एक प्रकरण से जुड़ा है। जिले के रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र अंतर्गत देवमऊ गांव में बीते दिनों बुजुर्ग रुक्मणी रावत की लाश घर से 200-300 मीटर की दूरी पर मिली थी।पोस्ट मार्टम रिपोर्ट से पता चला कि बुजुर्ग महिला का गला दबाया गया था।पुलिस अब हत्या का अपराध मान कर इस सिलसिले में पूछताछ भी कर रही है। इसी क्रम में मृतिका के बेटे अमरजीत रावत ने आरोप लगाया है कि 13 फरवरी को बयान देने के लिए रामपुर बाघेलान पुलिस ने उनकी पत्नी भारती, भांजे राजेश एवं कयामत,भांजी उर्मिला को थाने बुलाकर बंद कर दिया। आरोप है कि थाना प्रभारी संदीप चतुर्वेदी एवं ड्राइवर विकास सहित अन्य पुलिस कर्मी ने इनके साथ मारपीट की है।

विरोध प्रदर्शन

काम बंद कर वकीलों ने पीएम सीएम के नाम दिया ज्ञापन

एडवोकेट की हत्या के बाद मनाया गया प्रतिवाद दिवस

प्रातः किरण, सतना।

शिवपुरी के करैरा निवासी एडवोकेट संजय सक्सेना की विगत दिनों दिनदहाड़े बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। कहते हैं कि हत्या करैरा में उस समय की गई, जब वकील संजय सक्सेना कोर्ट जाने के लिए घर से निकले थे। उन्होंने कोर्ट जल्दी पहुंचने के लिए शॉर्टकट लिया था, लेकिन उनकी रेकी हो रही थी और उसी रूट पर बदमाश घात लगाकर बैठे थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था।करैरा थाना पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि जमीन विवाद में सुपारी देकर वकील संजय सक्सेना की हत्या कराई गई थी। इस घटना पर आक्रोश जताते हुए जिला अधिवक्ता संघ ने सोमवार को कार्य से विरत रहते हुए प्रतिवाद दिवस मनाया। यानि, वकील कचहरी तो आए लेकिन उन्होंने कोर्ट में काम नहीं किया। घटना की कड़ी निंदा करते हुए जिला अधिवक्ता संघ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को देकर मांग की है कि दिवंगत संजय सक्सेना के आश्रित परिवार को एक करो? की क्षतिपूर्ति राशि दी जाए, हत्या में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से शामिल सभी आरोपियों को चिन्हित कर यथाशीघ्र यथोचित कार्रवाई की जाए और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि मांग पूरी न होने पर अनशन प्रदर्शन होगा।

मिले अभियोजन पूर्व संरक्षण : रमेश मिश्रा

अधिवक्ताओं के प्रतिवाद दिवस पर एक बार फिर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग चर्चा में है जिसके सम्बन्ध में जिले के शासकीय अभिभाषक लोक अभियोजक रमेश मिश्रा द्वारा यह सुझाव सार्वजनिक विमर्श हेतु प्रस्तुत किया गया है कि अधिवक्ताओं को उनके पेशेवर कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान किए गए कार्यों के संबंध में एक संतुलित अभियोजन पूर्व संरक्षण का प्रावधान विधिक रूप से विहित किया जाना चाहिए जैसा की वर्तमान में सरकारी कर्मचारियों एवं न्यायाधीशों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 217 के अंतर्गत आधिकारिक कर्तव्यों से संबंधित मामलों में अभियोजन पूर्व स्वीकृति का संरक्षण प्राप्त है। इसी प्रकार अधिवक्ताओं के संदर्भ में यह उनके विरुद्ध पेशेवर कार्यों से संबंधित आपराधिक प्रकरण दर्ज करने से पूर्व एक प्रारंभिक जांच एवं सक्षम बार काउंसिल की संस्तुति

का प्रावधान किया जाना चाहिए। रमेश मिश्रा जीपी ने कहा इस प्रस्ताव का उद्देश्य अधिवक्ताओं को कानून से ऊपर रखना नहीं है , बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में उनकी स्वतंत्र एवं निर्भीक भूमिका सुनिश्चित करना है, ताकि प्रतिशोधात्मक अथवा दुर्भावनापूर्ण कार्यवाहियों पर अंकुश लगाया जा सके। रमेश मिश्रा ने उक्त विषय पर विधिक समुदाय,बार संघों एवं जनसामान्य से रचनात्मक सुझाव सरकार और जिम्मेदार व्यक्तियों, संस्थाओं को भेजे जाने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे का आरएसएस पर बड़ा हमला!

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार के कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रियंक खरगे ने

रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उन पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने आरएसएस की कार्यप्रणाली, उनकी देशभक्ति और विशेष रूप से उनके वित्तीय लेन-देन पर सवाल खड़े किए। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर ''धन शोधन'' में लिप्त होने का रविवार को आरोप लगाया और इसकी आय के स्रोत पर भी सवाल उठाया। प्रियंक ने कहा कि वह चाहते हैं कि देश में सभी पर लागू होने वाला कानून और संविधान आरएसएस पर भी लागू हो। उन्होंने कहा, ''आरएसएस ने 52 वर्षों तक अपने कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया और हमें वे देशभक्ति का पाठ पढ़ाते है।'' यहां एक कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''इसके (आरएसएस के) पास 2,500 से अधिक संगठनों का नेटवर्क है, ये अमेरिका और इंग्लैंड से हैं। ये उनसे पैसे लेते हैं और मैं बता रहा हूं कि ये लोग धन शोधन में शामिल हैं।'' आरएसएस को पैसा कहां से मिल रहा है और कैसे मिल रहा है, इस सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा, ''वे चाहते हैं कि हम अच्छे नागरिक बनें, आयकर दें, लेकिन वे खुद स्वतंत्र रहना चाहते हैं। यह कैसे संभव है? हमें इस पर सवाल उठाना होगा। प्रियंक खरगे के इस बयान से कर्नाटक सहित राष्ट्रीय राजनीति में एक नया विवाद खड़ा होने की संभावना है। जहाँ कांग्रेस अक्सर आरएसएस की विचारधारा पर हमला करती रही है, वहीं 'मनी लॉन्ड्रिंग' जैसे सीधे वित्तीय आरोप इस टकराव को एक नए स्तर पर ले गए हैं। अब देखना यह होगा कि भाजपा और आरएसएस इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

गुरुग्राम-फरीदाबाद में घरों में चल रहे नर्सिंग होम वैध करवा सकेंगे

गुरुग्राम-फरीदाबाद। गुरुग्राम-फरीदाबाद में घरों में चल रहे नर्सिंग होम्स के लिए बड़ी राहत

भरी खबर है। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने घरों में नर्सिंग होम के संचालन के सिलसिले में नियम निर्धारित कर दिए हैं। इस सिलसिले में हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस नोटिफिकेशन के बाद घरों में बिना मंजूरी के चल रहे नर्सिंग होम को वैध करवा सकेंगे। नोटिफिकेशन के मुताबिक, नर्सिंग होम केवल बिल्डर की रिहायशी कॉलोनियों में निर्मित मकानों में खोले जा सकेंगे। प्लॉट मालिक योग्य डॉक्टर (एलोपैथी/आयुष) होना चाहिए। मेडिकल काउंसिल/आयुष काउंसिल में पंजीकृत होना जरूरी है। स्थानीय आईएमए शाखा से पंजीकरण और आवश्यक कन्वर्जन शुल्क जमा करना होगा। गुरुग्राम और फरीदाबाद जोन में कम से कम 350 वर्ग गज प्लॉट में मकान बना होना चाहिए। मुख्य सड़क के साथ सर्विस रोड अनिवार्य है। एक सेक्टर में चार से अधिक साइट की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसकी एफएआर, सेटबैक और ऊंचाई आदि हरियाणा बिल्डिंग कोड-2017 के अनुसार होनी चाहिए। स्टिल्ट पार्किंग अनिवार्य है। एंबुलेंस सहित सभी वाहनों की पार्किंग घर के अंदर होगी। बेसमेंट का उपयोग क्लीनिक, एक्स-रे और लैब के लिए किया जा सकेगा। अनुमति के लिए ऑनलाइन आवेदन हरियाणा सरकार के टीसीपी पोर्टल के माध्यम से करना होगा। मालिकाना दस्तावेज, शपथ पत्र और आवश्यक शुल्क जमा करना होगा। इसके अतिरिक्त ईडीसी जैसे अन्य शुल्क नहीं लगेंगे।

यूपी में बनेंगी 114 टाउनशिप, मिलेंगी कई सुविधाएं

आवासीय जरूरतें पूरी करने किए योगी सरकार का बड़ा प्लान

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में लोगों की आवासीय जरूरतें पूरी करने के लिए 114 टाउनशिप बसाने का खाका तैयार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 100 टाउनशिप बसाने का लक्ष्य दिया था। इस क्रम में आवास विभाग शहरवार 114 नई टाउनशिप बसाने जा रहा है, जिससे लोगों की आवासीय जरूरतें पूरी हो सकें। बताया जा रहा है कि नई टाउनशिप में सभी तरह की आधुनिक सुविधाएं दी जाएंगी। बिजली के तार भूमिगत किए जाएंगे। पार्क के साथ पाथवे भी बनाए जाएंगे। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में तेजी से आबादी बढ़ रही है। इसके चलते शहर के आसपास के गांवों में प्रॉपर्टी डीलर अवैध रूप से प्लाटिंग कर कॉलोनियां बसा रहे हैं। शहरों के विकास का स्वरूप इससे बिगड़ रहा है। आए दिन प्राधिकरण और स्थानीय निकायों के स्तर पर विधिक कार्रवाई के चलते विवाद सामने आते रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर में 100 नई टाउनशिप बसाने का निर्देश आवास विभाग को दिया था। इसके आधार पर शहरों में टाउनशिप बसाने के लिए विकास प्राधिकरणों से प्रस्ताव मांगे गए थे। आवास विभाग को मिली रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेशभर के विकास प्राधिकरण और आवास विकास परिषद द्वारा 114 टाउनशिप बसाने का प्रस्ताव दिया गया है। शहरों में आबादी के हिसाब से टाउनशिप का प्रस्ताव है। मनरेगा की जगह लेने वाली विकसित भारत रोजगार गारंटी और आजीविका मिशन (वीबी-जी राम जी) को इस साल ग्रामीण विकास विभाग को जारी कुल बजट में सबसे अधिक हिस्सा मिला है। विभाग के बजट का 40 प्रतिशत इसके लिए

तय है। 'पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च' की ओर से जारी रिपोर्ट में ग्रामीण विकास विभाग को जारी बजट का विश्लेषण है। राम जी के लिए बजट में 95,692 करोड़ आवंटित किए गए हैं। यूपी देश के सेमीकंडक्टर केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में 21 फरवरी को ऐतिहासिक कदम उठाया जाएगा। गौतमबुद्धनगर के यीडा क्षेत्र में इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड के सेमीकंडक्टर संयंत्र का शिलान्यास होगा। यह घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन को संबोधित करने के दौरान की। टेक्नोलॉजी ग्रुप द्वारा स्थापित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ेंगे जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव परियोजना स्थल पर उपस्थित रहेंगे।

28 फरवरी को राजस्थान आएंगे मोदी, अजमेर से देंगे विकास और रोजगार का डबल तोहफा

अजमेर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 फरवरी को राजस्थान के अजमेर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे राज्य को 23,500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही 'रोजगार उत्सव' के तहत 21 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। प्रधानमंत्री की यह सभा अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली में प्रस्तावित है, जहां बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री के दौरे की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि यह कार्यक्रम 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को नई ऊर्जा देगा और राज्य में विकास की गति को और तेज करेगा। मुख्यमंत्री ने इसे प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए व्यापक जनभागीदारी की अपील भी की है। 2 से 3 लाख लोगों के जुटने का अनुमान जयपुर से मिले मौखिक निर्देशों के बाद जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रशासन के अनुसार सभा में 2 से 3 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है। भीड़ को ध्यान में रखते हुए सभा स्थल पर दो बड़े डोम तैयार किए जाएंगे, जिनमें मुख्य मंच और विशिष्ट अतिथियों की व्यवस्था की जाएगी। सार्वजनिक निर्माण विभाग को जल्द ही टेंडर जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने पार्किंग, पेयजल, सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और बिजली के तारों की शिफ्टिंग जैसे तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही मौजूदा हेलीपैड की मरम्मत और सुरक्षा मानकों के अनुरूप उसे तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री अजमेर के साथ धार्मिक नगरी पुष्कर का भी दौरा कर सकते हैं, हालांकि इसका अंतिम कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है। जिला कलेक्टर लोक बंधु ने बताया कि 28

फरवरी को प्रस्तावित सभा को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है और सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 'रोजगार उत्सव' रहेगा। इसके तहत 21 हजार युवाओं को विभिन्न विभागों में नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। सरकार का दावा है कि इससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और राज्य में प्रशासनिक ढांचे को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के शामिल होने की संभावना है। प्रधानमंत्री के दौरे की घोषणा के साथ ही राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। अजमेर युवा कांग्रेस ने बैठक कर केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में काले झंडे दिखाने का ऐलान किया है। जिलाध्यक्ष मोहित मल्होत्रा ने कहा कि केंद्र सरकार ने युवाओं को रोजगार और अन्य मुद्दों पर भ्रमित किया है तथा वादों को पूरा नहीं किया। उन्होंने शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने की बात कही है। प्रशासन ने संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के संकेत दिए हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियां कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों पर नजर बनाए हुए हैं।

अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली प्रधानमंत्री की पूर्व सभाओं का भी गवाह रही है। 6 अक्टूबर 2018 को यहां जनसभा आयोजित की गई थी। 31 मई 2023 को केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर महा जनसंपर्क अभियान की शुरुआत भी यहीं से की गई थी। इसके अलावा 6 अप्रैल 2024 को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पुष्कर क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित किया था।

28 फरवरी का यह दौरा राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों दृष्टियों से अहम माना जा रहा है। एक ओर जहां सरकार इसे विकास और रोजगार से जोड़कर देख रही है,

20 रुपये के लिए युवक को मौत के घाट उतारा, 18 बार चाकू से गोदा फिर गला रेता

इंदौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर में इंसानियत को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है। मोबाइल फोन और 20 रुपये लूटने के लिए एक 45 वर्षीय व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई। घटना 12 फरवरी की है, जब बाणगंगा थाना क्षेत्र के एमआर-4 मार्ग पर उसका शव बरामद हुआ। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मामूली लूट के इरादे से की गई इस वारदात में आरोपियों ने बेरहमी की सारी हदें पार कर दीं। युवक को 18 बार चाकू से गोदा गया। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश किया है। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के देवरघाट शक्ती निवासी 45 वर्षीय खोजीराम नारंगे की मोबाइल फोन और महज 20 रुपये लूटने के लिए हत्या कर दी गई। खोजीराम इंदौर में लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के सामने किराए से रहता था और पोलोग्राउंड स्थित एक कलर लैब में बाइंडिंग का काम करता था। 12 फरवरी को बाणगंगा थाना क्षेत्र के एमआर-4 मार्ग पर उसका शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी।पुलिस ने रेडवाल कॉलोनी निवासी आर्यन उर्फ लड्डू वर्मा और भागीरथपुरा निवासी भरत वर्मा को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों की उम्र 20 और 21 वर्ष बताई जा रही है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल दो चाकू, 20 रुपये नकद, एक बाइक, टूटा हुआ मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। पूछताछ में

आरोपियों ने बताया कि घटना की रात खोजीराम शराब के नशे में था। उन्होंने उसे लूटने के इरादे से रोका, लेकिन जब उसने पुलिस में रिपोर्ट करने की बात कही तो आर्यन ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। शरीर पर कई वार करने के बाद उसका गला भी रेत दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि खोजीराम अपने भाई से 100 रुपये लेकर शराब खरीदने गया था और 80 रुपये की शराब लेने के बाद लौट रहा था। इसी दौरान वाइन शॉप के पास से आरोपी उसके पीछे लग गए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने भागीरथपुरा से एक युवक से पूछताछ की, जिसने बताया कि देर रात आर्यन और भरत उसके घर आए थे और पानी व सुई मांगी थी। पुलिस को शक हुआ कि सुई का इस्तेमाल सिम कार्ड निकालने के लिए किया गया होगा। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया।

आरोपियों ने मोबाइल और सिम कार्ड तोड़कर फेंक दिए थे। पुलिस के अनुसार दोनों कुछ दिन पहले राजस्थान में खाटू श्याम दर्शन कर लौटे थे और वहीं से चाकू खरीदकर लाए थे। वारदात के दौरान विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से हमला किया और हत्या कर फरार हो गए थे। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया।

नोएडा में कपल की मौतः फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए फोन

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 107 में शनिवार को एक खड़ी कार के अंदर प्रेमिका के साथ युवक का शव मिला था। इस मामले में कई सवाल ऐसे हैं जिनकी गुत्थी सुलझाना बाकी है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। दोनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सामने आ चुकी है जिसमें कहा गया है कि मौत की वजह हेड इंजरी है और दोनों के सिर में गोली फंसी हुई थी। हिंदुस्तान टाइम्स में छपी खबर के मुताबिक, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऐसा लगता है कि गोली बिल्कुल करीब से सटाकर मारी गई है। हालांकि, पुलिस अभी तक यह साफ नहीं कर पाई है कि यह मिलकर की गई आत्महत्या थी या फिर हत्या के बाद आत्महत्या का मामला है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक दोनों के मोबाइल एयरप्लेन मोड पर मिले थे जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। यानी अब हो सकता है कि स्मार्टफोन इस पूरे मामले की गुत्थी को सुलझाने में मदद करे। दोनों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सामने आ चुकी है। कपल के शव को शनिवार सुबह करीब 11 बजकर 30 मिनट पर वहां मौजूद एक सफाई कर्मचारी ने टाटा अल्ट्रोज कार में देखा था। युवक के दाएं हाथ पर पिस्टल थी और दोनों कार की फ्रंट सीट पर बैठे हुए थे। दोनों के सिर पर गोली लगने के निशान पाए गए थे। वहीं पुलिस ने अबतक की जांच में ये भी बताया कि हाथापाई के भी कोई निशान नहीं मिले। कार की पिछली खिड़की का शीशा तोड़कर उनके शवों को बाहर निकाला गया था। युवक दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला एक बिजनेसमैन था, और लड़की नोएडा के सेक्टर 101 की रहने वाली थी, जो नोएडा के ही सेक्टर 62 में जॉब करती थी।

तारिक रहमान आज लेंगे प्रधानमंत्री पद की शपथ

सामने आई कैबिनेट के संभावित नामों की सूची

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में मंगलवार को तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की नई सरकार शपथ लेगी। कैबिनेट में 32 से 42 सदस्य हो सकते हैं, जिसमें अनुभवी और युवा नेताओं को जगह मिलने की उम्मीद है। वित्त, विदेश और गृह जैसे अहम मंत्रालयों के लिए संभावित नामों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बांग्लादेश में 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के नतीजे आने के बाद अब नई सरकार के गठन की तैयारी अंतिम दौर में है। मंगलवार, 17 फरवरी को नई कैबिनेट शपथ लेगी। चुनाव में भारी बहुमत हासिल करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने सरकार बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। सरकार ने चुने हुए सांसदों की सूची वाला आधिकारिक गजट भी जारी कर दिया है।

संविधान के अनुच्छेद 148 के अनुसार, चुनाव परिणाम घोषित होने के तीन दिनों के भीतर शपथ लेना जरूरी है। चुनाव आयोग के सचिव अख्तर अहमद ने बताया कि मंगलवार को ही सांसद और कैबिनेट सदस्य शपथ लेंगे। पार्टी

सूत्रों के अनुसार, तारिक रहमान प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे। उनकी कैबिनेट बहुत बड़ी नहीं होगी और इसमें 32 से 42 सदस्य शामिल हो सकते हैं। तारिक रहमान ने अनुभवी और युवा नेताओं को साथ लेकर चलने की योजना बनाई है। बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान ने कैबिनेट बनाने के बारे में सीनियर नेताओं से सलाह-मशविरा शुरू कर दिया है। बीएनपी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि कैबिनेट का आखिरी रूप देखने के लिए देश को थोड़ा और इंतजार करना होगा।

किसको मिलेगी क्या जिम्मेदारी?: मंत्रालयों की जिम्मेदारी को लेकर कई नामों की चर्चा है। हुमायूं कबीर को विदेश मंत्रालय और डॉ. रेजा किबरिया को वित्त मंत्रालय मिल सकता है। डॉ. किबरिया पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में वरिष्ठ अर्थशास्त्री रह चुके हैं। अमीर खसरू महमूद चौधरी को वाणिज्य मंत्रालय और बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को स्थानीय सरकार मंत्रालय की जिम्मेदारी दी जा सकती है। कानून मंत्रालय के लिए मोहम्मद असदुज्जमां और गृह मंत्रालय के लिए सलाहुद्दीन अहमद का नाम आगे है। मिर्जा अब्बास को सड़क परिवहन और ब्रिज मंत्रालय मिल सकता है।

उ. कोरिया का युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों को सम्मान

उनके परिवारों के लिए किम जोंग ने बनाई 'साएप्योल स्ट्रीट'

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों के परिजनों के लिए राजधानी प्योंगयांग में नई आवासीय सड़क का उद्घाटन किया है। सरकारी मीडिया के मुताबिक, इस सड़क का नाम 'साएप्योल स्ट्रीट' रखा गया है। सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, रविवार को हुए उद्घाटन समारोह में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन अपनी बेटी जु-ए और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूद थे।

अपने भाषण में किम ने कहा कि यह सड़क 'मातृभूमि की उस गहरी भावना का प्रतीक है, जो अपने उन वीर बेटों को हमेशा जीवित रखना चाहती है, जिन्होंने सबसे पवित्र मूल्यों की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।' उन्होंने इसे 'हमारी पीढ़ी का गौरव और प्योंगयांग व पूरे राष्ट्र की शान' बताया।किम ने यह भी कहा कि यह आवास उन परिवारों के लिए है, जिन्होंने युद्ध में अपने प्रियजनों को खोया है, साथ ही उन सैनिकों और इंजीनियर रेजीमेंट के जवानों के लिए भी, जिन्हें विदेशों में सैन्य अभियानों पर भेजा गया था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि शहीदों के परिवार सम्मान, विशेष सुविधाओं और पूरे समाज की देखभाल के साथ गर्वपूर्ण जीवन जिएं।

भाषण और रिबन काटने के बाद किम जोंग-उन ने कुछ परिवारों के घरों का दौरा किया और उन्हें सांत्वना दी।

बांग्लादेश की जेलें बनीं 'साइलेंट वेपन', पुलिस कस्टडी में एक और अवामी लीग नेता की जान गई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं की हिरासत में मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला गैबांधा जिला जेल से सामने आया है, जहां पार्टी के एक और वरिष्ठ नेता शमीकुल इस्लाम की हिरासत में मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 60 वर्षीय शमीकुल इस्लाम, जो पलाशबाड़ी उपजिला में अवामी लीग के अध्यक्ष थे, रविवार को अचानक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उन्हें पहले सदर अस्पताल ले जाया गया और बाद में रंगपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। गैबांधा जिला जेल के प्रमुख एमडी अतिकुर रहमान ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि शमीकुल को समय रहते इलाज के लिए भेजा गया था, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। हालांकि, बांग्लादेश के प्रमुख अखबार द डेली स्टार ने जेल सूत्रों के हवाले से बताया कि अगस्त 2024 में अवामी लीग सरकार के सत्ता से हटने के बाद शमीकुल इस्लाम पर कई मामले दर्ज किए गए थे। उन्हें दिसंबर 2024 में ढाका से गिरफ्तार किया गया था और जमानत मिलने के बावजूद दोबारा एक अन्य केस में जेल भेज दिया गया।

यूनुस सरकार पर गंभीर आरोप- इस घटना के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर राजनीतिक दमन के आरोप और तेज हो गए हैं। अवामी लीग का कहना है कि यह मौतें संयोग नहीं, बल्कि सुनियोजित उपेक्षा का नतीजा हैं। इससे पहले 7 फरवरी को पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता रमेश चंद्र सेन की भी दिनाजपुर जिला जेल में पुलिस हिरासत के दौरान तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई थी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अवामी लीग ने आरोप लगाया कि जेलों को राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने का 'मौन हथियार' बनाया जा रहा है। पार्टी ने कहा 'इसे प्राकृतिक मौत कहा जा रहा है, लेकिन सच यह है कि बुजुर्ग और बीमार नेताओं को जानबूझकर उन्नत इलाज से वंचित किया गया।

इमरान खान के इलाज को लेकर चिंता बढ़ी, बहन अलीमा खान ने लगाया आरोप

परिवार के डॉक्टर को मिलने से रोका गया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की बहन अलीमा खान ने जेल में उनके इलाज और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता जताई है। अलीमा खानम ने कहा कि परिवार के डॉक्टर को इमरान खान से मिलने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे उनकी नाराजगी और बढ़ गई है। अलीमा ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट में लिखा हमारी मांग शुरू से स्पष्ट रही है- इमरान खान का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उनके निजी डॉक्टर डॉ. असिम यूसुफ की मौजूदगी में होना चाहिए, साथ ही परिवार का एक सदस्य भी मौजूद हो। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने हमारे डॉक्टरों द्वारा सुझाए गए विशेषज्ञों को अस्वीकार कर दिया। इसके बाद हमें अन्य नाम सुझाने के लिए कहा गया। हमने अपनी बहन उजमा खान का नाम दिया, लेकिन हमें

बताया गया कि इमरान खान की बहनें उपस्थित नहीं हो सकतीं। इसके बाद हमने अपने चचेरे भाई नौशेरवान बुर्की का नाम दिया, लेकिन उसे भी अस्वीकार कर दिया गया। इमरान खान की आंखों की रोशनी 15 फीसदी बची अलीमा खान ने सवाल उठाया कि यह अस्वीकार्य है! हमारी चिंता बढ़ रही है कि हमारे परिवार के सदस्य को क्यों नहीं होने दिया जा रहा? क्या दोनों नाम इसलिए अस्वीकृत किए जा रहे हैं क्योंकि वे अत्यधिक योग्य डॉक्टर हैं? पिछले रविवार को रावलपिंडी के अडियाला जेल में एक चिकित्सा टीम ने इमरान खान की आंखों की जांच की, जो लगभग एक घंटे तक चली। यह जांच सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद की गई, जो इमरान के 12 फरवरी के दावे के बाद हुई कि उनकी दाहिनी आंख में केवल 15त्न दृष्टि बची है। मेडिकल बोर्ड गठन और बच्चों से मिलने की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने एक मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया और उनके बच्चों से मिलने की अनुमति 16 फरवरी से पहले देने को कहा था। हालांकि, सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को संकेत दिए कि इमरान को अस्पताल स्थानांतरित किया जाएगा, लेकिन रविवार दोपहर तक कोई ट्रांसफर नहीं हुआ। इमरान की बहन नूरीन नियाजी ने एक्स पर पोस्ट किया कि जेल में एम्बुलेंस आई थी, लेकिन उन्होंने कहा कि हम और खान साहिब के निजी डॉक्टरों को भरोसे में लिए बिना यह अस्वीकार्य है। जेल अधीक्षक ने ट्रांसफर की खबरों को अफवाह बताते हुए कहा कि इमरान केवल जांच के लिए हैं। उन्होंने बताया कि मेडिकल टीम उनकी आंखों की जांच करेगी, विभिन्न टेस्ट करेगी और तय करेगी कि उन्हें अस्पताल स्थानांतरित किया जाए या जेल में ही इलाज जारी रखा जा सके। जानकारी के अनुसार, पांच डॉक्टरों की टीम ने विस्तृत आंखों की जांच की, खून के नमूने लिए और रक्तचाप मापा।

स्क्रिप्ट पर भरोसा अब भी बरकरार, सोशल मीडिया से फर्क नहीं पड़ता

एक्टर बरुण सोबती की वेब सीरीज 'कोहरा' का दूसरा सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। इस बीच उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में बदलाव बहुत आए हैं, लेकिन अच्छी स्क्रिप्ट की ताकत पर उनका विश्वास बरकरार है। सोशल मीडिया और डिजिटल दौर में भी वे काम की क्वालिटी पर फोकस करते हैं। बरुण ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'दुनिया बहुत बदल गई है और सोशल मीडिया का जमाना है, लेकिन मेरा नजरिया वही है। मैं शुरू से स्क्रिप्ट पर भरोसा करता था और आज भी करता हूं। पहले अच्छी स्क्रिप्ट्स कम मिलती थीं, लेकिन अब समय आ गया है कि वे मुझे मिल रही हैं। इसलिए सोशल मीडिया पर क्या हो रहा है, इससे मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता।' प्रासंगिक बने रहने के बारे में बरुण ने खुद की जागरूकता और पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'प्रासंगिक रहने के लिए आपको अपनी काबिलियत का इस्तेमाल जिंदगी भर करना होगा। खुद की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए। बल्कि यह समझना जरूरी है कि आप कहां सबसे अच्छे फिट होते हैं और आपका टैलेंट कहां सबसे बेहतर इस्तेमाल हो सकता है। अगर यह नहीं पता तो किसी भी काम का मतलब नहीं।' नेटफ्लिक्स पर 11 फरवरी से स्ट्रीम हो रहे इस नए चैप्टर में बरुण तेज-तर्रार इन्वेस्टिगेटर 'अमरपाल गरुंडी' का रोल दोबारा निभा रहे हैं। इस बार वह मोना सिंह के किरदार वाली नई ऑफिसर के साथ मिलकर महिला से जुड़ी डार्क मर्डर मिस्ट्री सुलझाते नजर आएंगे। सीरीज में रणविजय सिंह भी शामिल हैं। कोहरा एक क्राइम थ्रिलर पुलिस प्रोसिजरल सीरीज है, जो पंजाब के सर्द इलाकों में सेट है। यहां खामोशी अक्सर बातचीत से ज्यादा बोलती है। सीरीज को सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और डिग्गी सिसोदिया ने क्रिएट और लिखा है। सीरीज के पहले सीजन में सुरविंदर विक्की, हरलीन सेठी, सौरव खुराना, रेचल शैली और मनीष चौधरी जैसे कलाकार लीड रोल में थे। वहीं, सीजन 2 में नया केस, नई जोड़ी और क्रिएटिव बदलाव हैं। यह एक्ट थ्री और फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई गई है, जिसे सौरभ मल्होत्रा, सुदीप शर्मा, मनुज मित्रा और टीना थारवानी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। रणदीप झा ने डायरेक्शन संभाला है।

बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल ने ऐसा क्यों कहा आलिया भट्ट नहीं बनना...

तान्या मित्तल सोशल मीडिया पर और बिग बॉस 19 में अपने बड़बोलेपन को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातें साझा कीं। साथ ही किसी भी एक्ट्रेस को फॉलो ना करने की बात भी कही। तान्या मित्तल की इस बात पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं।

पहली तान्या मित्तल बनने का ख्वाब देखा

फरीदून शहरयार के यूट्यूब चैनल पर तान्या मित्तल ने एक इंटरव्यू दिया। जिसमें वह कहती हैं, 'जब मैं बिग बॉस 19 से बाहर आई तो लोग सवाल करते थे कि आलिया भट्ट, करीना कपूर में से किसके जैसा बनना चाहोगी। तो मेरा जवाब होता था कि मैं किसी की जैसी नहीं बनना चाहूंगी। मैं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी।' तान्या के इस बयान पर कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट किया। एक यूजर ने लिखा, 'तान्या क्वीन है।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आप सबसे अच्छी है। हेटर्स को पता नहीं है कि उन सब की हेट से तान्या का फैनबेस और स्ट्रॉन्ग हो रहा है।' इसी तरह एक फैन ने कमेंट किया, 'आपको कोई और बनने की जरूरत नहीं है जैसा आपने कहा तान्या मित्तल बनो, हम आपको वैसे ही प्यार करते हैं, जैसी आप हैं।'

तान्या को मिला एकता कपूर से ऑफर

तान्या के करियर फ्रंट की बात करें तो बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। ब्रान्ड प्रमोशन कर रही हैं। वहीं रियलिटी शो बिग बॉस 19 में प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी तान्या को एक प्रोजेक्ट ऑफर किया था। जल्द ही वह उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

3 इडियट्स के सीक्वल पर राजकुमार हिरानी ने कही ये बात; 'मुन्नाभाई 3' पर दी अपडेट

दिग्गज निर्माता-निर्देशक राजकुमार हिरानी की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कई दिनों से ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि राजकुमार हिरानी अपनी कल्ट फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर फैंस निर्देशक की एक और हिट फ्रेंचाइज 'मुन्नाभाई' की भी तीसरी किश्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच अब खुद राजकुमार हिरानी ने इन दोनों ही फिल्मों के बारे में अपडेट दिया है। जानिए क्या सच में '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम कर रहे राजू हिरानी?

'मुन्नाभाई' के तीसरे पार्ट का नहीं मिल रहा सही क्लाईमैक्स

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान राजकुमार हिरानी ने '3 इडियट्स' के सीक्वल और 'मुन्नाभाई' के तीसरे पार्ट को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन दोनों ही फिल्मों पर काम चल रहा है। निर्देशक ने कहा कि मेरे पास इस समय दो आइडिया हैं। मैं वास्तव में दोनों फिल्मों पर काम कर रहा हूं। मैं 'मुन्ना भाई' की स्क्रिप्ट पर काम कर रहा हूं और साथ ही '3 इडियट्स' के सीक्वल के विचार पर भी। 'मुन्ना भाई' के लिए मेरे पास एक आइडिया था, जिसे बड़े पैमाने पर दिखाया गया है। लेकिन फिर भी मुझे इसका सही क्लाईमैक्स नहीं मिला है।

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर चल रहा काम

वहीं '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर राजकुमार हिरानी ने कहा कि इस पर काम चल रहा है। हालांकि, इसका आइडिया अचानक ही आया था। उन्होंने बताया कि '3 इडियट्स' सीक्वल के लिए अभी हाल ही में अचानक बिना किसी कारण के यह विचार आया। मुझे नहीं पता कि यह बात इतनी फैल कैसे गई। क्योंकि यह अभी तक बना नहीं है, लेकिन हमने कहा कि हम इस पर काम करेंगे। और फिर जब भी यह बनेगा। लेकिन किसी तरह एक सुबह, मैंने देखा कि यह खबर फैल चुकी है। फिलहाल तो मेरे पास इस समय तीन-चार स्क्रिप्ट हैं और मुझे जल्द ही यह तय करना होगा कि मुझे किस दिशा में आगे बढ़ना है।

बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं दोनों फिल्में

'3 इडियट्स' साल 2009 में रिलीज हुई बॉलीवुड की एक कल्ट फिल्म है। इसमें आमिर खान, आर माधवन, शरमन जोशी, करीना कपूर खान और बोमन ईरानी प्रमुख भूमिका में हैं। वहीं 'मुन्नाभाई' की शुरुआत साल 2003 में आई फिल्म 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' से हुई थी। इसके बाद 2006 में 'लगे रहो मुन्नाभाई' आई। इसके बाद से ही फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर इंतजार हो रहा है। इन दोनों फिल्मों में संजय दत्त और अरशद वारसी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं।

क्या बॉन्ड गर्ल बनेंगी प्रियंका चोपड़ा?

प्रियंका चोपड़ा की जल्द ही एक हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन कर रही हैं। फैंस उनके एक्शन के कायल हो गए हैं। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा की है। इसी दौरान उन्होंने 'बॉन्ड' सीरीज की अगली फिल्म को लेकर जिक्र किया। क्या वह सच में इसका हिस्सा हैं। वैरायटी को दिए गए हालिया इंटरव्यू में करियर को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने लंबी बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने 007 बॉन्ड सीरीज की फिल्म को लेकर बड़ा हिंट दिया। वह कहती हैं, 'यह प्रोजेक्ट सच में ग्लोबल हो सकता है। मैं इस बात के लिए उत्साहित हूं कि मेकर्स कौन सा रास्ता चुनते हैं।' यह खबर सुनकर प्रियंका चोपड़ा के फैंस काफी खुश हैं।

सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती है आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपने स्पाई यूनिवर्स के जरिए 'टाइगर' फ्रेंचाइज 'पठान' और 'वॉर' जैसी कई पुरुष प्रधान फिल्में बनाईं और दर्शकों का प्यार हासिल किया है। इस यूनिवर्स का हिस्सा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ भी बन गई हैं। उनकी महिला प्रधान स्पाई जासूसी फिल्म 'अल्फा' को 2026 में रिलीज किया जाना तय है। हालिया जानकारी में पता चला है कि निर्माता फिल्म को सिनेमाघरों में उतारने की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' आलिया स्टारर 'अल्फा' को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है। दरअसल, रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' सिनेमाघरों में बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर रही है। इसलिए निर्माता कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। हो रही हैं। बता दें कि इस फिल्म में बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। फिल्म में आलिया और शरवरी के साथ बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म होगी।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'दो दीवाने सहर में' के साथ शुरू किया अपना रोमांटिक हीरो का सफर

सिद्धांत चतुर्वेदी अपने सिनेमाई सफर के एक नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, जहां वह पहली बार पूरी तरह से रोमांटिक हीरो की भूमिका निभाते नजर आनेवाले हैं। फिलहाल फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए वह अपने अब तक के इंटेंस और लेयर्ड किरदारों से अलग, संवेदनशील, आकर्षक और भावनात्मक अंदाज में दिखाई देंगे। कई लोग इसे उनका 'लवर बॉय एरा' भी कह रहे हैं। संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के साथ सिद्धांत एक ऐसे सिनेमा जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उन्हें 'भंसाली हीरो' की पहचान मिल रही है। ये वो दुनिया है, जहां प्रेम काव्यात्मक होता है, भावनाएं गहरी होती हैं और कहानी कहने के कई अंदाज होते हैं। ये कहें तो गलत नहीं होगा कि भंसाली से जुड़ा प्रोजेक्ट अपने आप में एक विरासत और भव्यता का प्रतीक माना जाता है, और इस जोन में सिद्धांत का आना उनके करियर के विस्तार और विकास का संकेत देता है। गौरतलब है कि फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है, जो फिल्म की ताजगी को और भी खास बनाती है। फिलहाल दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर शुरुआती झलकियों ने ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है और सिद्धांत को रोमांटिक हीरो के तौर पर स्थापित कर दिया है। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' से भंसाली हीरो के तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी की जगह पूरी तरह से पक्की हो गई है।

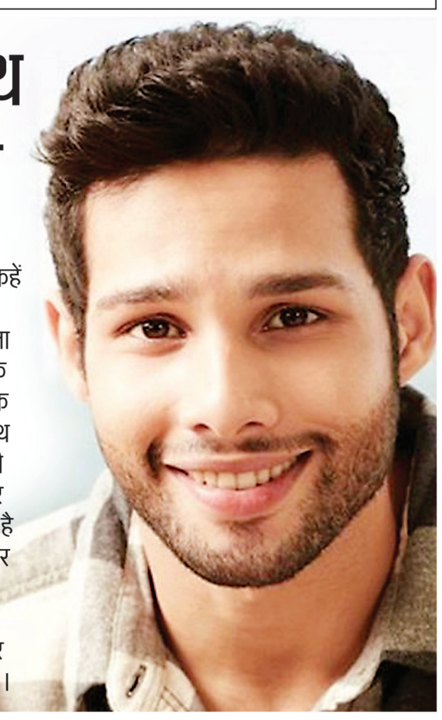

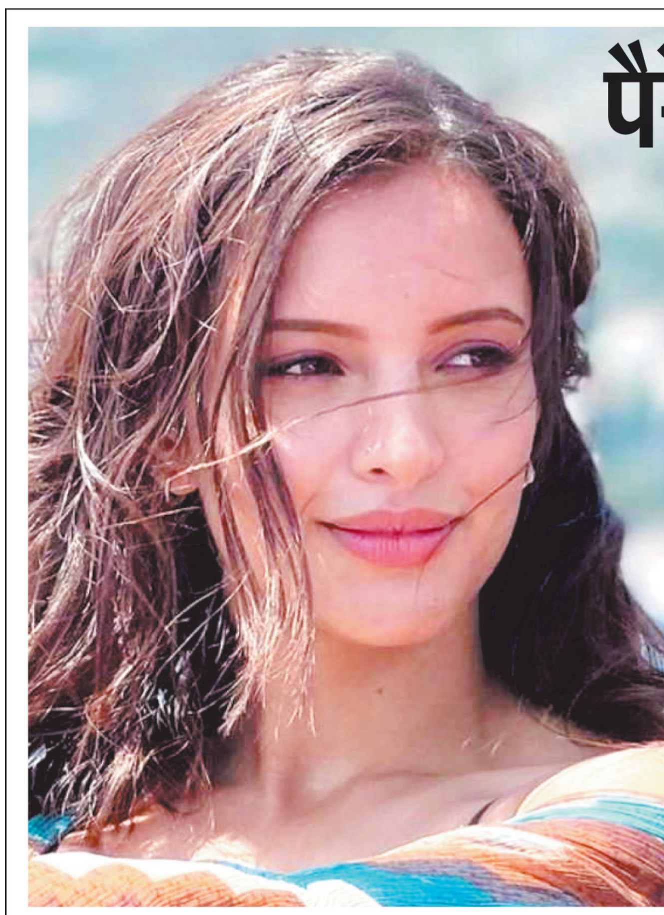

पैरेंट्स को लगता था पढ़ाई के डर से एक्ट्रेस बनना चाहती हूं

'लैला मजनू' जैसी जुनूनी प्रेम कहानी वाली फिल्म से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली तृप्ति डिमरी इन दिनों एक और इंटेंस लव स्टोरी 'ओ रोमियो' को लेकर सुर्खियों में हैं। तृप्ति इससे पहले गहरे इश्क वाली फिल्म 'धड़क 2' भी कर चुकी हैं, पर असल जिंदगी में वह जुनूनी नहीं, सच्चे प्यार में यकीन करती हैं। तृप्ति का कहना है, 'प्यार को लेकर हर किसी का अलग नजरिया होता है। हर कोई उसे अपने हिसाब से देखता है, लेकिन मैं बस सच्चे प्यार में यकीन करती हूं। जुनूनी- वुनूनी प्यार मुझे समझ में नहीं आता, पर सच्चे प्यार पर मुझे पूरा भरोसा है।'

संघर्ष और सफलता दोनों का अपना मजा

अपने करियर के शुरुआती दौर में तृप्ति ने तीन साल में तीन फिल्में की थीं, जबकि 'एनिमल' की सफलता के बाद उनके पास फिल्मों की झड़ी लगी हुई है। अकेले साल 2024 में वह 'बैड न्यूज', 'विकी विद्या का वो वाला विडियो' और 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। जबकि आने वाले दिनों में भी वह 'ओ रोमियो' के अलावा, 'स्पिरिट' और 'मां बहन' जैसी बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। रिजेक्शन और इंतजार के लंबे दौर के बाद अब हर चौथी-पांचवीं फिल्म का ऑफर मिलने वाली इस सफलता के बारे में तृप्ति कहती हैं, 'मेरे लिए तो यह बहुत खुशी की बात है कि हर चौथी या पांचवीं फिल्म मेरे पास आ रही है। मैं तो चाहती हूं कि हर दूसरी फिल्म मेरे पास आए, क्योंकि मैंने काफी लंबा गैप भी देखा है।'

पैरेंट्स को लगता था, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टर बनना चाहती हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने जब एक्टिंग में करियर बनाने का तय किया था, तब उनके पैरेंट्स काफी डरे हुए थे। वह उनके फैसले से ज्यादा खुश नहीं थे, लेकिन अब उनकी कामयाबी देखकर वे फूले नहीं समाते। उनकी सोच में आए बदलाव पर तृप्ति कहती हैं, 'निश्चित तौर पर अब वे बहुत खुश हैं और गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, शुरुआत में भी उनकी जो सोच थी, जो डर था, उसके लिए मैं उन्हें गलत नहीं मानती, क्योंकि उनके लिए मुंबई एक बिल्कुल नया शहर था। वे किसी को जानते नहीं थे। ऐसे में, अपने बच्चे को यहां भेजना हर माता-पिता के लिए मुश्किल फैसला होता है। फिर, उनको यह भी नहीं पता था कि मुझे एक्टिंग से इतना प्यार है। उन्हें लगता था कि इसको पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिए एक्टिंग में जाना चाहती है (हंसती हैं)। लेकिन अब उन्हें बहुत गर्व होता है। कई बार वे मेरे इंटरव्यू चला देते हैं, जिस पर मैं झेंप जाती हूं, मगर वे बहुत ही ज्यादा खुश हैं और मैं खुश हूं कि वे खुश हैं।'

गहरे समंदर में छोड़ देते हैं विशाल सर

फिल्म 'ओ रोमियो' में तृप्ति डिमरी का किरदार काफी इंटेंस और लेयर वाला है। इसकी तैयारी के बारे में वह बताती है, 'इस किरदार को समझने में मुझे विशाल सर (डायरेक्टर विशाल भारद्वाज) से बहुत मदद मिली। हर फिल्म, हर किरदार के साथ हमारी एक जर्नी होती है, जहां उनको समझने के लिए आपको वक्त देना पड़ता है। कम से कम मेरा प्रॉसेस ऐसा है कि मैं जानना चाहती हूं कि वो किरदार कैसे सोचता है? अलग-अलग लोगों के साथ उसका बर्ताव कैसा है? उसके लिए मैंने अतुल मोंगिया सर के साथ काफी वर्कशॉप की। मेरे किरदार अफशां की चुनौतियां, परिस्थितियां आदि समझने की कोशिश की। उससे काफी कुछ सीखने को मिला। अगर मैं वो नहीं करती तो पहले दिन बहुत नर्वस होती। उसके अलावा, विशाल सर के साथ काम करना अपने में एक्टिंग वर्कशॉप है। वह कई बार आपको गहरे समंदर में छोड़ देते हैं। आपको लगेगा कि आपको सीन का सुर पता है पर फिर आपको पता चलेगा कि नहीं, यह तो कुछ अलग है।'

संघर्ष के कारण सफलता की कीमत समझती हैं तृप्ति

तृप्ति आगे कहती हैं, 'मैं काफी पहले से एक्टर बनने की कोशिश कर रही थी, मगर जब मुझे मौका मिला तो अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि, मैंने तब भी कभी ऐसा नहीं सोचा कि मैं असफल हूं। मैं तब भी बहुत खुश थी, जब ऑडिशन के लिए जाती थी। उसका अलग मजा था। आज जो चल रहा है, उसका अलग मजा है। सच कहूं तो अगर मैंने वो दिन नहीं देखे होते तो शायद मैं अपने करियर को उतना वैल्यू नहीं करती, जितना आज करती हूं।'

ईशान का बल्ला चला, पाकिस्तान में 'गूगल' क्रैश!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर जब भारत और पाकिस्तान की टीमें टकराती हैं, तो पारा सिर्फ स्टेडियम में ही नहीं, बल्कि इंटरनेट की दुनिया में भी चढ़ जाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के महामुकाबले में जब टीम इंडिया के युवा सितारे अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट हुए, तो पाकिस्तानी खेमे ने राहत की सांस ली थी। उन्हें लगा कि खतरा टल गया, लेकिन असली 'आउट ऑफ सिलेबस' सवाल तो ईशान किशन के रूप में अभी बाकी था। ईशान ने जैसे ही चौकों-छक्कों की बरसात शुरू की, वैसे ही सरहद पार के क्रिकेट फैंस की बेचैनी गूगल सर्च इंजन पर दिखाई देने लगी।

मैदान पर धुनाई और गूगल पर 'ईशान' का राज

जैसे-जैसे ईशान किशन ने 40 गेंदों में 77 रनों की विस्फोटक पारी खेली, पाकिस्तान के गूगल ट्रेंड्स में अचानक 'ईशान किशन' टॉप पर आ गए। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तानी फैंस सिर्फ उनके क्रिकेट के बारे में ही नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी के बारे में भी जानने के लिए उतावले दिखे। गूगल डेटा के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में पाकिस्तान में ईशान किशन के नाम को लेकर सर्च में हजारों गुना की बढ़ोतरी देखी गई।

पाकिस्तानी फैंस के वो अजीबोगरीब सवाल?

गूगल ट्रेंड्स के आंकड़ों पर नजर डालें तो पाकिस्तान में ईशान को लेकर कई तरह के सवाल खोजे जा रहे थे। लोग न केवल उनके 'स्टैट्स' और 'नेट वर्थ' देख रहे थे, बल्कि उनकी 'हाइट' (फीट में) और 'उम्र' को लेकर भी काफी उत्सुकता दिखी। हैरानी की बात यह रही कि उनकी निजी जिंदगी से जुड़े कीवर्ड्स जैसे 'ईशान किशन गर्लफ्रेंड', 'ईशान किशन वाइफ' और यहाँ तक कि उनके 'धर्म' के बारे में भी खूब सर्च किया गया। कुछ यूजर्स तो उनकी स्पेलिंग में भी गलती करते नजर आए, लेकिन सर्च की रफ्तार थमी नहीं।

रोहित शर्मा ने पाकिस्तानी दिग्गज तेज गेंदबाज को लगाया गले

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले से पहले कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम को गले लगाया। यह पल मैच के नतीजे से भी ज्यादा चर्चा में रहा।

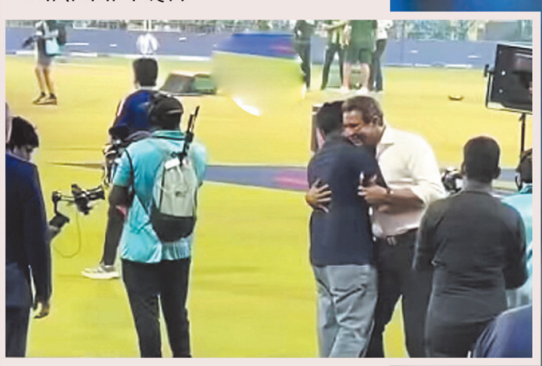

जब ट्रॉफी के साथ साथ दिखा सम्मान

प्री-मैच सेरेमनी के दौरान दोनों दिग्गज वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ मैदान पर उतरे। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता भी उनके साथ मौजूद थे। बातचीत, मुस्कान और फिर गर्मजोशी भरी झप्पी—यह वीडियो कुछ ही मिनटों में वायरल हो गया।

हैंडशेक विवाद के बीच खास संदेश

यह दृश्य इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि भारत ने पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन के साथ पारंपरिक हैंडशेक नहीं किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय भी पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। ऐसे माहौल में रोहित और अकरम का मिलना अलग संदेश देता नजर आया। ध्यान देने वाली बात यह है कि अकरम पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट का हिस्सा नहीं, बल्कि पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर हैं।

मैदान पर भारत का दबदबा

मैच शुरू होते ही भारत ने एकतरफा प्रदर्शन किया। भारत - 175/7, पाकिस्तान 114 ऑलआउट; भारत ने 61 रन से जीत दर्ज कर सुपर 8 में जगह पक्की कर ली।

प्रतिद्वंद्विता से परे एक संदेश

भारत-पाकिस्तान मुकाबले अक्सर तनाव और राजनीति से जुड़े रहते हैं, लेकिन रोहित और अकरम का यह पल खेल भावना की मिसाल बन गया। यह झप्पी याद दिलाती है कि मैदान पर भले ही कड़ा मुकाबला हो, लेकिन महान खिलाड़ी एक-दूसरे का सम्मान करना जानते हैं।

हार के बाद बाबर आज़म पर टूटा 'अफरीदी बम'

बोले मेरे हाथ में होता तो टीम में जगह भी न देता

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान की टी20 विश्व कप के मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से 61 रन की हार के बाद स्टार बल्लेबाज बाबर आजम आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं तथा देश के कई पूर्व खिलाड़ियों ने कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ उन्हें भी टीम से बाहर करने की मांग की है। पूर्व कप्तान बाबर, शादाब खान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी जैसे अनुभव खिलाड़ी रविवार रात कोलंबो में खेले गए एकतरफा मुकाबले में उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (40 गेंदों में 77 रन) ने पाकिस्तानी गेंदबाजी की

जमकर धुलाई की। दूसरी तरफ भारत के तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के सामने पाकिस्तान के बल्लेबाज बगलें झांकते हुए नजर आए। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा, अगर यह मेरे हाथ में होता तो मैं बाबर, शादाब और शाहीन को दोबारा टी20 टीम में नहीं चुनता। उन्हें पाकिस्तान के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के कई मौके मिले हैं, लेकिन कल वे फिर से नाकाम रहे।

अफरीदी ने कहा कि अब इस टी20 प्रारूप में युवा खिलाड़ियों को तैयार करने का समय आ गया है। शाहीन ने दो ओवर में 31 रन लुटाए वहीं बाबर को अक्षर पटेल ने पांच रन पर आउट किया। पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद हार पर विस्तार से बोलने को तैयार नहीं थे, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान की क्रिकेट टीम दबाव में आने पर चुनौती पेश करने में नाकाम रही है। मियांदाद ने कहा, भाई बड़े मैचों में ही खिलाड़ियों को अपना जज्बा दिखाना होता है। हमारे खिलाड़ी ऐसा नहीं कर पाए।

बयान देने की बजाय क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए

कनेरिया ने पाक के खराब प्रदर्शन की आलोचना की

कोलंबो (एजेंसी)। पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने टी20 वर्ल्ड कप मैच में भारत के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस नतीजे से पता चलता है कि लक्ष्य का पीछा करते समय टीम कितनी संघर्ष करती है। उन्होंने सुझाव दिया कि खिलाड़ियों को मैदान के बाहर बयान देने के बजाय अपने क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने रविवार को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान को 61 रन से हराकर

सुपर 8 के लिए क्वालीफाई किया। कनेरिया ने मीडिया से ??कहा, पाकिस्तान ने बहुत निराशाजनक क्रिकेट खेला। उन्हें बयान देने की बजाय आगे बढ़कर मैदान पर अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। उस्मान तारिक ने दावा किया था कि वह अकेले ही पाकिस्तान को जीत दिलाएंगे। इसके उलट, भारतीय खिलाड़ियों की एक अच्छी बात यह है कि वे ज्यादा बातें नहीं करते; वे मैदान पर अपने प्रदर्शन को खुद बोलने देते हैं। ईशान किशन की तूफानी शुरुआत की वजह से भारत ने कोलंबो में टी20 वर्ल्ड कप में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले में 175/7 का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में मदद की। जवाब में पाकिस्तान के टॉप चार स्पिनरों ने उन्हें मुश्किल से निकाला और मिलकर सिर्फ 15 रन बनाए जिसके बाद भारतीय स्पिनरों ने दो ओवर बाकी रहते जीत पक्की कर दी।कनेरिया ने कहा, पाकिस्तान जानता था कि टारगेट का पीछा करना आसान नहीं है। क्या उन्हें सच में यकीन था कि उनका बॉलिंग अटैक इतना मजबूत है कि वे इतने बड़े भारतीय बैटिंग लाइनअप को लगभग 100 रन पर आउट कर सकें और आराम से टोटल को पार कर सकें? मजेदार बात यह है कि भारत काफी समय से श्रीलंका में नहीं खेला है, जबकि पाकिस्तान पहले ही वहां कई मैच खेल चुका है और अभी भी श्रीलंका में है।

क्रिकेट विशेषज्ञों का बड़ा बयान

भारत-पाकिस्तान मैचों का महत्व जल्द ही कम हो जाएगा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला लगातार एकतरफा होने और भारत के दबदबे के कारण इन मुकाबलों का व्यावसायिक महत्व कम होता जा रहा है। भारत की रविवार को आसान जीत ने पाकिस्तान को पहले से कहीं ज्यादा झटका दिया है क्योंकि ऐसी उम्मीदें थीं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ हाल के गतिरोध के दौरान देश के प्रशासकों के कड़े रुख के बाद खिलाड़ी भी मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। लेकिन भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से करारी शिकस्त दी जिससे दोनों टीमों के बीच अंतर भी स्पष्ट हो गया। टी20 विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को 9 में से 8 मैचों में हराया है। इसके अलावा पिछले साल एशिया कप में सलमान अली आगा की अगुवाई वाली टीम को भारत से लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा था। भारत का पाकिस्तान पर सीमित ओवरों की क्रिकेट में दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जीत के बाद से पाकिस्तान अपने चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक भी वनडे मैच नहीं जीत पाया है।

भारत से करारी हार के बाद पाकिस्तान में हंगामा

इन तीन सीनियर खिलाड़ियों को बाहर करने की उठी मांग

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत से 61 रन की करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कोलंबो के क्र प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारत टीम ने पाकिस्तान को 114 रन पर समेट दिया। हार के बाद पाकिस्तान के दिग्गजों ने टीम चयन पर सवाल खड़े किए हैं।

शाहिद अफरीदी की बड़ी मांग

पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने साफ कहा कि अब समय आ गया है कि बाबर आजम, उनके दामाद शाहिन अफरीदी और शोएब खान को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जाए। पाकिस्तान का अगला मुकाबला 18 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ है, जो अब 'करो या मरो' बन चुका है। सुपर 8 में पहुंचने के लिए पाकिस्तान को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अफरीदी ने सामा टीवी पर कहा- अगर फैसला मुझे करना होता तो मैं बाबर, शाहीन और शादाब को ड्रॉप करता। नामीबिया के खिलाफ नए खिलाड़ियों को मौका दो और उनका आत्मविश्वास बढ़ाओ। लंबे समय से सीनियर खिलाड़ी बड़ी टीमों के खिलाफ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

- **सीनियर खिलाड़ियों का फ्लॉप शो** - बाबर आजम- 5 रन बनाकर आउट, फिर एक बार टीम के पतन का हिस्सा बने। शाहीन अफरीदी- 2 ओवर में 31 रन दिए, केवल एक विकेट (अक्षर पटेल) लिया। बल्लेबाजी में 19 गेंदों पर 23* रन, लेकिन तब तक मैच हाथ से निकल चुका था। शादाब खान- एक ओवर में 17 रन लुटाए। बल्लेबाजी में 15 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट।
- **मोहम्मद यूसुफ ने भी उठाई आवाज** - शाहिद अफरीदी ही नहीं, पूर्व दिग्गज मोहम्मद यूसुफ ने भी सोशल मीडिया पर लिखा- शाहीन, बाबर और शादाब का समय खत्म हो चुका है। पाकिस्तान की टी20 टीम को अब नए प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की जरूरत है, कमजोर टीमों के खिलाफ खाली जीत नहीं।
- **नामीबिया मैच में कौन ले सकता है जगह** - अगर टीम मैनेजमेंट बदलाव करता है तो संभावित विकल्प- फखर जमान, सलमान मिर्जा, ख्वाजा नफेया नसीम शाह निचले क्रम में बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, जबकि ख्वाजा नफे बल्लेबाजी मजबूत करने का विकल्प हो सकते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि कप्तान सलमान आगा किस संयोजन के साथ मैदान में उतरते हैं।

आईएसएल की शानदार शुरुआत, मोहन बागान ने केरला ब्लास्टर्स को 2-0 से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। गत चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट्स ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र की दमदार शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-0 से मात दी। मोहन बागान के लिए पहला गोल 36वें मिनट में जैमी मैकलारेन ने दागा। मैच के अंतिम क्षणों में दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (90+6 मिनट) में टॉम एल्ड्रेड ने गोल कर जीत पक्की कर दी। मैकलारेन को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस बीच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बड़ा ऐलान करते हुए पुष्टि की कि इस सत्र से आईएसएल में पहली बार रेलीगेशन प्रणाली लागू की गई है। अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम को दूसरे स्तर की इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) में भेजा जाएगा, जबकि आईएफएल की चैंपियन टीम को अगले सत्र में आईएसएल में पदोन्नत किया जाएगा। एआईएफएफ के अनुसार, 12वें आईएसएल सीजन की चैंपियन टीम को अगले सत्र में एएफसी चैंपियंस लीग-2 के प्रारंभिक दौर में प्रवेश मिलेगा। दूसरे स्तर की आई-लीग का नाम बदलकर अब इंडियन फुटबॉल लीग कर दिया गया है, जिसकी शुरुआत 21 फरवरी से होगी।

उमरजई का ऑलराउंड प्रदर्शन | अफगानिस्तान ने 5 विकेट से दर्ज की शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप सी मुकाबले में अफगानिस्तान ने आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज कर ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने यूएई को 5 विकेट से हराते हुए 161 रन का लक्ष्य 19.2 ओवर में हासिल कर लिया।

यूएई ने दिया था 161 रन का लक्ष्य - पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने 20 ओवर में 160/9 का स्कोर बनाया। सोहैब खान और अलीशान शराफू ने अहम पारियां खेलीं, लेकिन अफगान गेंदबाजों ने आखिर में रनगति पर लगाम लगा दी। अजमतुल्लाह उमरजई ने गेंद से भी शानदार योगदान दिया और यूएई को बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

जादरान और उमरजई की मैच जिताऊ पारी - लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत संभली हुई रही। इब्राहिम जार्डन ने अहम रन जोड़े और पारी को स्थिरता दी। अंत में अजमातुल्लाहा ने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए जोरदार चौका लगाकर मैच खत्म किया। अफगानिस्तान ने 162/5 का स्कोर बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सुपर 8 की उम्मीदें बरकरार

यह जीत अफगानिस्तान के लिए बेहद जरूरी थी। लगातार दो हार के बाद टीम पर दबाव था, लेकिन इस जीत से सुपर 8 की उम्मीदें जिंदा हैं। अब अफगानिस्तान का आखिरी ग्रुप मुकाबला कनाडा के खिलाफ है, जहां जीत उन्हें अगले दौर के और करीब पहुंचा सकती है। अफगानिस्तान ने दिखा दिया कि दबाव में भी वह वापसी करना जानता है - और जादरान-उमरजई की जोड़ी ने टीम को टूर्नामेंट में नई जान दे दी।

राशिद खान ने रचा इतिहास, टी20 में ऐसा आंकड़ा छुआ जो कोई गेंदबाज नहीं छू सका

नईदिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए ग्रुप मुकाबले के दौरान अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने टी20 क्रिकेट में 700 विकेट पूरे कर इतिहास रच दिया। साथ ही वह इस फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए।

कैसे मिला ऐतिहासिक विकेट?

राशिद ने यह उपलब्धि यूएई के खिलाफ मैच के 16वें ओवर में हासिल की। उन्होंने मुहम्मद अरफान को हिट-विकेट आउट कर अपना 700वां शिकार किया। अरफान रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में अपना संतुलन खो बैठे और बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। राशिद ने इस मैच में चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया और अफगानिस्तान ने यूएई को 20 ओवर में 160/9 पर रोक दिया।

सेंसेक्स
83224.18 पर बंद
निफ्टी
25665.90 पर बंद

सोना
151,100
चांदी
268,000

दोहरा अंशदान संधि पर भी हैं हस्ताक्षर

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता अप्रैल से लागू होने की संभावना

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच जुलाई 2025 में हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच

इस समझौते को समानांतर रूप से लागू करने की तैयारी चल रही है ।जुलाई में हुए समझौते के तहत भारत के 99 प्रतिशत निर्यात ब्रिटेन के बाजार में शून्य शुल्क पर प्रवेश करेंगे। वहीं, भारत में ब्रिटिश उत्पादों, जैसे कार व स्कॉच व्हिस्की, पर आयात शुल्क में चरणबद्ध कमी की जाएगी। स्कॉच व्हिस्की पर शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत किया जाएगा और 2035 तक इसे 40 प्रतिशत तक लाया जाएगा। ऑटोमोबाइल पर आयात शुल्क पांच वर्षों में घटाकर 10 प्रतिशत किया जाएगा, जो अभी 110 प्रतिशत तक है। समझौते के तहत भारत ने चॉकलेट, बिस्कुट और सौंदर्य प्रसाधन जैसे उपभोक्ता उत्पादों के लिए बाजार खोला है, जबकि भारतीय वस्त्र, जूते, र प्रतिशत–आभूषण, खेल सामग्री व खिलौनों को ब्रिटेन में पहुंच मिलेगी। दोनों देशों ने दोहरा अंशदान संधि पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिससे अस्थायी कर्मियों को सामाजिक अंशदान दो बार नहीं देना होगा। समझौते को लागू करने से पहले ब्रिटेन की संसद की मंजूरी आवश्यक है। वहां हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इस पर बहस और समीक्षा चल रही है। इसका उद्देश्य 2030 तक 56 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है।

बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों में तेजी

मुंबई, एजेंसी। नॉन–बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। बेजेल इंटरनेशनल के शेयर सोमवार को क्ष्स्थ में 11 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 73.58 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर बांटने का ऐलान किया है। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी के मुनाफे में तेज उछाल आया है। बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में करीब 140 पर्सेंट बढ़ा है। बेजेल इंटरनेशनल लिमिटेड अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। यानी, कंपनी हर शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटेगी। बेजेल इंटरनेशनल ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट रिवाइज की है। कंपनी ने पहले बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट शुक्रवार 13 फरवरी 2026 फिक्स की थी, जिसे अब रिवाइज करके 19 फरवरी 2026 कर दिया है।

करीब 140 प्रतिशत बढ़ा है बेजेल इंटरनेशनल का मुनाफा : नॉन–बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी बेजेल इंटरनेशनल का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 139.89 पर्सेंट बढ़ा है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 52.19 लाख रुपये का मुनाफा हुआ था। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 21.76 लाख रुपये था। चालू वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में बेजेल इंटरनेशनल का मुनाफा 149.59 लाख रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 119.87 लाख रुपये था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 47.20 पर्सेंट बढ़कर 114.05 लाख रुपये पहुंच गया है। बेजेल इंटरनेशनल के शेयर 5 साल से कम में 460 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। स्मॉलकैप कंपनी के शेयर 27 अगस्त 2021 को 12.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 16 फरवरी 2026 को 73.58 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 90 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

3 साल में पहली बार म्यूचुअल फंड ने 4100 करोड़ के शेयर बेचे

जब वे शुद्ध रूप से बिकवाल बने हैं

नई दिल्ली , एजेंसी। फरवरी के महीने में अब तक म्यूचुअल फंड ने भारतीय शेयर बाजार में करीब 4,100 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। यह लगातार खरीदारी करने वाले म्यूचुअल फंडों द्वारा पिछले तीन सालों में पहली बार है, जब वे शुद्ध रूप से बिकवाल बने हैं। इस महीने के सात कारोबारी सत्रों में से छह में वे शेयरों के शुद्ध विक्रेता रहे हैं।

इससे पहले अप्रैल 2023 में म्यूचुअल फंड ने 4,532 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे थे। उसके बाद से लगातार 34 महीनों तक वे शेयरों की शुद्ध खरीदारी कर रहे थे। यह बदलाव हाल के महीनों में जारी खरीदारी के रुख के बिल्कुल विपरीत है। बीते जनवरी में ही म्यूचुअल फंड ने 42,355 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे और साल 2025 के दौरान उन्होंने कुल मिलाकर करीब 4.93 लाख करोड़ रुपये के भारतीय शेयरों की खरीदारी की थी।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह बिकवाली निवेशकों द्वारा पैसे निकालने (रिडेम्पशन) के दबाव की वजह से नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो में बदलाव की वजह से हो रही है। मनीकंट्रोल को डॉ. चोकसी फिनसर्व के प्रबंध निदेशक देवेन चोकसे ने बताया कि फंड अपने पोर्टफोलियो को फिर से संतुलित कर रहे हैं। वे कम प्रदर्शन करने वाले

शेयरों से पैसा निकालकर बेहतर गुणवत्ता वाले शेयरों, खासकर बड़ी कंपनियों (लार्ज-कैप) में निवेश कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ फंड उस समय जमा हुए शेयरों को भी बेच रहे हैं, जब पहले विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे थे। अभी यह संकेत नहीं है कि निवेशक एसआईपी के जरिये पैसा निकाल रहे हैं, बल्कि यह गतिविधि मुनाफावसूली और पोर्टफोलियो में बदलाव से जुड़ी हुई प्रतीत होती है। एनंद राठी वेल्थ के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी फिरोज अजीज का कहना है कि इस बिकवाली के पैमाने को बहुत बड़ा नहीं समझना चाहिए। करीब 40 लाख करोड़ रुपये के एसेट मैनेजमेंट वाले इस सेक्टर के लिए 4,100 करोड़ रुपये की बिक्री अपेक्षाकृत बहुत छोटी है और यह सिर्फ कुछ योजनाओं या कंपनियों की कार्रवाई भी हो सकती है।इस बिकवाली के पीछे इंडेक्स में बदलाव यानी रीबैलेंसिंग भी एक वजह हो सकती है। 31 जनवरी एनएसई इंडेक्स की समीक्षा की तारीख थी और फरवरी की शुरुआत में एमएससीआइ ने भी अपने इंडेक्स में बदलाव की घोषणा की थी। विश्लेषकों का कहना है कि अब मुख्य रूप से यह देखना होगा कि इक्विटी फंडों में निवेशकों के पैसे आने का सिलसिला जारी रहता है या नहीं। अगर लगातार पैसा निकलता रहा और फंड बिकवाली जारी रखते हैं तो इसके अलग मायने होंगे। द टीएचई वेल्थ कंपनी के बाजार रणनीति प्रमुख अक्षय चिंचलकर का मानना है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और कृषि वस्तुओं से जुड़े बदलाव भी निवेश के रुख को प्रभावित कर सकते हैं। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों की दिलचस्पी गोल्ड ईटीएफ, बॉन्ड फंड और हाइब्रिड फंड में भी बढ़ी है। बाजार में यह अंतर साफ दिख रहा है। निफ्टी 500 अपने 52-सप्ताह के हाई से लगभग 3.4 प्रतिशत नीचे है, लेकिन इस इंडेक्स की करीब 50 प्रतिशत कंपनियों के शेयर अपने 52-सप्ताह के हाई से 20 प्रतिशत से अधिक नीचे कारोबार कर रहे हैं।

गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में नुकसान रोकने के लिए आएंगे नए नियम

बाजार खुलने से पहले ही तय होगी दिशा

नई दिल्ली , एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने सोने और चांदी के ईटीएफ के कारोबारी नियमों में बदलाव करने का फैसला किया है। इसका मकसद है कि इनकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के उतार-चढ़ाव के ज्यादा करीब रहें और निवेशकों को सही भाव पर खरीद-फरोख्त का मौका मिल सके। इससे आम निवेशकों को काफी फायदा होगा और अनचाहा नुकसान होने से बचाव हो सकेगा।

दरअसल, दुनियाभर में सोने और चांदी की खरीद-बिक्री 24 घंटे होती है। अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी एक्सचेंज में भी इनकी कीमतें लगातार ऊपर-नीचे हो जाती हैं लेकिन भारत में ईटीएफ की खरीद-बिक्री शेयर बाजार के समय मुताबिक सुबह 9:15 से दोपहर 3:30 बजे तक ही होती है। इस दौरान इनके भाव एक तय सीमा (फिक्स्ड प्राइस बैंड) के भीतर ही घट-बढ़ सकते हैं। इस तय सीमा और समय अंतर की वजह से अक्सर भारतीय ईटीएफ की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों से पिछड़ जाती हैं या उनमें बड़ा अंतर आ जाता है। इसके चलते आम निवेशकों को सही दाम पर खरीद-बिक्री नहीं मिल पाती और कई बार बिना वजह नुकसान हो भी जाता है। वर्तमान में सोने-चांदी की कीमतों में लगातार तेज उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है जिसकी वजह से निवेशकों को नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। इसके चलते सेबी ने ईटीएफ के कारोबारी नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। सेबी ने अब 'डायनामिक प्राइस बैंड' लागू करने का सुझाव दिया है। इसका मतलब यह है कि कीमतों की सीमा बाजार की स्थिति के अनुसार बदली जा सकेगी। शुरुआत में एक तय सीमा रहेगी, लेकिन अगर बाजार में ज्यादा हलचल होती है तो यह दायरा बढ़ाया जा सकेगा। हर बड़े बदलाव के बाद कुछ समय का अंतर भी दिया जाएगा, ताकि बाजार स्थिर हो सके और घबराहट में खरीद-फरोख्त न हो। सेबी ने हाल ही में प्रस्ताव का मसौदा जारी किया है और मार्च 2026 तक लोगों से राय मांगी है, जिसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। सेबी ने एक और महत्वपूर्ण सुझाव दिया है, जो है 'प्री-ओपन सेशन' की शुरुआत। शेयर बाजार की तरह अब गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ के लिए भी बाजार खुलने से पहले एक खास सत्र हो सकता है।

निवेशक ऐसे समझें योजना को

प्रस्ताव के मुताबिक, नया दायरा छह फीसदी का होगा। यानी एक दिन में ईटीएफ के भाव छह फीसदी तक ऊपर या नीचे हो सकते हैं। अगर बाजार में तेज हलचल होती है तो इस दायरे को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा सकेगा और हर बार यह तीन फीसदी तक बढ़ेगा। हर बदलाव के बाद बाजार को स्थिर होने के लिए 15 मिनट का समय दिया जाएगा। एक दिन में कुल दायरा 2 प्रतिशत की सीमा तक जा सकेगा। इसका सीधा फायदा यह होगा कि निवेशक को ईटीएफ की जो कीमत स्क्रीन पर दिखेगी, वह उसकी वास्तविक वैल्यू के करीब होगी।

आधे सीईओ बेरोजगार होते अगर...,

फाउंडर ने अपनी मार्कशीट शेयर कर दे दिया बड़ा मैसेज

नई दिल्ली , एजेंसी। बोर्ड परीक्षा की टेंशन के बीच संपर्क फाउंडेशन के संस्थापक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के पूर्व सीईओ विनीत नाडर ने छात्रों को मार्मिक संदेश दिया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी मार्कशीट शेयर करते हुए एक पोस्ट किया है। विनीत ने पोस्ट में छात्रों को याद दिलाया कि अंक उनके भविष्य को परिभाषित नहीं करते हैं। विनीत नायर ने लिखा, अगर बोर्ड परीक्षा जिंदगी तय करती तो आधे सीईओ बेरोजगार होते। इसे डूबने दो। नाडर ने स्वीकार किया कि बोर्ड परीक्षाएं महत्वपूर्ण हैं। लेकिन, उन्होंने छात्रों को इसे सफलता का अंतिम पैमाना मानने से आगाह किया। उन्होंने कहा, बोर्ड महत्वपूर्ण हैं। लेकिन, वे आपकी नियति नहीं हैं। विनीत नाडर ने अपने किशोरावस्था के एक अनुभव को साझा किया। उस डर को जाहिर करते हुए जो कई छात्र एक कठिन पेपर के बाद महसूस करते हैं। 17 साल की उम्र में अपना केमिस्ट्री का एग्जाम देकर बाहर निकलते समय उन्हें लगा कि उन्होंने खराब प्रदर्शन किया है। उन्होंने लिखा, फुल पैनिक मोड। उन्होंने बताया कि इसके बाद जो हुआ, उसने उनके नजरिये को बदल दिया। उनके एक चचेरे भाई ने उनकी टेंशन देखी। उनसे पूछा, अगर तुम फेल हो गए तो क्या मर जाओगे जब नाडर ने नहीं कहा, तो चचेरे भाई ने एक और सवाल पूछा, तो तुम इसे जिंदगी और मौत की स्थिति क्यों मान रहे हो। उस बातचीत की सादगी उनके साथ रह गई। नाडर के अनुसार, इसने उन्हें पीछे हटने और बड़ी तस्वीर देखने में मदद की। अगले एग्जाम में घबराहट ले जाने के बजाय उन्होंने रीसेट करने का फैसला किया। दो दिन बाद विनीत ने शांत नजरिये के साथ अपनी गणित की परीक्षा दी। उन्होंने शेयर किया, मैंने शांति से पढ़ाई की। स्थिर होकर गया। और कमाल कर दिया। उस अनुभव को एक सबक के रूप में इस्तेमाल करते हुए नाडर ने अकैडमिक टेस्टिंग और असल दुनिया की चुनौतियों के बीच एक साफ अंतर खींचा। उन्होंने लिखा, इम्तिहान याददाश्त का टेस्ट लेते हैं। जिंदगी साहस का। विनीत ने छात्रों को याद दिलाया कि बोर्ड परीक्षाएं एक बड़ी यात्रा का सिर्फ एक पड़ाव हैं। उन्होंने लिखा, बोर्ड खेल का एक लेवल हैं।

5 प्रतिशत और लुढ़क गए क्वालिटी वॉल्स के शेयर

नई दिल्ली , एजेंसी। क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड के शेयर सोमवार को बाजार में लिस्ट हो गए हैं। क्वालिटी वॉल्स के शेयर सोमवार को बीएसई में 29.90 रुपये पर लिस्ट हुए। 40.20 रुपये के डिस्कवरी प्राइस के मुकाबले कंपनी के शेयर 25.80 पर्सेंट के डिस्काउंट पर लिस्ट हुए हैं। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर क्वालिटी वॉल्स के शेयर 29.80 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। 7000 करोड़ रुपये से ज्यादा के मार्केट कैप के साथ कंपनी बाजार में उतरी है। स्त्रस्ष्टत्त सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिन्दुस्तान यूनिलीवर से डीमर्जर के बाद आइसक्रीम बिजनेस क्वालिटी वॉल्स की लिस्टिंग हुई है।

कमजोर लिस्टिंग के बाद और टूट गए कंपनी के शेयर

कमजोर लिस्टिंग के बाद क्वालिटी वॉल्स के शेयर और लुढ़क गए। कंपनी के शेयर बीएसई में 5 पर्सेंट और टूटकर 28.41 रुपये पर पहुंच गए। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में क्वालिटी वॉल्स के शेयर 5 पर्सेंट लुढ़कर 28.31 रुपये पर जा पहुंचे। हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर बीएसई में 2297.05 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। एचयूएल के शेयर 2299.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

एचयूएल -क्वालिटी वॉल्स का डीमर्जर: नवंबर 2024 की शुरुआत में हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने आइसक्रीम बिजनेस के डीमर्जर को मंजूरी दी थी। कंपनी का आइसक्रीम बिजनेस क्वालिटी वॉल्स, कॉर्नेटो और मैग्नम जैसे पॉपुलर ब्रांड्स को ऑपरेट करता है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने 30 अक्टूबर 2025 को डीमर्जर स्कीम को मंजूरी दी थी। एचयूएल के टोटल सालाना टर्नओवर में आइसक्रीम बिजनेस की हिस्सेदारी 3 पर्सेंट है, टोटल रेवेन्यू में इसका कंट्रीब्यूशन 1800 करोड़ रुपये है। सिक्योरिटीज का कहना है कि आइसक्रीम बिजनेस का वैल्यूएशन 9500 करोड़ से 11,900 करोड़ रुपये के बीच किया जा सकता है। ब्रोकरेज हाउस ने डीमर्ज्ड इकाई के प्रति शेयर की वैल्यू 40-50 रुपये आंकी है।

एचयूएल के हर शेयर पर क्वालिटी वॉल्स का 1 शेयर डीमर्जर के बाद शेयर एंटाइटल्मेंट रेशियो 1:1 तय किया गया था। इसका मतलब यह है कि हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयरधारकों को कंपनी के हर शेयर पर आइसक्रीम बिजनेस क्वालिटी वॉल्स का1 शेयर मिलेगा। अलॉटमेंट डेट 29 दिसंबर 2025 फिक्स की गई थी। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 30 पर्सेंट घटकर 2188 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल की समान अवधि में एचयूएल का नेट प्रॉफिट 3027 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 16,441 करोड़ रुपये रहा, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 15,556 करोड़ रुपये था।

आर एंड बी डेनिम्स दो टुकड़ों में बंटेगा

मुंबई, एजेंसी। छोटे शेयरों में इन दिनों जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है और आर एंड बी डेनिम्स का नाम सबसे आगे है। सोमवार को शुरुआती कारोबार में कंपनी का शेयर एक बार फिर चढ़ गया और लगातार 16वें सत्र में बढ़त दर्ज की। एनएसई पर शेयर करीब 1.76 प्रतिशत उछलकर 52 हफ्ते के नए हाई 181.30 पर पहुंच गया। सिर्फ 16 ट्रेडिंग सेशंस में शेयर 30 प्रतिशत से ज्यादा भाग चुका है। दोपहर 12 :10 बजे के आसपास बीएसई पर भी यह करीब 1.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 181.25 पर ट्रेड करता दिखा। लगातार खरीदारी से साफ है कि निवेशकों की दिलचस्पी इस स्टॉक में बनी हुई है। शेयर में यह तेजी कंपनी के तिमाही नतीजों और बड़े कॉरपोरेट ऐलानों के बाद आई है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 5.91 करोड़ रहा, जो पिछले साल इसी अवधि के 9.16 करोड़ के मुकाबले करीब 35 प्रतिशत कम है। हालांकि, मुनाफे में गिरावट के बावजूद कंपनी की आय बढ़ी है। ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 18.66 प्रतिशत बढ़कर 113.03 करोड़ पहुंच गया, जो पिछले साल 95.25 करोड़ था। यानी बिक्री के मोर्चे पर कंपनी की ग्रोथ जारी है, लेकिन मुनाफे पर दबाव दिखा है। कंपनी के बोर्ड ने 14 फरवरी को कई अहम फैसले भी लिए।

बजट में मिली बंपर सौगात: 5 डिफेंस स्टॉक्स में तूफानी तेजी के आसार

मुंबई, एजेंसी। अगर आप डिफेंस कंपनियों के शेयर में पैसा लगाने की सोच रहे हैं तो यह समय आपके लिए बिल्कुल सही है। क्योंकि, वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में रक्षा के लिए रिकॉर्ड 7.84 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह है कि पूंजीगत खर्च में 21.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी करके 2.19 लाख करोड़ रुपये किया गया है। इसके अलावा, रक्षा अधिग्रहण परिषद ने हाल ही में 3.60 लाख करोड़ रुपये के अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी और बढ़ गई है।

चालू वित्त वर्ष में अब तक 3.3 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है, जो पिछले साल के 2.2 लाख करोड़ रुपये से कहीं ज्यादा है। इस आधार पर ब्रोकरेज का मानना है कि रक्षा पीएसयू और चुनिंदा निजी कंपनियां निरंतर वृद्धि के

लिए अच्छी स्थिति में हैं।

एंटीक एचएएल को लेकर पॉजिटिव है, क्योंकि डिफेंस एयरोस्पेस में उसकी प्रमुख स्थिति है। कंपनी के पास अगले 10-15 वर्षों में तेजस और एएमसीए जैसे 300 से अधिक विमान बनाने का अवसर है। बढ़ते स्वदेशीकरण से एचएएल को सीधा फायदा होगा। ब्रोकरेज ने 6,346 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ खरीदारी रेटिंग बनाए रखी है। बीईएल को इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, रडार और मिसाइल इलेक्ट्रॉनिक्स में बढ़ते आवंटन का सबसे बड़ा लाभार्थी माना गया है। क्यूआरएसएएम कार्यक्रम (करीब 300 अरब रुपये) जैसे बड़े ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। बीईएल के विविध पोर्टफोलियो और बेहतर मार्जिन से कमाई की मजबूत संभावना बनती है। एंटीक ने 532 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ खरीदारी रेटिंग दोहराई है।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स: कांप्लेक्स युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में मझगांव डॉक की अद्वितीय क्षमता है। यह एकमात्र भारतीय शिपयार्ड है जिसके पास पनडुब्बी निर्माण का अनुभव है। ब्रोकरेज को पी-75 परियोजना और अतिरिक्त स्कॉर्पीन पनडुब्बियों से 1.0-1.05 लाख करोड़ रुपये के ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे लंबी अवधि के लिए राजस्व की स्पष्ट तस्वीर बनेगी। एयरोस्पेस और रक्षा में इस्तेमाल होने वाले टाइटेनियम व सुपर-अलॉय घटकों के कारण पीटीसी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। कंपनी का एयरोस्पेस मटेरियल कॉम्प्लेक्स शुरू होने से राजस्व में बड़ी बढ़ोतरी होगी। एंटीक ने 23,005 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ खरीदारी रेटिंग बरकरार रखी है। सोलर इंडस्ट्रीज को रक्षा विनिर्माण में लंबी अवधि का निवेश का जरिया माना गया है। विस्फोटक, गोला-बारूद और अपग्रेडेड डिफेंस टेक्नोलाजी में कंपनी की मजबूत पकड़ है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक इसका डिफेंस ऑर्डर बुक लगभग 191 अरब रुपये का था, जो मजबूत राजस्व संभावना दर्शाता है। अपरिहार्य बना दिया है। पनडुब्बियों, मिसाइलों, ड्रोन और रडार जैसे बड़े प्लेटफॉर्मों के लिए मंजूरी मिल चुकी है, जिससे वित्त वर्ष 2027-28 में ऑर्डर प्रवाह की मजबूत संभावना है।

28 रुपये पर लुढ़क कर आ गया शेयर, 7 प्रतिशत गिरा भाव

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार में तेजी के बीच ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का भाव 7 प्रतिशत से अधिक आज सोमवार को टूट चुका है। इस स्टॉक के टारगेट प्राइस में भी भारी कटौती की गई है। ब्रोकरेज हाउस ने टारगेट प्राइस में 60 प्रतिशत की कटौती की है। बीएसई में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर 30.01 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में 7 प्रतिशत की गिरावट के बाद यह 28.73 रुपये के स्तर पर आ गया। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल भी है। बीएसई में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का 52 वीक हाई 71.24 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 12800 रुपये का है। ब्रोकरेज हाउस एमके ग्लोबल ने स्द्गद्यद्य रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से पहले ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों को खरीदने की सलाह दी गई थी ।एमके ग्लोबल ने टारगेट प्राइस को 50 रुपये से घटाकर 20 रुपये प्रति शेयर कर दिया है। बता दें, कंपनी को रेवन्यू के मोर्चे पर झटका लगा है। जिसकी वजह से निवेशकों के साथ–साथ ब्रोकरेज हाउस का विश्वास कमजोर हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

डयूटी पर तैनात वनरक्षक से अभद्रता

जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता। बरगी थानान्तगर्गत वन परिक्षेत्र स्थित एकप्लांटेशन में डयूटी पर तैनात फारेस्ट गार्ड के साथ तीन लोगो ने गाली गलौज कर अभद्रता की तभी डयूटी पर तैनात वन रक्षक के दौ साथी कर्मचारियों के बीच बचाव करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। आरोपियों के खिलाफशासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया7 बरगी पुलिस ने बताया कि आधारताल आदर्श कालोनी निवासी राहुल गुलाटी वन परिक्षेत्र बरगी में वनरक्षक के पद पर कार्यरत हैं। गत 5 फरवरी को उसकी डयूटी ग्राम चरगवां की बीट तिखारी में प्लांटेशन में थी रात लगभी साढे ग्यारह बजे जब राहुल डयूटी पर तैनात था तभी तीन रूप उसे पास आये जिसमें से एक ने अपना नाम राजू मसराम बताया। जो गाली गलौच कर बताया कि तुमने एक व्यक्ति को मारा है। फारेस्ट गार्ड राहुल ने कहा कि मैने किसी को नहीं माना इसी बाद पर राजू ने वनरक्षक की कॉलर पकड़ ली तभी वनरक्षक के साथी कर्मचारियों गोलू व मेहतू के बीच बचाव करने पर आरोपी धमकाते हुए भाग गया।

बात करने के साथी से मांगा मोबाइल और निकाल लिए 8 लाख

जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता। सिहोरा के वॉटर फिल्टर प्लांट में काम करने वाले एक माली के खाते सेउसके ही साथी ने 8 लाख रूपए निकाल लिए और इसकी भनक माली को नहीं लग सकी। पुलिस का कहना है कि इस धोखाधड़ी की जानकारी माली को उस समय लगी, जब वह भांजी की शादी के लिए बैंक से पैसे निकालने गया। पुलिस ने छानबीन करते हुए आरोपी को पकड़ लिया है। सिहोरा पुलिस ने बताया कि छपरा निवासी लक्ष्मी प्रसाद कुशवाहा ने लिखित शिकायत की कि वह वाटर फिल्टर प्लांट पंप खितौला मे माली का काम करता है। उसके साथ मे आशीष कोल निवासी सिंधुली थाना मझगवां का भी पंप चलाने का काम करता हैं। आशीष कोल उससे 03 जनवरी से लेकर 06 फरवरी तक लगातार बातचीत करने के लिये कहकर उससे उसका मोबाइल ले लिया करता था। उसे अपनी भांजी की शादी के लिये पैसे की जरुरत पड़ी तो वह बैंक गया तब उसे जानकारी लगी कि उसके खातों से पैसा आशीष कोल नाम के व्यक्ति द्वारा निकाले गये हैं। बैंक वालों ने बताया कि पैसा फोन पे के माध्यम से खाते मे ट्रान्सफर किये गये हैं उसके बैंक आफमहाराष्ट्र शाखा सिहोरा के खाता

ग्रीष्म में जलसंकट नहीं, वर्षा में जलप्लावन पर नियंत्रण

नगर निगम की मैराथन बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश

जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

जबलपुर। शहर के समग्र विकास को लेकर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने 16 फरवरी को जल, लोककर्म एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ तीन घंटे की मैराथन बैठक की। बैठक में ग्रीष्म ऋतु में जलसंकट और वर्षा ऋतु में जलप्लावन से मुक्ति के लिए मास्टर प्लान तैयार कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

महापौर ने स्पष्ट कहा कि इस वर्ष नागरिकों को न तो पानी की किल्लत झेलनी पड़ेगी और न ही बरसात में जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ेगा। इसके लिए पाइप लाइन विस्तार, बोरिंग की मरम्मत, संचालन व्यवस्था सुदृढ़ करने और पानी की टंकियों को पूर्ण क्षमता से भरने के निर्देश अभी से दे दिए गए हैं।

10 करोड़ की अतिरिक्त स्वीकृति

बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नालियों के भीतर से गुजर रही पाइप लाइनों को ऊपर शिफ्ट करने के लिए 10 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में कहीं भी कोई पाइप लाइन नालियों के भीतर से न गुजरे।

1 मार्च से नई सफाई व्यवस्था लागू

महापौर ने बताया कि 1 मार्च से शहर में नई और उन्नत सफाई व्यवस्था लागू की जाएगी। अतिरिक्त मशीनों की खरीदी और सफाई मित्रों की संख्या में वृद्धि कर सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी त्योहारों पर भी सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाएगी।

सड़कें होंगी गड्ढा मुक्त

शहर की प्रमुख सड़कों को गड्ढामुक्त और बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए 28 फरवरी तक पार्षद, अध्यक्ष और महापौर मद के सभी कार्यों के टेंडर जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। महापौर ने बताया कि पिछले दो वर्षों में किए गए प्रयासों से जलसंकट और जलप्लावन की समस्याओं में काफी कमी आई है। इस वर्ष और व्यवस्थित कार्ययोजना के माध्यम से नागरिकों को और अधिक राहत प्रदान की जाएगी। बैठक में एमआईसी सदस्य दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर आयुक्त अरविन्द शाह, व्ही.एन. बाजपेयी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।महापौर ने कहा कि नगर निगम नागरिकों को स्वच्छ, सुगम और सुव्यवस्थित शहर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर दिया घटना को अंजाम

जबलपुर निवासी युवक की हत्या, पत्नी ने सहारा देने के बहाने काट दी गर्दन

जबलपुर/मंडला, प्रात:किरण संवाददाता।

मध्यप्रदेश के मंडला में टिकरिया स्थित कूड़ामैली में सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आया है। यहां पर महिला जमुना उर्फ कविता ने जबलपुर से पहुंचे पति सुमित काछी की हत्या अपने प्रेमी के साथ मिलकर की। पहले महिला ने प्रेमी ने सुमित पर हमला किया, इसके बाद घायल होने पर सहारा देते हुए धारदार हथियार से गर्दन काट दी। पुलिस ने मामले में मृतक सुमित की पत्नी व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जबलपुर के तिलवारा क्षेत्र में रहने वाले सुमित काछी की शादी मंडला के टिकरिया में जमुना उर्फ कविता के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों का पारिवारिक जीवन अच्छा चल रहा था, इस दौरान पति सुमित ने पत्नी जमुना की मुलाकर पड़ोस के मंदिर में पुजारी सूर्यकांत से कराई। मुलाकात के बाद सूर्यकांत की जमुना के साथ नजदीकियां बढ़ने लगी और दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गए। इस बीच सुमित को सूर्यकांत व जमुना के बीच संबंधों का पता चला तो विवाद होने लगे।

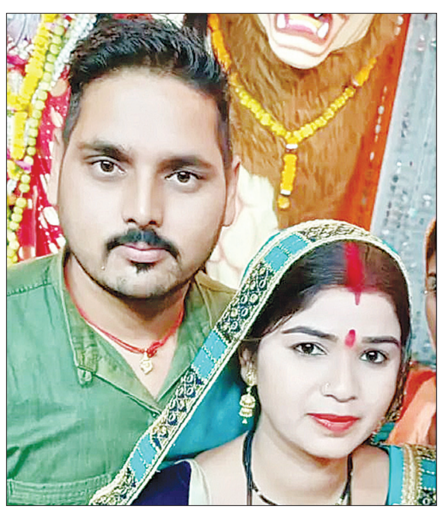

जिसपर तभी जमुना ने प्रेमी सूर्यकांत के साथ मिलकर पति सुमित की हत्या की साजिश रच ली। 14 फरवरी को सुमित और जमुना मंडला जाने के लिए घर से निकले। मधुवन ढाबा के पास दोनों रुके, यहां पर सूर्यकांत पहले से मौजूद था। जिसे देख पति सुमित आगबबूला हो गया, दोनों के बीच झगड़ा हुआ और सूर्यकांत ने सुमित पर हमला कर दिया। पति सुमित पर हमला होते देख पत्नी जमुना ने सहारा देने के बहाने उठाया, इस बीच पुजारी सूर्यकांत ने धारदार हथियार से सुमित की गर्दन काटकर हत्या कर दी। घटना के बाद जमुना ने थाना पहुंचकर लूट की घटना की झूठी रिपोर्ट दर्ज करा दी। इधर सबूत मिटाने का प्रयास किया गया और झूठी शिकायत दर्ज कराई गई। इधर कूड़ामैली के पास मधुवन ढाबा के समीप एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया था। मृतक की पहचान जबलपुर निवासी सुमित काछी के रूप में हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरु की, जांच के बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी जमुना उर्फ कविता से पूछताछ की। शुरुआत में उसने लूट की झूठी कहानी बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर पूरा मामला सामने आ गया।

मक्का नगर में तलवारबाजी का तांडव

घर के बाहर युवक पर जानलेवा हमला

जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता। शहर में बदमाशों के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसका खौफनाक उदाहरण हनुमानताल थाना क्षेत्र के मक्का नगर में सामने आया। यहां एक युवक पर तलवार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पूरी वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना के अनुसार मक्का नगर निवासी मुहम्मद वारिस पर मोहल्ले के ही कुछ युवकों ने घर के बाहर घात लगाकर हमला कर दिया। पीड़ित के परिजनों का आरोप है कि आमीन, आसीन और एहसान नामक युवक पहले से रंजिश रखते थे। जैसे ही वारिस बाहर निकला, आरोपियों ने उस पर तलवार से ताबड़तोड़ वार कर दिए। अचानक हुए हमले से वारिस लहूलुहान होकर गिर पड़ा। परिजनों और आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक वारिस को हाथ और पीठ में गहरे घाव आए हैं। हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है, लेकिन हमला बेहद गंभीर था।

घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बदमाश खुलेआम हथियार लेकर घूम रहे हैं और घरों के बाहर हमला कर रहे हैं, जिससे सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूचना मिलते ही हनुमानताल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफहत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना ने एक बार फिर शहर की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मेयर एडवाइजरी बोर्ड की बैठक में शहर विकास के लिये आए अत्यंत महात्पूर्ण सुझाव

जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

शहर के सर्वांगीण विकास और आगामी बजट को जन-उपयोगी बनाने के उद्देश्य से आयोजित महापौर सलाहकार समिति (रू्डु4श्ह- ॑स्न1द्बह्यश्ह्4 क्क्वड्डह्स्र) की बैठक आज दिनांक 16 फरवरी को संपन्न हुई। इस उच्च स्तरीय बैठक में शिक्षा, तकनीक, अर्थशास्त्र, वित्त, अद्योसंरचना एवं विकास और नगर नियोजन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। बैठक में विशेषज्ञों के अनुभव और महापौर के विज़न के मेल से शहर के विकास का एक ऐसा खाका तैयार किया गया है, जो आने वाले समय में जबलपुर की सूरत बदल देगा।

विकास के नए मॉडल पर जोर

बैठक में केवल पारंपरिक बजट पर चर्चा नहीं हुई, बल्कि शहर की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने के लिए अत्यंत महात्वपूर्ण सुझाव दिए गए। विशेषज्ञों ने

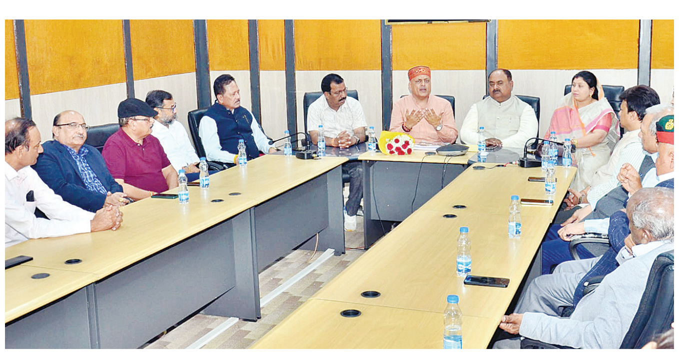

बैठक में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर अपने विचार एवं सुझाव साझा किये - नगर निगम की आय बढ़ाने के लिए नगर निगम बॉन्ड जारी करने और री-डेन्सीफिकेशन की योजनाओं पर चर्चा की गई तथा क्रियान्वयन करने के सुझाव दिये गए। विकास कार्यों की नींव रखने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देने का सुझाव दिया गया, ताकि बड़े प्रोजेक्ट्स को गति मिल सके। बैठक में शहर के सभी प्रवेश द्वारों का भव्य सौंदर्यीकरण करने और नैरोगेज मार्ग को उपयोगी सड़क के रूप में विकसित करने पर भी बैठक में सहमति बनी। शहर के देवतुल्य नागरिकों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने के लिए समिति ने बेहद व्यावहारिक समाधान पेश किए जिसमें चौराहों पर सुगम यातायात के लिए लेफ्ट टर्न को पूरी तरह साफ करने तथा अतिक्रमण मुक्त रखने के सुझाव दिये गए। बैठक में मोबाइल कोर्ट को प्रभावी बनाने के साथ-साथ सीवर कनेक्शन को बढ़ाने तथा उससे आय अर्जित करने के लिए भी सुझाव प्राप्त हुए। बैठक में विशेषज्ञों ने यह भी सुझाव प्रस्तुत किये कि स्कूलों के बाहर छुट्टी के दौरान जो यातायात अव्यवस्थित हो जाता है उसे ठीक करने की भी जरूरत है इस दिशा में निगम प्रशासन को पहल करना चाहिए।

बैठक में ये रहे उपस्थित

जस्टिस एस.के. पालो, रवि बाजपेयी, कैलाश गुप्ता के साथ नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, मेयर इन काउंसिल के सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, एवं अजीत समदड़िया, सुरेश असावा, डॉ. राजेश धीरावानी, हिमांशू खरे, हिमांशू राय, नीरज अग्रवाल, दिग्विजय सिंह, एस.के. दास, राहुल बड़ेरिया, पिंकी जैन, राकेश अयाची, राजवीर नयन, अजय शर्मा, संजय पाण्डेय, आर.के. गुप्ता, एच.पी. सिंह, पी.एन. सनखेरे, सत्येन्द्र दुबे आदि ने बजट को लेकर महात्वपूर्ण सुझाव दिये।

आधारताल में दर्दनाक हादसा: बस ने युवक के पैरों को कुचला, 112 बनी जीवनरक्षक एंबुलेंस

जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

रविवार शाम आधारताल थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे ने लोगों को दहला दिया। थाने से कुछ ही दूरी पर एक लापरवाह बस चालक ने युवक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसके दोनों पैर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों की चीख-पुकार से पूरा इलाका गूंज उठा।

जानकारी के अनुसार, रोहाणी ट्रेवल्स की बस पनागर की ओर से गोहलपुर जा रही थी। शाम करीब 4 बजे जैसे ही बस आधारताल के पास पहुंची, अचानक अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने देखा कि एक युवक बस के पिछले पहियों के नीचे दबा हुआ है। बताया जा रहा है कि चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही आधारताल थाना की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। इसी दौरान पुलिस की डायल 112 वाहन ने एंबुलेंस की भूमिका निभाई। गंभीर रूप से घायल युवक को बिना देर किए उसी वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया। समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बच गई, हालांकि पैरों में गंभीर चोटें आई हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन लोगों की भीड़ देखकर बस रोकनी पड़ी। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और चालक से पूछताछ की जा रही है।

घायल युवक की पहचान फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी हालत स्थिर है, लेकिन चोटें गंभीर हैं और ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है। इस घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कार्रवाई

15 साल बाद कानून का शिकंजा

दो सजायाफ्ता हत्यारे हनुमानताल पुलिस की गिरफ्त में

जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, कानून की पकड़ से बच पाना आसान नहीं। इसका ताजा उदाहरण हनुमानताल थाना क्षेत्र में सामने आया है, जहां वर्ष 1999 के बहुचर्चित हत्याकांड के दो सजायाफ्ता आरोपी 15 वर्ष तक फरार रहने के बाद आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस के अनुसार वर्ष 1999 में हुए दोहरे हत्याकांड में नरबद मराठा और राजेंद्र मराठा को न्यायालय ने दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपी वर्ष 2010-11 में जमानत पर रिहा हुए, लेकिन इसके बाद वे फरार हो गए। अदालत द्वारा उनके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया गया था। समय बीतता गया, लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर रहे। इस बीच वे उत्तर

प्रदेश के कानपुर में परिवार सहित बस गए और पहचान छुपाकर सामान्य जीवन जी रहे थे। सूत्रों के मुताबिक दोनों ने अपने नाम और ठिकाने बदल लिए थे, जिससे उनकी तलाश और कठिन हो गई थी।

हाल ही में जबलपुर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया। हनुमानताल पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद एक टीम कानपुर रवाना हुई और स्थानीय पुलिस के सहयोग से दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। अब उन्हें शेष सजा भुगतनी होगी। पुलिस का कहना है कि फरार वारंटियों और स्थायी वारंटधारियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि कानून से भागने वाले अपराधियों को अंततः न्याय के कटघरे में आना ही पड़ता है। 15 साल की फरारी के बाद हुई गिरफ्तारी ने पुलिस की सतत निगरानी और संकल्प को भी दर्शाया है।

किसानों को अब मात्र 5 रुपये में मिलेगा पांच हॉर्स पॉवर तक का स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन

जबलपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक के ऑनलाइन स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन ढाई हजार रुपये के स्थान पर मात्र पाँच रुपये में रुपये में देगी। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक स्थाई कृषि संयोजन के लिये आवेदन शुल्क को मात्र 5 रुपये निर्धारित किया है। यह सुविधा उन मामलों में दी जाएगी, जहां विद्युत लाइन विस्तार की आवश्यकता नहीं होगी। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण ने बताया है कि मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस संबंध में सर्कुलर जारी कर दिया है। अब तक प्रचलित

व्यवस्था में किसानों से ऑनलाइन आवेदन के लिए 2 हजार 500 रुपये पंजीयन शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा कराई जा रही थी। नवीन निर्णय के अंतर्गत किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह तय किया गया है कि उपभोक्ता द्वारा स्थापित सर्विस लाइन की सुरक्षा नियमों की जांच के उपरांत मात्र 5 रुपये शुल्क में आवेदन स्वीकार किया जाएगा, जबकि शेष सुरक्षा निधि की राशि प्रथम विद्युत बिल में समायोजित की जाएगी। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए विद्युत सुविधा सरल, सुलभ एवं किफायती बनाना है।

प्रकाशक एवं मुद्रक विशाखा अवस्थी द्वारा श्री हनुमत कृपा पब्लिकेशन से मुद्रित एवं ब्लॉक -7, हॉल ए-7 स्कीम-18, जेडीए ऑफिस के बाजू, सिविक सेंटर से प्रकाशित। RNI NO. MPHIN/25/A1541
सलाहकार संपादक अरविंद शीले, प्रबंध संपादक श्रवण मिश्रा, संपादक मदन मोहन अवस्थी* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार दूरभाष -9827007217, 9425856600, 0761-3515636, सतना कार्यालय-07672-292110